सूर्योदय 6:11 सूर्यास्त 6:38

आज का तापमान

शिमला	12.2 न्यू	23.0 अधि
धर्मशाला	11.5 न्यू	26.2 अधि

बाजार

सेंसेक्स	77414.92
निफ्टी	23519.35

सोना 89,164 चांदी 1,00,892

अनंत ज्ञान

www.anantgyaan.in

राजस्थान रॉयल्स के कप्तान पर धीमी ओवर गति के लिए 12 लाख का जुर्माना

पृष्ठ 14 पर

आरएनआई नं. HPHIN01099 | कांगड़ा | मंगलवार, 1 अप्रैल 2025 | 19 चैत्र, विक्रमी संवत 2082 | वर्ष 2, अंक 92, कुल पृष्ठ 14 | मूल्य : 5 रुपए | follow us on: | 8894521702

चतुर्थ मां कूष्माण्डा

चौथे नवरात्र पर मां कूष्माण्डा की पूजा की जाती है। देवी कूष्माण्डा आदिशक्ति का स्वरूप हैं, जिनकी मंद मुस्कान से इस सृष्टि ने सांस लेना आरंभ किया यानी इस सृष्टि का आरंभ किया। देवी कूष्माण्डा का निवास स्थान सूर्यमंडल के बीच है। मां कूष्माण्डा का जो ध्यान करते हुए पूजन करते हैं, उनके लिए इस संसार में कुछ भी दुर्लभ नहीं रह जाता है। माता अपने भक्त की हर चाहत को पूरी करती हैं और भोग एवं मोक्ष प्रदान करती हैं।

या देवी सर्वभूतेषु मां कूष्माण्डा रूपेण संस्थिता। नमस्तस्यै-नमस्तस्यै-नमस्तस्यै नमो नमः॥

आज का मैच

लखनऊ सुपर जायंट्स vs पंजाब किंग्स

समयः रात 7:30 बजे (लखनऊ)

न्यूज शॉर्ट्स

छत्तीसगढ़ में इनामी महिला नक्सली ढेर

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में सुरक्षाबलों ने 25 लाख रुपए की इनामी महिला नक्सली को मुठभेड़ में मार गिराया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि दंतेवाड़ा और बीजापुर के सीमावर्ती क्षेत्र में हुई मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी की सदस्य रेणुका उर्फ बानु को मार गिराया है। दंतेवाड़ा एसपी गौरव रॉय ने बताया कि महिला नक्सली के शव के साथ राइफल भी बरामद की है।

निधि तिवारी बनीं पीएम मोदी की पर्सनल सेक्रेटरी

नई दिल्ली। आईएफएस अधिकारी निधि तिवारी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का निजी सचिव नियुक्त किया है। 2014 बैच की भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस) अधिकारी वर्तमान में प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) में उपसचिव के रूप में कार्यरत हैं। कार्मिक मंत्रालय की ओर से जारी आदेश में कहा कि कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने निधि तिवारी की सह अवधि के आधार पर निजी सचिव के रूप में नियुक्ति को मंजूरी दे दी है।

अंदर के पन्नों पर पढ़ें

- रोपा कोट प्राइमरी स्कूल को मर्ज करना अनुचित : हाईकोर्ट -पेज 2
- सिमसा माता मंदिर में महिलाओं ने की संतान प्राप्ति की मनोकामना -पेज 9
- हिमाचल भाजपा को जल्द मिल सकता है नया अध्यक्ष! -पेज 13
- बजट लागू होने पर आज से होंगे 6 बड़े बदलाव -पेज 14
- शम्मी सिल्वा लगातार चौथी बार बने एसएलसी अध्यक्ष -पेज 14

अनाथ बच्चों को अब मिलेगा बोनाफाइड हिमाचली सर्टिफिकेट

15 साल से बाल देखभाल संस्थानों में रह रहे बच्चे उठा सकेंगे सुविधाओं का लाभ

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

सुक्खू सरकार ने अनाथ बच्चों के अधिकारों को और मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। राज्य में पिछले 15 साल से बाल देखभाल संस्थानों में रह रहे अनाथ बच्चों को अब बोनाफाइड हिमाचली प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा। अब तक इस तरह की कोई व्यवस्था न होने के कारण अनाथ बच्चे कल्याणकारी योजनाओं और सरकारी नौकरियों के लिए पात्र नहीं हो पाते थे, लेकिन सरकार के इस निर्णय से वे भी अन्य नागरिकों की तरह सरकारी योजनाओं और सुविधाओं का लाभ उठा सकेंगे। एक सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने 30 अक्तूबर, 2024 को शिमला स्थित बाल आश्रम टुटीकंडी के दौरे के दौरान इस समस्या को समझा था। उन्होंने उपायुक्त शिमला को इस विषय की समीक्षा कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए थे। विस्तृत अध्ययन और समीक्षा के बाद सरकार ने इन बच्चों को बोनाफाइड हिमाचली प्रमाण पत्र जारी करने का फैसला किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सुक्खू अनाथ बच्चों के प्रति संवेदनशील रहे हैं। यही कारण था कि मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद उन्होंने सचिवालय जाने से पहले टुटीकंडी बाल आश्रम का दौरा किया और बच्चों से संवाद किया, उनके नेतृत्व में हिमाचल प्रदेश देश का पहला ऐसा राज्य बना, जिसने सभी 6,000 अनाथ बच्चों को 'राज्य के बच्चे' के रूप में कानूनी मान्यता दी।

सीएम सुक्खू ने जानी थी बच्चों की समस्या

मुख्यमंत्री सुखाश्रय योजना बनी सहारा

प्रवक्ता ने कहा कि अनाथ बच्चों को शिक्षा, देखभाल और आर्थिक आत्मनिर्भरता प्रदान करने के उद्देश्य से प्रदेश सरकार ने 'मुख्यमंत्री सुखाश्रय योजना' लागू की है। इसके तहत अनाथ बच्चों को कई सुविधाएं दी जा रही हैं, जिनमें भारत भ्रमण और शैक्षिक यात्राओं का अवसर 14 साल तक के बच्चों को 1,000 रुपए मासिक सहायता तथा 15 से 18 वर्ष के बच्चों और एकल महिलाओं को 2,500 रुपए प्रतिमाह सहायता, जेब खर्च के रूप में हर महीने 4,000 रुपए, स्टार्टअप के लिए 2 लाख रुपए की आर्थिक मदद और आवास निर्माण के लिए 3 बीघा भूमि और 3 लाख रुपए की सहायता राशि शामिल है।

अर्की कॉलेज में ठेकेदार व कार्यवाहक प्रिंसिपल की मिलीभगत से पौने 12 लाख रुपए का गबन

पुलिस जांच में हुआ खुलासा; ठेकेदार गिरफ्तार, 3 दिन के रिमांड पर भेजा

अनंत ज्ञान टीम, सोलन

सोलन जिले के तहत राजकीय महाविद्यालय अर्की को उत्कृष्ट महाविद्यालय बनाने के लिए स्वीकृत एक करोड़ की राशि के नाम पर ठेकेदार और कार्यवाहक प्रिंसिपल ने मिलीभगत कर पौने 12 लाख का गबन कर दिया।

शिकायत के बाद पुलिस की जांच में यह खुलासा हुआ है। पुलिस ने आरोपी ठेकेदार को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे तीन दिन के रिमांड पर लिया है। डिग्री कॉलेज अर्की की प्राचार्य सुनीता ने पुलिस थाना अर्की में रिपोर्ट दर्ज करवाई थी कि 2021-22 में राजकीय महाविद्यालय अर्की को उत्कृष्ट कॉलेज बनाया गया था, जिसके लिए सरकार ने 1 करोड़ की धनराशि स्वीकृत की थी।

कॉलेज रिकॉर्ड के अनुसार, 1 करोड़ रुपए की राशि में से 8,81,950 रुपए की धनराशि को बास्केटबाल कोर्ट बनाने पर और 3,00,000 रुपए की धनराशि ओपन एयर जिम बनाने के लिए खर्च दर्शाई गई थी। 11,81,950 रुपए ठेकेदार नंदन कॉन्ट्रैक्टर्स सप्लायर मंडी को 19 मार्च, 2022 को अर्की ट्रेजरी के माध्यम से बिल पास होने पर उसके खाता के माध्यम से भुगतान की गई थी, लेकिन आज तक न तो अर्की कालेज कैंपस में बास्केटबाल कोर्ट बना व न ही ओपन एयर जिम बना है। 11,81,950 रुपए को कॉलेज कमेटी के मेंबर डॉ. जगदीश, कार्यवाहक प्रिंसिपल चमन लाल और ठेकेदार नंदन ने मिलीभगत कर जाली दस्तावेज तैयार कर यह गबन किया है। एसपी सोलन गौरव सिंह ने बताया कि अभियोग पंजीकृत होने के बाद 9 अभियुक्तों ने न्यायालय में अग्रिम जमानत अर्जी दी। अभियोग के अन्वेषण के दौरान अर्की पुलिस ने 30 मार्च को आरोपी ठेकेदार नीतीश शर्मा उर्फ नंनद, जिला मंडी को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से तीन दिन की पुलिस कस्टडी में लिया गया है। आगे की जांच जारी है।

कॉलेज कैंपस में न बास्केटबाल कोर्ट बना, न ही ओपन एयर जिम

पीजी मेडिकल दाखिला : हाईकोर्ट ने केंद्र और एम्स से मांगा जवाब

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली हाईकोर्ट ने उस याचिका पर केंद्र और अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) से जवाब मांगा है, जिसमें दावा किया है कि एम्स कुछ रिक्त सीट के बावजूद पीजी पाठ्यक्रम में प्रवेश से जुड़ी राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों की संयुक्त प्रवेश परीक्षा (आईएनआई-सीईटी)-2025 के तहत दाखिले के लिए काउंसिलिंग का स्पॉट राउंड आयोजित करने में विफल रहा। न्यायमूर्ति विकास महाजन ने केंद्र और एम्स दिल्ली को नोटिस जारी किया। अदालत ने सुनवाई 4 अप्रैल तक स्थगित कर दी।

हिमाचल में बढ़ी तपिश, तीन से फिर बारिश-बर्फबारी का दौर

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

हिमाचल प्रदेश में मौसम साफ बना हुआ है और तेज धूप से गर्मी बढ़ रही है। मौसम विभाग के अनुसार, एक और दो अप्रैल को मौसम साफ रहेगा। हालांकि, तीन अप्रैल को प्रदेश के पांच जिलों लाहौल-स्पीति, किन्नौर, कुल्लू, कांगड़ा और चंबा में बारिश व बर्फबारी होने की संभावना है, जबकि अन्य सात जिलों में मौसम शुष्क रहेगा।

चार से छह अप्रैल तक प्रदेश में फिर से मौसम साफ रहने के आसार हैं। मौसम के साफ रहने से अधिकतम और न्यूनतम तापमान में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। मैदानी इलाकों में दिन के समय हल्की तपिश महसूस की जा रही है। बीते 24 घंटों में राज्य के औसत अधिकतम तापमान में 0.8 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि दर्ज की गई है।

शिमला की रातें मैदानी इलाकों की तुलना में अधिक गर्म हो रही हैं। हालांकि, जनजातीय इलाकों में अभी भी कड़ाके की ठंड बनी हुई है। लाहौल-स्पीति के ताबो में न्यूनतम तापमान -0.7 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो प्रदेश में सबसे कम रहा।

केलांग में न्यूनतम तापमान 0.4 डिग्री और कुकुमसेरी में 2.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। शिमला में न्यूनतम तापमान 12.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि मैदानी भागों बिलासपुर का रात का पारा 11.5 डिग्री और ऊना का न्यूनतम तापमान 6.9 डिग्री सेल्सियस रहा। अन्य जिलों में भी न्यूनतम तापमान में मामूली बढ़ोतरी देखी गई। कांगड़ा में 10.3 डिग्री, मंडी में 10.6 डिग्री, चंबा में 8.8 डिग्री, पालमपुर में 9 डिग्री, सुंदरनगर में 9.3 डिग्री और सराहन में 9.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

म्यांमार में भूकंप से भारी तबाही मरने वालों की संख्या 2056 पहुंची

एजेंसी, बैंकॉक

म्यांमार में पिछले हफ्ते आए विनाशकारी भूकंप के बाद लोग दहशत के साये में हैं। भूकंप के बाद मलबे से और शव निकाले जाने के साथ मृतकों की संख्या बढ़कर 2056 से अधिक हो गई है।

मृतकों की संख्या में और इजाफा हो सकता है। सरकार के प्रवक्ता मेजर जनरल जॉ मिन तुन ने बताया कि 3,400 लोग घायल हुए हैं और 300 से ज्यादा लापता हैं। म्यांमार में गत शुक्रवार दोपहर 7.7 तीव्रता के भूकंप से राजधानी नेपीता और देश के दूसरे सबसे बड़े शहर मांडले सहित कई अन्य स्थानों पर व्यापक नुकसान हुआ है। 'स्प्रिंग रेवोल्यूशन म्यांमा मुस्लिम नेटवर्क' की संचालन समिति के सदस्य तुन की ने बताया कि मस्जिदों में जुमे की नमाज अदा कर रहे 700 से अधिक लोगों की मौत हुई है। वहीं, म्यांमार की जुंटा सरकार ने विदेशी पत्रकारों की एंट्री पर रोक लगा दी है।

पेशावर में इस्लाम धर्म अपनाने से मना करने पर हिंदू की हत्या

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पेशावर शहर में इस्लाम धर्म को अपनाने की मांग मानने से इनकार करने पर एक हिंदू नागरिक नदीम की गोली मारकर हत्या कर दी गई। यह घटना पेशावर के पोस्टल कॉलोनी इलाके में हुई, जब नदीम काम खत्म से लौट रहा था, तो उस पर हमला कर दिया। 56 वर्षीय नदीम पेशे से एक सरकारी संस्थान में सफाई कर्मचारी थे। गोलीबारी के बाद संदिग्ध भागने में सफल रहा, लेकिन बाद में पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। नदीम के भाई सागर अमीन ने कहा कि आरोपी दो-तीन महीने से नदीम को इस्लाम धर्म अपनाने के लिए कह रहा था।

भ्रष्टाचार मामला : फ्रांस की नेता मरीन ली पेन को 4 साल की सजा

पेरिस। फ्रांस की एक अदालत ने सोमवार को दक्षिणपंथी पार्टी 'नेशनल रैली' की लीडर मरीन ली पेन को चार साल की सजा सुनाई है। इसके अलावा उन्हें 5 साल के लिए चुनाव लड़ने पर रोक लगा दी गई है। इस फैसले के बाद ली पेन 2027 के चुनावों में राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव नहीं लड़ पाएंगी। ली पेन के अलावा उनकी नेशनल रैली पार्टी के 8 और नेताओं को दोषी ठहराया गया गया है। इन लोगों पर यूरोपीय संसद में फर्जी नौकरी घोटाले में पब्लिक फंड का गबन करने का आरोप है।

CRACKACADEMY
प्रदेश के युवाओं के लिए लाये है
मेरे शहर के 100 रत्न
6800 युवाओं को सरकारी और अन्य परीक्षाओं की फ्री तैयारी
आप भी इस मिशन का हिस्सा बन सकते है
कार्यक्रम संचालित करने के लिए CENTRES खोले जा रहे हैं जिसका संचलान एक CENTRE OWNER करेगा
LEARNING CENTRE खोलने के लिए आवेदन आमंत्रित किए जा रहे हैं
यह एक PROFITABLE BUSINESS करने का सुनहरी मौका है
ONLY 1 CENTRE PER CITY 90 UPCOMING CENTRES
60% CENTRES RESERVED FOR RETIRED GOVERNMENT EMPLOYEES, TEACHERS, DEFENCE PERSONNEL, AND WOMEN
ONLY 2 DAYS LEFT
LAST DATE 03 APRIL, 2025
सेंटर पार्टनर बनने के लिए आवेदन करें www.crack.academy/hp
CRACKACADEMY
Crack Academy (पहले Crack IAS) भारत का पहला Online Edtech Platform है जो UPSC, Civil Services Exams की तैयारी के लिए 2007 में शुरु हुआ था। हम छोटे शहरों में कंपनी द्वारा संचालित, Franchise Ownership वाले Classrooms स्थापित कर रहे हैं,
17+ YEARS OF COACHING INDIA
UPSC, CDS, CLAT, SSC, JEE, NEET, BANK PO
25000 ADMISSIONS/YEAR
50+ DELHI TEACHERS
1000+ IAS SELECTIONS
100+ CENTRES
100+ COURSES
30 LAC BOOKS SOLD
HELPLINE : 9217 05-05-05, 9217 07-07-07

सेहत महिलाएं गांव से लाकर शहर में बेच रहीं फेगड़े की सब्जी

कैंसर को दूर भगाए फेगड़े की सब्जी

अनिल शर्मा, मंडी

विश्वभर में भारत ही एकमात्र ऐसा देश है, जहां 6 ऋतुएं होती हैं और इन्हीं ऋतुओं के अनुसार खानपान का भी महत्व रहा है, जिसका पालन करने से बीमारियां नजदीक नहीं आती हैं। मौसम के अनुसार, प्राकृतिक साग-सब्जियों का सेवन करने से कई प्रकार की गंभीर बीमारियों से छुटकारा मिलता है। ऐसी ही एक सब्जी फेगड़े (भूणी) है। फेगड़े न केवल पौष्टिक सब्जी है, बल्कि इसमें बहुत से ऐसे तत्व हैं, जो हमें कैंसर जैसे गंभीर रोगों से भी बचाते हैं। चौहट्टा बाजार में गांव से कुछ महिलाएं फेगड़े की सब्जी लाकर बेच रही हैं, जिसे मंडीवासियों ने हाथों-हाथ खरीदा। दूध युक्त इसके छोटे-छोटे फलों की तासीर गर्म होती है और इसको वर्षभर में केवल तीन से चार बार ही खाया जाता है।

फेगड़े में मैगनीज व मैग्नीशियम जैसे तत्व होते हैं। मैगनीज एक ऐसा खनिज है, जिसकी मनुष्य के शरीर को कम मात्रा में आवश्यकता होती है, लेकिन फिर भी इसकी उपयोगिता शरीर के लिए अधिक है। मनुष्य के शरीर में अधिकतम 20 मिलीग्राम मैगनीज होता है, जो शरीर के विभिन्न भागों जैसे लिवर, किडनी व हड्डियों में पाया जाता है। यह शरीर की कार्यप्रणाली के सुचारु रूप से काम करने के लिए बेहद जरूरी है। मैगनीज थायराइड के विकारों को नष्ट करता है और तंदुरुस्त बनाता है। (अनंत ज्ञान)

फेगड़े की सब्जी बेचती महिला।

क्या काम करता है मैगनीज, मैग्नीशियम

फेगड़े में पाए जाने वाला मैगनीज हड्डियों को मजबूत बनाता है और रक्त को शुद्ध कर मधुमेह जैसी बीमारी से लड़ने की ताकत देता है। यह मिर्गी जैसी गंभीर बीमारी में भी लाभकारी है। महिलाओं में सिरदर्द, चिड़चिड़ापन और डिप्रेशन जैसी समस्याओं को दूर करने व मैगनीज सुपरऑक्साइड डिसम्यूटेज स्तर को बढ़ाकर मोच का उपचार करने में भी सहायक होता है। वहीं, मैग्नीशियम शरीर में कैल्शियम, पोटाशियम और जिंक जैसे अन्य खनिजों का स्तर बनाए रखने में मदद करता है। दिल और गुर्दों को ठीक से काम करने में मदद करता है।

कैसे बनाएं फेगड़े की सब्जी

फेगड़े को हल्के मुलायम पत्तों के साथ पेड़ से निकाला जाता है और फिर इनको उबाला जाता है। उसके बाद इसे अन्य सब्जियों की तरह ही तड़का आदि लगाकर प्रयोग में लाया जाता है। जायका बदलने के लिए इसमें दही या छाछ भी लगाई जा सकती है।

अनंत ज्ञान स्पैशल — क्या कहते हैं डॉक्टर

मेडिकल ऑफिसर जोनल अस्पताल मंडी के डॉ. दुष्यंत ठाकुर का कहना है कि इसमें मैगनीज और मैग्नीशियम खनिज पाया जाता है, जो शरीर के लिए बहुत लाभदायक है। यह बीमारियों से लड़ने में काफी मदद करता है, लेकिन ज्यादा मात्रा में खाना भी हानिकारक साबित हो सकता है, क्योंकि यह ऋतुफल के रूप में खाने योग्य है, जिसे प्राचीन समय से ही मनुष्य खाता आ रहा है।

सिकंदर पंचायत में प्रवासी मजदूर ने लगाया फंदा

संजीव चौहान, टौणी देवी। टौणी देवी की सिकंदर पंचायत में एक प्रवासी मजदूर ने फंदा लगाकर अपनी जीवन लीला खत्म कर ली। मृतक की पहचान सदुल साद्दा पुत्र सूखो सादा वार्ड नंबर 7, सठमा डाकघर कुर्वन थाना बेलदौर अंचल कुरमान जिला खगड़िया (बिहार) के रूप में हुई है। 35 साल का प्रवासी मजदूर सादुल कुछ माह से अमित कुमार पुत्र सरवण कुमार गांव ढांगू डाकघर बारी मंदिर तहसील टौणी देवी के पुराने मकान में किराए पर रहता था। मृतक के दो बेटे और एक बेटी है। घटना रविवार देर रात की बताई जा रही है। सूचना मिलने पर टौणी देवी पुलिस चौकी की टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल हमीरपुर ले जाया गया। मकान मालिक अमित कुमार ने बताया कि वह स्वयं अपने नए मकान में रहते हैं, जबकि पुराना मकान प्रवासी मजदूर को किराए पर दिया है। शंका है कि प्रवासी मजदूर ने शराब का सेवन कर पत्नी से अनबन हुई और बाद में फंदा लगा लिया। (अनंत ज्ञान)

गोसदन सौट्टा की आम सभा में नई समिति गठित

अनंत ज्ञान, भोरंज। उपमंडल भोरंज के तहत गोसदन सौट्टा की आम सभा की बैठक गोसदन परिसर में आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता विधासागर शर्मा पूर्व अंतराष्ट्रीय वॉलीबाल कोच ने की। कार्यक्रम में अध्यक्ष ने पिछले वर्ष के आय-व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया और स्थायी समिति को भंग कर दिया गया। इस प्रकार पीठासीन अधिकारी की अध्यक्षता में नई समिति के गठन की प्रक्रिया शुरू हुई। सभी ने पिछली समिति द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्यों की प्रशंसा की। नई समिति के सदस्यों को सर्वसम्मति से चुना गया। इसमें अध्यक्ष केशव कुमार शर्मा, उपाध्यक्ष देले राम और नरेश कुमार सहगल, महासचिव बलदेव दास शर्मा, सहायक सचिव किशोर लाल शर्मा, आयोजक डॉ. कुलवंत राय शर्मा और सहायक आयोजक मेहर सिंह। गोसदन समिति के गठन के अनुसार, निर्वाचित समिति का कार्यकाल दो वर्षों के लिए होता है।

सेवा संस्था 10 को चौरी में मनाएगी धूमल का जन्मदिन

अनंत ज्ञान, टौणी देवी। पूर्व सीएम प्रो. प्रेम कुमार धूमल का जन्मदिवस 10 अप्रैल को अटल प्रेम सेवा संस्था चौरी में मनाएगी। इसके लिए संस्था ने तैयारियां शुरू कर दीं। हिमाचल के दो बार के सीएम रहे प्रो. प्रेम कुमार धूमल के चाहने वाले आज भी प्रदेश के कोने-कोने में मौजूद हैं। उनके जन्मदिवस पर हजारों लोग उन्हें शुभकामनाएं देने पहुंचते हैं। सड़कों वाले मुख्यमंत्री के रूप में विख्यात प्रो. धूमल ने सड़क, स्वास्थ्य, पर्यावरण और औद्योगिक विकास में कई उपलब्धियां प्रदेश के लिए अर्जित की, जिन्हें लोग आज भी याद करते हैं। संस्था के अध्यक्ष विजय बहल ने बताया कि इसी कड़ी में टौणी देवी मंदिर में अटल प्रेम सेवा संस्था की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में अनिल शर्मा, वीरेंद्र ठाकुर उपाध्यक्ष, पवन शर्मा महामंत्री, कपिल शामा, लता कटोच, पूनम डोगरा, मेहर सिंह, सुरेंद्र लगवाल, पुन्नू राम, प्रताप, मनजीत, बलवीर, जितेंद्र, कृष्णदेव, हेमराज, हरनाम शर्मा, मदन लाल मौजूद रहे।

गर्मियों में जंगलों को आग से बचाएं : अजय

अनंत ज्ञान, गलोड़। गाहलियां कृषि सेवा सहकारी सभा का वार्षिक साधारण अधिवेशन सभा के प्रधान यशपाल सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुआ, जिसमें सभा के सचिव अजय गौतम ने सहकारी सभा के विभिन्न विषयों के साथ-साथ अन्य विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर भी सभा का पक्ष रखा। अजय गौतम ने विभिन्न बीमारियों से बचने के लिए लोगों को योग और व्यायाम करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि दिन-प्रतिदिन पर्यावरण को भी लोग नुकसान पहुंचा रहे हैं, सिर्फ चंद लोगों की वजह से कई जंगल गर्मियों के सीजन में आग की भेंट चढ़ रहे हैं। गर्मियों की इस मौसम में लोग अपने आसपास के जंगलों को आगजनी की घटनाओं से बचाएं और अधिक से अधिक पौधारोपण करें। उन्होंने अन्य मुद्दों पर भी विशेष रूप से चर्चा की।

नादौन की मस्जिदों में हर्षोल्लास के साथ मनाई ईद

अनंत ज्ञान, नादौन। मुस्लमान समुदाय ने हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी ईद-उल-फितर का पर्व काफी हर्षोल्लास के साथ मनाया। इस पर्व पर नादौन के साथ लगती प्रसिद्ध साईं फाजलशाह की दरगाह तकिया भरमोटी सहित जगह-जगह मस्जिदों व मजारों में मुस्लमान समुदाय के लोगों ने इकत्रित होकर नमाज अता की तथा सुख-शांति की कामना की। समुदाय के लोगों ने एक-दूसरे के गले मिलकर इस पर्व की बधाई दी। मिठाइयां बांटकर मुंह मीठा करवाया गया। नादौन के भरमोटी में स्थित प्रसिद्ध पीर बाबा साईं फाजलशाह की दरगाह तकिया भरमोटी में नैनीताल से आए ईमाम म्यूद्दीन ने नमाज अता करवाई। वहीं, बेहा में स्थित मस्जिद में हाजी लियाकत अलि, हाजी बाबू खां, हाजी बली मोहम्मद, खुशी मोहम्मद, दिली मोहम्मीद, बशीर मोहम्मद, नाजीर मोहम्मद आदि ने नमाज अता की। नादौन के वार्ड नं. सात में स्थित मस्जिद में सलामदीन, दलेर मोहम्मद, फ्याला मस्जिद में रफीक मोहम्मद सहित अनेक लोगों ने नमाज अता की तथा समस्त समाज की सुख-शांति की कामना की।

गले मिलकर एक-दूसरे को दी ईद की मुबारक

सुनील कुमार, हमीरपुर। रंगस के बन्न गांव में सोमवार के दिन ईद-उल-फितर का त्योहार धूमधाम के साथ मनाया गया। मस्जिद गौसिया वेलफेयर कमेटी के प्रधान नियाजदीन ने बताया कि सभी लोगों ने 9 बजे ईद की नमाज पढ़कर एक दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी। इस मौके पर कमेटी के उप प्रधान बली मोहम्मद, जान मोहम्मद, मौला दीन व फकीर मोहम्मद आदि सदस्य मौजूद रहे। (अनंत ज्ञान)

भोरंज हलके में शिक्षा के क्षेत्र में नई पहल होगी शुरू

अनंत ज्ञान, भोरंज

- सरकारी स्कूलों के ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को मिलेगी प्रतियोगी परीक्षाओं की निशुल्क कोचिंग

भोरंज विधानसभा क्षेत्र के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को नीट, जेईई व अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की निशुल्क कोचिंग मिलेगी। यह कोचिंग स्कूलों में सेवारत चुनिंदा प्रवक्ता टेस्ट सीरीज तैयार करके देंगे और इसका शुभारंभ 2 अप्रैल को राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला जाहू से भोरंज विधायक सुरेश कुमार करेंगे। विधायक सुरेश कुमार ने भोरंज विश्रामगृह में प्रेस वार्ता के दौरान कहा कि भोरंज विधानसभा क्षेत्र के सरकारी स्कूलों के ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को प्रतियोगी परीक्षा के लिए तैयार किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के बच्चे धन की कमी के कारण कोचिंग से वंचित रह जाते हैं, इसलिए ऐसे बच्चों को सरकारी स्कूलों के अध्यापकों की मदद से आगे लाया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि सरकारी स्कूलों के चुनिंदा अध्यापक विभिन्न विषयों के टेस्ट सीरीज के लिए प्रश्न बैंक तैयार करेंगे और स्कूली स्तर पर बच्चों को नीट, जेईई व अन्य प्रतियोगी परीक्षा के लिए ऑनलाइन व ऑफलाइन तरीके के बच्चों को निपुण करेंगे। उन्होंने कहा कि भोरंज विस के सरकारी स्कूलों में मेडिकल विषय की पढ़ाई करके वाले 103 बच्चों ने 4 मई को होने वाली नीट की परीक्षा के लिए आवेदन किया है। इस बच्चों को इसका विशेष लाभ मिलेगा। इसके वर्ष 2025-26 के शिक्षा सत्र में 2 अप्रैल से क्रैस कोर्स शुरू किया जा रहा है।

इसके लिए अध्यापक ही पेपर तैयार व छात्रों का टेस्ट लिया जाएगा। इस पेपरों की चेकिंग भी अध्यापक ही करेंगे और ब्लॉक स्तर मेधावी छात्रों की मेरिट लिस्ट तैयार की जाएगी। यह कार्यक्रम साल भर चलेगा और बच्चों की अतिरिक्त कक्षाएं लेकर उनकी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करवाई जाएगी। उन्होंने कहा कि इसके अलावा आर्ट्स के छात्रों के लिए भी जल्द ही प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए कोचिंग शुरू की जाएगी। इसके अलावा 10+2 के छात्रों के लिए प्रतियोगी परीक्षाएं जैसे क्लर्क, पुलिस, आर्मी व अन्य परीक्षाओं के लिए सरकारी स्कूल के 9वीं कक्षा से ही कोचिंग भी प्रारंभ की जाएगी इसके लिए इसके कार्य के देखरेख के लिए भोरंज एसडीएम शशिपाल शर्मा को भी जोड़ा गया है।

नगर निगम में विकास ठप

काम के लिए नहीं मिला बजट, 10 करोड़ की है देनदारी

अनिल कुमार, हमीरपुर

हर वर्ष वित्तीय वर्ष 31 मार्च को समाप्त होता है और पहली अप्रैल को नया वित्तीय वर्ष शुरू हो जाता है। नए वित्तीय वर्ष में नई योजनाओं और विकास कार्य करवाने के लिए बजट जारी किया जाता है, लेकिन नगर निगम हमीरपुर में पिछले दो माह से सभी नए कार्य करने पर रोक लगा दी गई है। इसका मुख्य कारण है कि अक्तूबर माह के बाद कोई भी बजट नगर निगम को नहीं आया है, ऐसे में बजट का प्रावधान न होने के चलते सभी कार्य पिछले डेढ़ माह से बंद कर दिए हैं। यही नहीं पुराने विकास कार्यों की पेमेंट भी नहीं हुई है, ऐसे में नगर निगम में सभी कार्य ठप पड़े हुए हैं।

इसमें वार्ड नंबर 10 में बन रहे पार्क का अभी तक लेबलिंग का कार्य हुआ है, उसके बाद कोई कार्य नहीं हुआ है। इसके अलावा नई सड़क या अन्य कार्य भी नहीं हो पा रहे हैं। बता दें कि नगर निगम हमीरपुर को विकास कार्यों की लगभग 5 से 6 करोड़ रुपए की देनदारी हो गई है। ठेकेदार नगर निगम में अपनी पेमेंट लेने तो आ रहे हैं, लेकिन उन्हें अपने कार्य की पेमेंट नहीं मिल रही है, ऐसे में नए कार्य करना और भी मुश्किल हो गया है।

नया बजट मिलने पर ही शुरू होंगे कार्य : आयुक्त

इस बारे में नगर निगम के आयुक्त राहुल चौहान ने बताया कि नगर निगम पर लगभग 6 करोड़ रुपए की देनदारी है। उन्होंने बताया कि निगम की ओर से ठेकेदारों को नोटिस जारी किया गया था कि जो भी विकास कार्य चले हुए हैं, उन्हें बंद कर दिया जाए। उन्होंने बताया कि नगर निगम के पास कोई बजट नहीं है और न ही कोई बजट अप्रूव हुआ है। उन्होंने बताया कि कुछ समय पहले 87 लाख रुपए आए थे जो कि कर्मचारियों के वेतन में खर्च हो गया है, अब नया बजट आने के बाद ही विकास कार्य शुरू हो पाएंगे।

- पिछले पांच माह से नहीं आया कोई पैसा, ठेकेदारों को नहीं मिल रही पेमेंट

बताया जा रहा है कि नगर परिषद द्वारा जो कार्य आवंटित किए थे, केवल उन्हीं कार्य को पूरा करवाया गया है। नगर निगम की अधिसूचना जारी होने के बाद कोई भी नया टेंडर नहीं हुआ है। नगर निगम प्रशासन ने ठेकेदारों को जनवरी माह से किसी भी विकास कार्य को करने के लिए मना कर दिया था। जो विकास पूरे नहीं हुए थे, उन कार्यों पर भी रोक लगा दी गई है। मार्च माह भी समाप्त हो गया है, लेकिन ठेकेदारों को पेमेंट मिलने की कोई उम्मीद नहीं है। (अनंत ज्ञान)

जन सुधार संस्था ने जरूरतमंदों को दी आर्थिक सहायता

अनंत ज्ञान, नादौन। जन सुधार संस्था कोहला की मीटिंग संस्था अध्यक्ष राजीव कुमार की मौजूदगी में संपूर्ण हुई। मीटिंग में संस्था की कार्यों के बारे में सोच विचार किया गया। मीटिंग में बतौर मुख्यातिथि सीता राम शिरकत की। मुख्य अतिथि ने संस्था के कार्यों की सराहना करते हुए लोगों से अपील की कि ज्यादा से ज्यादा लोग संस्था के साथ जुड़ें और दीन दु:खयों की सेवा करे। साथ में मुख्यातिथि ने सुनील कुमार पूनम लता कोमल महक को 1000 - 1000 पेंशन आर्थिक सहायता के तौर पर दी, साथ में टिल्लू की शिवानी पुत्री स्व. नरेंद्र कुमार की लड़की की शादी के लिए 5100 रुपए की सहायता राशि दी।

इस कार्य में संस्था उपाध्यक्ष रवि मेहता, सचिव जगदीश चांद, कोषाध्यक्ष गुलवांत सिंह, सुमन कौंडल, तिलक राज, सुभाष चंद, सीता राम, तिलक चौधरी, धर्म राज, ओम प्रकाश, विक्रमजीत, संदीप, देवेंद्र सुभाष मेहता, चमन लाल, पूनम लता व सुलेखा उपस्थित रहे।

बाबा बालक नाथ मंदिर में 15 दिन में श्रद्धालुओं ने 4.40 करोड़ रुपए चढ़ाए

एसके ठाकुर, बड़सर

- बकरों की नीलामी से मंदिर को हुई 15 लाख 45 हजार 900 रुपए की आय

उत्तरी भारत के प्रसिद्ध सिद्ध पीठ बाबा बालक नाथ मंदिर दियोटसिद्ध में देश-विदेश से आए श्रद्धालुओं ने लाखों रुपए दान किए, वहीं विदेशी मुद्रा को चढ़ावा चढ़ाया। चैत्र मास के मेले 14 मार्च से शुरू हुए थे। 14 से 30 मार्च तक देश व विदेश से लगभग 4 लाख 81000 श्रद्धालुओं ने बाबा जी गुफा में शीश नवाया व आशीर्वाद लिया।

गौर रहे कि बाबा बालक नाथ मंदिर दियोटसिद्ध में हर साल लाखों श्रद्धालु अपनी मन्नत लेकर आते हैं और मन्नत पूरी होने पर बाबा बालक नाथ के दर्शन करने के साथ लाखों करोड़ रुपए बाबा के चरणों में अर्पित करते हैं। इस बार के चैत्र माह के मेलों में अभी 4 करोड़ 40 लाख 19 हजार 923 रुपए पिछले 15 दिन में श्रद्धालुओं ने दान दिया है। इसके अलावा सोना 104.63 ग्राम, चांदी 2075.69 ग्राम बाबा के मंदिर में श्रद्धालुओं ने चढ़ाए हैं, वहीं विदेशी मुद्रा के रूप में इग्लैंड पाउंड 5100, यूएस डालर 2660, यूरो 2025, केनेडा डालर 12106, आस्ट्रेलया डालर 950, कतर रियाल 51, सौदी रियाल 25, न्यूजीलैंड डालर 550, कुवैत दिनार 2, ओमान रियाल 3, सिंगापुर डालर 112, बहरीन दिनार 8 और मलेशियन रिंगगिट 101 प्राप्त हुई है।

इसके अलावा मंदिर में बकरों की नीलामी भी की गई जिससे मंदिर को 15 लाख 45 हजार 900 रुपए की आय हुई है। दियोटसिद्ध मंदिर के अध्यक्ष एवं एसडीएम बड़सर राजेंद्र गौतम ने बताया कि चैत्र मास के मेले को शुरू हुए 15 दिन हुए हैं। आने वाले दिनों में श्रद्धालुओं की और अधिक भीड़ बढ़ सकती है।

उन्होंने बताया कि मेलों के दौरान लाखों रुपए श्रद्धालुओं ने बाबा की गुफा में चढ़ाया है। उन्होंने बताया कि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की कोई असुविधा न हो इसके लिए कर्मचारी दिन-रात काम कर रहे हैं।

विधायक को सड़क सुविधा न होने की बताई समस्या

अनंत ज्ञान, सुजानपुर। भटेड़ पंचायत के गांव भटेरा के लोगों ने विधायक कै. रणजीत सिंह के आवास में जाकर अपनी सदियों से चली आ रही सड़क समस्या को लेकर पत्र सौंपा। विधायक कै. रणजीत सिंह ने गांववासियों को विश्वास दिलाया कि जल्द सड़क समस्या का समाधान किया जाएगा और आने वाले दिनों में कार्य प्रगति पर होगा।

बीआरसीसी भर्ती परीक्षा का सिलेबस जारी करे एसएसए : संघ

अनंत ज्ञान, हमीरपुर

किसी भी विभाग में भर्ती अगर लिखित परीक्षा आधारित करनी हो तो इसके लिए सिलेबस तय किया जाना पहला कार्य होता है। परीक्षा में किस तरह के प्रश्न पूछे जाएंगे, कितने समय में कितने प्रश्न हल करने होंगे और विषयवार किस पाठ्यक्रम बिंदुओं से प्रश्न डालने हैं, इसका खाका भर्ती विज्ञापन में ही जारी किया जाता है।

समग्र शिक्षा अभियान ने खंड स्रोत समन्वयक यानी बीआरसीसी की भर्ती परीक्षा में रोल नंबर भी जारी कर दिए हैं मगर इस परीक्षा का सिलेबस आज तक जारी नहीं किया है। 6 अप्रैल को शिमला के पोर्टमोर में 282 बी आर सी सी के पदों को भरने हेतु परीक्षा आयोजित होगी जिसमें 141 पद प्राथमिक, 71 पद टीजीटी और 70 पद प्रवक्ता से भरे जाने प्रस्तावित हैं।

हैरत यह है कि खंडवार बीआरसीसी उच्च प्राथमिक पद के लिए कोई रोस्टर तय नहीं किया है जिसके चलते किस खंड में प्रवक्ता नियुक्त होगा और किस खंड में टीजीटी नियुक्त होगा, इसका पता नहीं है। यह बात राजकीय टीजीटी कला संघ प्रदेशाध्यक्ष सुरेश कौशल और उपाध्यक्ष देशराज कालिया ने कही।

रोपा कोट प्राइमरी स्कूल को मर्ज करना अनुचित : हाईकोर्ट

विक्रम ढटवालिया, हमीरपुर

- हाईकोर्ट ने रद्द किए मर्ज करने के आदेश
- नर्सरी के मिलाकर 11 छात्र, फिर भी सरकार ने बंद कर दिया था स्कूल

मुख्यमंत्री के गृह जिला हमीरपुर में बंद किए गए रोपा कोट प्राथमिक स्कूल मामले में हाईकोर्ट ने कड़ा रुख अख्तियार किया है। याचिका संख्या सिविल रिट पिटीशन 10466/2024 में न्यायाधीश त्रिलोक सिंह चौहान और सुशील कुकरेजा ने 17 अगस्त, 2024 को बंद किए गए इस स्कूल को फिर से खोलने हेतु नए सत्र से प्रवेश नामांकन शुरू करने के आदेश दिए हैं। पिछले वर्ष प्रदेश सरकार ने कैबिनेट में फैसला किया है कि पांच से कम संख्या वाले स्कूलों को समीपी प्राथमिक स्कूल में मर्ज किया जाए।

खंड हमीरपुर की राजकीय प्राथमिक पाठशाला रोपा कोट में 6 विद्यार्थी दाखिल होने पर भी ताला लटका दिया गया। स्कूल मर्ज करने की अधिसूचना में क्रमांक 74 पर रोपा कोट प्राथमिक स्कूल का विलय राजकीय प्राथमिक पाठशाला करहा में कर दिया गया। ऐसे में नौनिहालों को अब दो से तीन किलोमीटर पैदल जाना पड़ा और आने जाने में 5 से 6 किलोमीटर रास्ता रोज तय करना पड़ रहा था। हाईकोर्ट ने इस बारे दूरी सर्टिफिकेट लिया और 3 किलोमीटर दूरी पर स्थित करहा स्कूल जाने के लिए बच्चों को विवश करना अनुचित माना।

बंद किए जा चुके रोपा कोट स्कूल में पहली कक्षा में 1, दूसरी कक्षा में 2, चौथी कक्षा में 2 और पांचवीं कक्षा में 1 विद्यार्थी दाखिल थे, जबकि नर्सरी कक्षाओं में 5 विद्यार्थी दाखिल थे, ऐसे में स्कूल का कुल नामांकन 11 था और कक्षा 1 से 5 का नामांकन 6 था। नियम के अनुसार इसका विलय नहीं होना चाहिए था, मगर इस स्कूल की प्रबंधन समिति द्वारा शिक्षा विभाग को इस तथ्य से अवगत करवाने पर भी यहां विलय की अधिसूचना हो गई। इससे परेशान स्कूल प्रबंधन समिति सदस्यों ने मामला हाईकोर्ट के समक्ष रखा। इस तरह विद्यार्थियों के लिए शिक्षा का अधिकार कटघरे में आ पहुंचा। विद्यार्थी प्रियांश, मायरा, शगुन, प्रिया और जतिन एलकेजी और नर्सरी में इसी स्कूल में पढ़ते थे, जिनकी आयु 4 से 5 साल है, जबकि ऋतिक कुमार, मोनिका कुमारी, इशिका कुमारी, सोनाक्षी, यशव और सूर्यांश कक्षा 1 से 5 के विद्यार्थी थे। इनको स्कूल छोड़कर जाना पड़ा।

अब कुछ निजी स्कूलों में भी दाखिल हैं। इस बारे में अभिभावक सुमन कुमार, रमेश, परम सिंह, धर्मवीर सिंह, राकेश कुमार, सुनील कुमार, सुरजीत सिंह, राज कुमार, पूर्ण सिंह ने हाईकोर्ट के फैसले का स्वागत किया है और शीघ्र इस स्कूल को फिर से खोलने की अपील की है। (अनंत ज्ञान)

विधायकों की वेतन वृद्धि पर राजनीति नहीं, जनसेवा को समझें: बड़सर भाजपा

अनंत ज्ञान, बड़सर

बड़सर विधानसभा क्षेत्र में विधायकों के वेतन वृद्धि को लेकर हो रही चर्चाओं पर भाजपा बड़सर मंडल के अध्यक्ष संजीव शर्मा, महामंत्री दिनेश शर्मा एवं महामंत्री अश्वनी बन्याल ने संयुक्त रूप से कहा कि वेतन वृद्धि को लेकर अनावश्यक राजनीति और विवाद उत्पन्न करना उचित नहीं है।

उन्होंने कहा कि विधायक केवल कानून निर्माण तक सीमित नहीं होते, बल्कि वे अपनी विधानसभा क्षेत्र की जनता की हर समस्या को हल करने के लिए चौबीसों घंटे कार्यरत रहते हैं।

व्यक्तिगत खर्च भी करते हैं विधायक : भाजपा

विभिन्न कार्यक्रमों, बैठकों और अभियानों के संचालन में भी उन्हें व्यक्तिगत खर्च करना पड़ता है। इसके अलावा विधायक हमेशा मीडिया का सहयोग करने का प्रयास करते हैं। इंद्रदत्त लखनपाल द्वारा विधानसभा में दिए गए बयान को तोड़-मरोड़कर प्रस्तुत करने की बजाए उनकी वास्तविक भावना को समझना आवश्यक है। उन्होंने केवल कड़वी सच्चाई को सामने रखा कि पत्रकारिता और राजनीति, दोनों ही परस्पर जुड़े हुए क्षेत्र हैं।

गरीबों के इलाज, छात्रों की शिक्षा, जरूरतमंद परिवारों की आपातकालीन सहायता जैसी कई जिम्मेदारियां विधायकों के कंधों पर होती हैं, ऐसे में वेतन वृद्धि को उनकी बढ़ती जिम्मेदारियों को देखा जाना चाहिए।

वेतन वृद्धि विधायकों की जिम्मेदारियों के अनुरूप आवश्यक: भाजपा बड़सर मंडल के पदाधिकारियों ने कहा कि विधायकों को मिलने वाला वेतन केवल व्यक्तिगत खर्च के लिए नहीं होता, बल्कि यह उनकी सामाजिक और राजनीतिक जिम्मेदारियों को निभाने के लिए भी जरूरी है। सरकारी योजनाओं से मिलने वाली सहायता हर जरूरतमंद तक तुरंत नहीं पहुंच पाती, ऐसे में विधायकों को अक्सर अपने निजी कोष से लोगों की सहायता करनी पड़ती है।

संजीव शर्मा, दिनेश शर्मा और अश्वनी बन्याल ने स्पष्ट किया कि वेतन वृद्धि को अनावश्यक विवाद का विषय न बनाकर इसे विधायकों की वास्तविक जरूरतों और उनकी सेवा भावना के आधार पर देखा जाना चाहिए।

लोगों ने प्राथमिकता के आधार पर सत्संग घर के पास डंगा लगाने की मांग की

अनंत ज्ञान, सुजानपुर। सुजानपुर से नादौन रोड पर करोट के नजदीक मेन रोड में सत्संग घर के पास बीती बरसात में मुख्य सड़क का कुछ भाग गिर गया था, जिससे एक्सीडेंट होने का खतरा बना हुआ है। स्थानीय निवासियों में पूर्व बीडीसी रेखा चैधरी, बलदेव, सतनाम, संजू, राजमल आदि ने बताया कि सत्संग घर के पास उतराई के वाले मोड़ पर सड़क के पास की पहाड़ी ढह गई है, जिससे सड़क का एरिया कम हो गया है। तीखा मोड़ होने के चलते वाहन चालकों को आगे की सड़क की विजिबिलिटी ठीक से नहीं हो पाती है। ग्रामीणों ने बताया कि इस एरिया में पहले भी दुर्घटना हो चुकी है। उतराई में तीखा मोड़ होने के चलते वाहन चालक आगे की सड़क ठीक ढंग से नहीं देख पाते हैं जिस कारण 00 फुट गहरी खाई में गिर जाते हैं। ग्रामीणों ने कहा कि संबंधित स्थान पर डंगा लगाए जाने का यह कार्य शीघ्र प्राथमिकता के आधार पर किया जाए क्योंकि सड़क को भी खतरा हो गया है।

तकनीकी शिक्षकों के लिए राज्य पुरस्कार

अनंत ज्ञान ब्यूरो, हमीरपुर

- संघ ने जताया आभार

हिमाचल प्रदेश पॉलीटेक्निक टीचर्स वेलफेयर एसोसिएसन के प्रतिनिधिमंडल ने अध्यक्ष इंजीनियर अरविंद कटोच के नेतृत्व में तकनीकी शिक्षा मंत्री राजेश धर्माणी से भेंट कर तकनीकी शिक्षा विभाग के शिक्षकों के लिए हिमाचल प्रदेश राज्य पुरस्कार योजना शुरू करने के निर्णय के लिए आभार व्यक्त किया। संघ ने इस महत्वपूर्ण पहल के लिए मुख्यमंत्री का भी धन्यवाद किया है।

शिक्षा मंत्री के साथ अरविंद कटोच।

इस योजना के तहत शैक्षणिक उत्कृष्टता, अनुसंधान एवं नवाचार, उद्योग समन्वय, सामुदायिक जुड़ाव और अकादमिक सहयोग के आधार पर विभिन्न श्रेणियों में कुल 10 पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। इससे तकनीकी संस्थानों के शिक्षकों को अधिक उत्साह और समर्पण के साथ कार्य करने की प्रेरणा मिलेगी।

अब तक, इस प्रकार के राज्य स्तरीय पुरस्कार केवल शिक्षा विभाग तक ही सीमित थे, जिससे तकनीकी शिक्षा विभाग के शिक्षकों को इस तरह की मान्यता और प्रोत्साहन का लाभ नहीं मिल पाता था। राज्य सरकार के इस फैसले से तकनीकी शिक्षा विभाग के शिक्षकों को पहली बार यह सम्मान प्राप्त करने का अवसर मिलेगा, जिससे न केवल उनका मनोबल बढ़ेगा, बल्कि तकनीकी शिक्षा के स्तर को भी एक नई दिशा मिलेगी।

संघ के अध्यक्ष इंजीनियर अरविंद कटोच ने कहा कि यह पहल तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक कदम साबित होगी, जिससे राज्य के शिक्षकों को उनके योगदान और उत्कृष्ट कार्यों के लिए पहचान मिलेगी। इससे न केवल शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार होगा, बल्कि शिक्षकों को अनुसंधान और नवाचार की दिशा में और अधिक प्रेरित किया जाएगा।

गांधी चौक पर कल होगा महामाई का भव्य जागरण

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। हर वर्ष की तरह अपर बाजार के दुकानदारों ने 2 अप्रैल को गांधी चौक पर चैत्र नवरात्र के उपलक्ष में महामाई का जागरण आयोजित करने का निर्णय लिया है।

इस दौरान गायक निशा शर्मा महामाई की भेंटों का गुणगान करेंगी। इस दिन दोपहर को 12 बजे से भंडारा भी आयोजित किया जाएगा और रात को 8 बजे से जागरण शुरू हो जाएगा। दुकानदारों ने स्थानीय लोगों से इस धार्मिक कार्यक्रम में सम्मिलित होने की विनती की है।

एनजीओ ने दो जरूरतमंद परिवारों को इलाज के लिए दी आर्थिक सहायता

अनंत ज्ञान, गलोड़। स्वयंसेवी संस्था एनजीओ गलोड़ ने दो जरूरतमंद परिवारों को इलाज के लिए 10-10 हजार की राशि के चेक सोमवार को उनके घर जाकर दिए। गोईस पंचायत के डडोह गांव के रजनीश कुमार पुत्र स्व. अश्वनी कुमार जिनका लीवर की बीमारी का इलाज पीजीआई चंडीगढ़ में चल रहा है और उनके घर में आमदनी का कोई साधन न होने की वजह से परिवार का गुजर-वसर करना कठिन हो गया था। वहीं, राजेंद्र प्रसाद पुत्र स्व. रतन चंद गांव जयाना डाकघर पनियाली जिनकी दोनों किडनियां खराब होने के कारण परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक न होने की वजह से एनजीओ के प्रधान देशराज शर्मा ने चेक सौंपा। देशराज शर्मा ने बताया कि संस्था हमेशा जरूरतमंद और दीन दुखियों की सहायता के लिए हमेशा अपना प्रयास करती रहती है। इस मौके पर संस्था की तरफ से संस्था के मुखिया देशराज शर्मा, रमेश चंद शर्मा, उपप्रधान विपिन शर्मा, तिलक राज, जुल्फीराम वर्मा, अमन शर्मा, अरविंद आदि भी मौजूद रहे।

रोष भरेड़ी बाजार में निर्माण कार्य में उड़ रही धूल से परेशान ग्रामीण आज करेंगे प्रदर्शन

व्यापारी और ग्रामीण खुद कर रहे पानी का छिड़काव

अनंत ज्ञान, भोरंज

उपमंडल भोरंज के तहत आजकल बस्सी से तताहर तक सड़क का कार्य चला हुआ है। भरेड़ी बाजार में मिट्टी, धूल व केमिकल युक्त गर्दा उड़ने से दुकानों में रखा सामान खराब हो रहा है व राहगीरों को भी चलने में भारी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। इस पर अब ग्रामीणों में आक्रोश आ गया है और वे अब मंगलवार को कंम्पनी व प्रशासन के खिलाफ भरेड़ी चौक पर प्रदर्शन करेगी।

हालांकि कंपनी को तीन बार पानी का छिड़काव करने की मांग कर रहे हैं, लेकिन कंपनी एक बार भी पानी का छिड़काव कभी-कभार कर रहे हैं। इसके चलते बीते वीरवार को ग्रामीणों ने एसडीएम भोरंज को भी ज्ञापन सौंपा था, लेकिन उसके बाद भी कंपनी तीन बार पानी का छिड़काव नहीं कर रही है। बताते चलें कि पिछले 4 माह से सड़क का कार्य धीमी गति से कार्य चला हुआ है, जिससे क्षेत्रवासियों को परेशानी हो रही है।

मिट्टी व धूल से परेशान ग्रामीण ने कंपनी से भरेड़ी बाजार में साढ़े 8 बजे, साढ़े 12 बजे व साढ़े 3 बजे पानी का छिड़काव करने के आदेश देने के लिए कहा था, लेकिन कंपनी एक बार रात के समय ही कभी कभार पानी का छिड़काव कर रही है जिससे दिन भर केमिकल युक्त मिट्टी-धूल युक्त गर्दा उड़ रहा है, जिससे चरम रोग व श्वसन के रोग बढ़ रहे हैं।

ग्रामीणों में सुनील, प्रकाश, प्रधान पपलाह अंकुश सैणी, टेक चंद कौशल, विपिन शर्मा, विजय शर्मा, प्रधान भुक्कड़ किशोर चंद, मनोहर लाल, प्रीतम चंद, कश्मीर सिंह, धर्म चंद, यशवंत भारद्वाज, वीरेंद्र कुमार, दीपक राज, निर्मल कुमार, अमित कुमार, शशी कुमार, सुरेश कुमार, कर्म चंद सहगल, सौरव, संजय, राकेश शर्मा, रवि दत्त उर्फ अजय कुमार, पृथी चंद गर्ग, निर्मल कुमार, लेख राज, विमान वर्मा इत्यादि ने कहा कि मंगलवार को भरेड़ी चौक पर ग्रामीण कंपनी व प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन करेगी जिसकी जिम्मेदारी विभाग व प्रशासन की होगी।

उधर, इस बारे में भोरंज के एसडीएम शशि पाल शर्मा ने बताया कि मंगलवार को समस्या के हल के लिए कंपनी के कर्मचारियों से इस बारे में बैठक की जाएगी।

टीजीटी कला संघ ने शुरू किया सदस्यता अभियान इस माह गठित करेंगे कार्यकारिणी

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। राजकीय प्रशिक्षित कला स्नातक संघ ने त्रिवार्षिक चुनावों की अधिसूचना जारी कर दी है। संघ के प्रदेश महासचिव विजय हीर ने अधिसूचना में वर्ष 2025-28 हेतु संघ की सदस्यता हेतु ऑनलाइन भुगतान की व्यवस्था शुरू की है और संघ के खंड स्तरीय चुनाव और सदस्यता अभियान हेतु अवधि 1 से 12 अप्रैल जिला स्तरीय चुनाव और सदस्यता अभियान हेतु अवधि 17 से 24 अप्रैल और राज्य स्तरीय चुनाव हेतु डेलीगेट्स देने और चुनाव की अवधि 25 से 30 अप्रैल तय करते हुए सभी खंड, जिला और राज्य स्तरीय कार्यकारिणीयां 31 मार्च से भंग कर दी है। संघ का त्रैवार्षिक सदस्यता शुल्क 300 रुपए है, जबकि आजीवन सदस्यता शुल्क एक हजार रुपए है। इसका भुगतान हिमाचल प्रदेश राजकीय टीजीटी कला संघ के प्रदेश कार्यकारिणी खाता संख्या 1721000102928580 आईएफएससी कोड पीयूएनबी0172100 में किया जाएगा, जिससे संबंधित खंड और जिला को उसका शेयर ऑनलाइन दिया जाएगा। संघ ने बताया कि हिमाचल प्रदेश विधानसभा में सहकारिता विभाग ने स्पष्ट किया है कि उच्चतर शिक्षा विभाग में राजकीय प्रशिक्षित कला स्नातक संघ सरकार से मान्यता प्राप्त संघ सूची में शामिल है। इसके अलावा हिमाचल प्रदेश अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ से भी संघ मान्यता नवीनीकरण करता रहता है और अभी नए अराजपत्रित कर्मचारी संघ को मान्यता मिलने पर संघ मान्यता नवीनीकरण करेगा। संघ की कार्यकारिणी अपने कार्यकाल का उपलब्धि पत्र भी शीघ्र जारी करेगी।

राज्यस्तरीय सलियाना छिंज मेला की हार्दिक शुभकामनाएं

जख बाबा सलियाना

जख बाबा को समर्पित है सलियाना का छिंज मेला

उपमंडल पालमपुर के पंचरूखी का ऐतिहासिक सलियाना छिंज मेला पूरी तरह से जख बाबा को समर्पित है। लगभग दौ सौ साल पहले इस मेले की शुरुआत की गई थी। स्थानीय लोगों के अनुसार बारिश न होने की वजह से वर्षों पहले पंचरूखी क्षेत्र में भयंकर सूखा पड़ा था फसलें सूख गईं थीं व लोग पीने के पानी को भी तरस गए थे। तब स्थानीय लोगों ने सलियाना में पीपल के पेड़ के नीचे जख बाबा की मूर्ति स्थापित करके पूजा अर्चना की व बारिश होने की मन्नत मांगी। लोगों ने जख बाबा को बारिश होने पर यहां छिंज करवाने का बचन दिया। कुछ ही दिनों में क्षेत्र में बारिश हो गई। लोगों ने बाबा को दिए बचन के अनुसार चैत्र महीने के पंद्रह प्रविष्टे को ढोल व टमक के साथ छिंज का आयोजन करवाया, तब से लेकर यहां पर हर वर्ष छिंज करवाई जाती है। स्थानीय लोगों के अनुसार पहले यहां पर बैलों की मंडी भी लगाई जाती थीं। सलियाना का छिंज मेला पंचरूखी क्षेत्र का प्रमुख मेला है। अब मेले में कुश्तियों के साथ साथ वॉलीबॉल, कबड्डी व महिलाओं में भी कई तरह की प्रतियोगिताएं करवाई जाती हैं। बहुत वर्ष इस मेले का अयोजन स्थानीय पंचायत कमेटी बनाकर करवाती रही, लेकिन जब से राज्यस्तरीय मेले का दर्जा दिया है तब से प्रशासन की देख रेख में मेला करवाया जाता है। पहले राजस्व विभाग ही मेला ग्राउंड में दुकानों का आबंटन करता था लेकिन इस वर्ष पहली बार मेला ग्राउंड का टेंडर किया गया जिससे प्रशासन को भी काफी फायदा मिला। 28 मार्च से 2 अप्रैल तक करवाए जाने वाले इस मेले में लोगों के मनोरंजन के लिए तीन सांस्कृतिक संध्याएं भी करवाई जाती है।

अजय पाल
संवाददाता अनंत ज्ञान
मो. 89881-85425

सुखविंद्र सिंह सुक्खू
माननीय मुख्यमंत्री (हि.प्र.)

मुकेश अग्निहोत्री
माननीय उपमुख्यमंत्री (हि.प्र.)

राज्यस्तरीय सलियाना छिंज मेला

एवं

नवरात्र पर्व

की प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

यादविंद्र गोमा

आयुष, खेल, युवा सेवाएं एवं कानून मंत्री हि.प्र.

नेत्रा मेती
अध्यक्ष मेला कमेटी
एवं एसडीएम पालमपुर

लोकेन्द्र नेगी
डीएसपी
पालमपुर

विद्यासागर
थाना प्रभारी
पंचरूखी

यशपाल सकलानी
एएसआई
पंचरूखी

साजन बग्गा
तहसीलदार
पालमपुर

पवनदीप
उप तहसीलदार
पंचरूखी

अजय कुमार
कानूनगो
पंचरूखी

जारीकर्ता:- अध्यक्ष सलियाना छिंज मेला कमेटी

एवमुक्तो हृषीकेशो गुडाकेशेन भारत।
सेनयोरुभयोर्मध्ये स्थापयित्वा रथोत्तमम्॥
भीष्मद्रोणप्रमुखतः सर्वेषां च महीक्षिताम्।
उवाच पार्थ पश्यैतान्समवेतान्कुरूनिति॥

श्रीकृष्ण ने दोनों सेनाओं के बीच में भीष्म और द्रोणाचार्य के सामने तथा संपूर्ण राजाओं के सामने उत्तम रथ को खड़ा करके इस प्रकार कहा कि हे पार्थ! युद्ध के जुटे हुए इन कौरवों को देख॥

अनंत ज्ञान
www.anantgyaan.in
कांगड़ा | मंगलवार, 1 अप्रैल 2025

हिमाचल की पांच देवियों की महिमा अपरंमपार, आएं बारंबार

हिमाचल प्रदेश को 'देवभूमि' यूं ही नहीं कहा जाता है। देवभूमि का तमगा विशेष रूप से यहां स्थित प्राचीन मंदिरों, देवी-देवताओं के पवित्र स्थल और उनके अद्वितीय धार्मिक महत्व के कारण हासिल हुआ है। हिमाचल में स्थित देवी मंदिर न केवल धार्मिक स्थल हैं, बल्कि ये भारतीय संस्कृति, कला और स्थापत्य का अद्भुत उदाहरण भी प्रस्तुत करते हैं। प्रदेश के प्रमुख देवी मंदिरों में चिंतपूर्णी, चामुंडा, बज्रेश्वरी, ज्वालाजी और नयनादेवी की महिमा, प्रसिद्धि, स्थापत्य कला और धार्मिक महत्व बहुत ज्यादा है। देवियों का आकर्षण और प्रसिद्धि ऐसी है कि जो श्रद्धालु यहां एक बार आ जाता है वह यहां बार-बार आना चाहता है।

चिंतपूर्णी देवी मंदिर

चिंतपूर्णी देवी मंदिर हिमाचल प्रदेश के ऊना जिले में सोलह सिंगी धार की पहाड़ी पर छपरोह गांव में स्थित है। अब यह स्थान चिंतपूर्णी के नाम से ही जाना जाता है। यह मंदिर विशेष रूप से माता चिंतपूर्णी की पूजा के लिए प्रसिद्ध है, जो देवी दुर्गा के एक रूप के रूप में मानी जाती हैं। यह मंदिर एक प्रमुख शक्ति पीठ है और यह पूरे भारत में लाखों श्रद्धालुओं के लिए आस्था का केंद्र है। श्रद्धालु यहां अपनी मनोकामनाओं को लेकर आते हैं, विशेष रूप से वे लोग जो मानसिक तनाव, मानसिक समस्याओं और चिंताओं से जूझ रहे होते हैं। यही नहीं, यह मंदिर शुद्ध भक्ति और आत्मिक शांति का केंद्र भी माना जाता है।

मंदिर की महिमा और प्रसिद्धि : चिंतपूर्णी माता को 'चिंताओं का नाश करने वाली' देवी माना जाता है। यह मंदिर 51 शक्ति पीठों में महत्वपूर्ण स्थान रखता है, क्योंकि यह माना जाता है कि यहां माता सती के चरण गिरे थे। मां सती के पिता दक्ष ने जब उनके पति शिव को न बुलाने का अपमान किया था तो उससे रुष्ट होकर अपने पिता के यज्ञ कुंड में कूदकर मां सती ने अपने प्राण त्याग दिए थे। इसके बाद भगवान शिव बहुत ज्यादा क्रोधित हो गए और उनकी देह को लेकर पूरी सृष्टि में घूमे। तब भगवान शिव के क्रोध को शांत करने के लिए भगवान विष्णु ने अपने सुदर्शन चक्र से माता सती के शरीर के 51 टुकड़े कर दिए। शरीर के ये टुकड़े धरती पर जहां-जहां गिरे वह स्थान शक्ति पीठ कहलाए। चिंतपूर्णी देवी मां का मंदिर उन्हीं 51 शक्तिपीठों में से एक है। इस मंदिर की खोज भक्त माई दास ने की थी। माई दास पटियाला रियासत के अठरनामी गांव के बाशिंदे थे। एक दिन सपने में आकर मां ने उनकी चिंता का निवारण किया तो उसके बाद उनकी मां के प्रति अगाध श्रद्धा उत्पन्न हुई।

चढ़ावा और प्रतिष्ठा : चिंतपूर्णी मंदिर में चढ़ावे के रूप में लाखों नहीं, बल्कि करोड़ों रुपए का चढ़ावा हर साल आता है। चिंतपूर्णी माता को हिमाचल की सबसे अमीर देवी भी माना जाता है। श्रद्धालु यहां विभिन्न रूपों में भेंट अर्पित करते हैं, जिसमें सोने-चांदी की वस्तुएं, वस्त्र, फूल और फल प्रमुख होते हैं। इसके अलावा, भक्त यहां विशेष रूप से अपनी चिंताओं और दुखों के निवारण के लिए देवी से आशीर्वाद प्राप्त करने आते हैं।

चामुंडा देवी मंदिर

चामुंडा देवी मंदिर कांगड़ा जिले के चामुंडा नामक स्थान पर बनेर नदी के किनारे स्थित है। मंदिर करीब सात सौ साल पुराना है। यह मंदिर मां चामुंडा को समर्पित है, जो देवी दुर्गा के एक रूप के रूप में मानी जाती हैं। यह मंदिर शक्ति के प्रतीक के रूप में श्रद्धालुओं द्वारा पूजा जाता है और यहां की अद्भुत शक्ति और आस्था की वजह से यह एक प्रमुख तीर्थ स्थल बन चुका है। किंवदंति के अनुसार, मां ने यहां चंड और मुंड नामक दो राक्षसों का वध किया था। उन दोनों के मारे जाने के बाद माता का नाम चामुंडा देवी पड़ गया। मंदिर के साथ ही एक आकर्षक गुफा के अंदर भगवान शिव भी पिंडी के रूप में विराजमान हैं तथा बाहर नंदी जी की प्रतिमा स्थापित है।

मंदिर की महिमा और प्रसिद्धि : चामुंडा देवी को देवी शक्ति का एक शक्ति शाली रूप माना जाता है। यहां भक्त विशेष रूप से विजय और बल की प्राप्ति के लिए पूजा करते हैं। यह मंदिर कांगड़ा के प्रमुख मंदिरों में से एक है और यहां की धार्मिक प्रसिद्धि पूरे भारत में फैली हुई है।

चढ़ावा और प्रतिष्ठा : चामुंडा देवी के मंदिर में हर साल लाखों श्रद्धालु आते हैं। यहां का चढ़ावा विशेष रूप से सोने, चांदी और अन्य धातुओं के रूप में होता है। मंदिर के अंदर श्रद्धालु अपनी मनोकामनाओं को लेकर देवी से आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए प्रार्थना करते हैं।

नक्काशी और चित्रकला : मंदिर के निर्माण में पारंपरिक हिमाचली शैली की वास्तुकला का प्रभाव देखा जा सकता है। चामुंडा देवी के विभिन्न रूपों की सुंदर नक्काशी और चित्रकला इस मंदिर को और भी पवित्र बनाती है। यहां की दीवारों पर देवी के रौद्र रूप और उनके द्वारा राक्षसों का वध करने की घटनाओं को दर्शाया गया है। मंदिर के साथ ही एक सुंदर झील भी है, जिसमें वोटिंग वगैरह की जाती है। पर्यटक यहां खिंचे चले आते हैं।

बज्रेश्वरी देवी मंदिर

बज्रेश्वरी देवी मंदिर कांगड़ा जिले के कांगड़ा में स्थित है। यह मंदिर 51 शक्ति पीठों में शुमार है। इस मंदिर को नगरोट धाम भी कहा जाता है। यहां मां सती का दाहिना वक्ष गिरा था। मंदिर के गर्भगृह में तीन पिंडियां हैं। पहली और मुख्य पिंडी मां बज्रेश्वरी की है। दूसरी मां भद्रकाली और तीसरी पिंडी मां एकादशी की है, जो सबसे छोटी है। ध्यानु नामक भक्त ने मां के प्रति अगाध श्रद्धा दिखाकर अपना शीश यहां अर्पित किया था। इसलिए मां के वे भक्त जो ध्यानु के अनुयायी भी हैं वह पीले रंग के वस्त्र धारण कर मंदिर में आते हैं। मंदिर में हर दिन पांच बार आरती होती है। मंदिर परिसर में ही भगवान भैरव का भी मंदिर है। इस मंदिर में महिलाओं का जाना वर्जित है।

मंदिर की महिमा और प्रसिद्धि : बज्रेश्वरी देवी को शक्ति का रूप माना जाता है और यह मंदिर देवी के एक शक्ति शाली रूप को समर्पित है। यहां आने वाले श्रद्धालु देवी से अपनी परेशानियों का निवारण करने के लिए पूजा करते हैं। यह मंदिर धार्मिक महत्व के साथ-साथ ऐतिहासिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह प्राचीन काल से अस्तित्व में है।

चढ़ावा और प्रतिष्ठा : बज्रेश्वरी देवी के मंदिर में श्रद्धालु अपनी आस्थाओं के अनुसार चढ़ावा अर्पित करते हैं। यहां का चढ़ावा विशेष रूप से चांदी, फल, फूल और अन्य धार्मिक भेंटों के रूप में होता है। यह मंदिर विशेष रूप से उन भक्तों के लिए प्रसिद्ध है, जो सुख, समृद्धि और आंतरिक शांति की प्राप्ति के लिए देवी से आशीर्वाद प्राप्त करने आते हैं।

नक्काशी और चित्रकला : बज्रेश्वरी देवी मंदिर की दीवारों और स्तंभों पर देवी के विभिन्न रूपों की सुंदर नक्काशी की गई है। 1905 में जब विनाशकारी भूकंप आया था तो उस समय मंदिर का एक हिस्सा जहां मां तारा देवी का मंदिर बनाया गया है वहां पर भूकंप की वजह से कोई नुकसान नहीं हुआ था। इसे माता रानी की महिमा माना जाता है।

ज्वालाजी देवी मंदिर

ज्वालाजी देवी मंदिर अपनी प्राकृतिक ज्वालाओं के लिए प्रसिद्ध है। मंदिर में अग्नि की अलग-अलग छह लपटें हैं जो अलग-अलग देवियों को समर्पित हैं जैसे महाकाली अन्नपूर्णा, चंडी, हिंगलाज, विंध्यबासनी, महालक्ष्मी सरस्वती, अंबिका और अंजी देवी। किंवदंति के अनुसार, शक्तिपीठ में मां सती की जीभ गिरी थी। मंदिर में अग्नि की लपटें एक पर्वत से निकलती हैं। अकबर को अपने शासन के समय जब इस मंदिर के बारे में पता चला था तो उसने आग की लपेटों की ऊपर एक नहर बनाकर पानी छोड़ दिया था, फिर भी यह लपेटें नहीं बुझीं थी। उसके बाद अकबर ने इन्हें लोहे के बड़े ढक्कन (तवा) से बुझाने का भी प्रयास किया था, लेकिन अग्न की लपटें उसे फाड़कर भी बाहर आ गई थीं। उसके बाद अकबर यहां मां से माफी मांगने नंगे पांव आया और यहां सोने का छत्र अर्पित किया, लेकिन मां इतनी नाराज थी कि मां ने वह छत्र स्वीकार नहीं किया और उस सोने के छत्र को ऐसी धातु के रूप में परिवर्तित कर दिया जिसका कोई वजूद ही नहीं है।

मंदिर की महिमा और प्रसिद्धि : ज्वालाजी देवी मंदिर का विशेष महत्व इस कारण है कि यहां की प्राकृतिक ज्वाला बिना किसी बाहरी स्रोत के जलती रहती है। यह मंदिर पूरे विश्व में अपनी अद्भुत शक्ति और आस्था के लिए प्रसिद्ध है। ज्वालाजी देवी को शक्ति के रूप में पूजा जाता है और यह मंदिर शक्ति पीठों में अत्यंत महत्व रखता है।

चढ़ावा और प्रतिष्ठा : ज्वालाजी देवी के मंदिर में चढ़ावे के रूप में चांदी, सोने और अन्य बहुमूल्य वस्त्रों का अर्पण किया जाता है। यहां श्रद्धालु विशेष रूप से अपनी भक्ति और आस्था के साथ देवी से आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए आते हैं।

नक्काशी और चित्रकला : ज्वालाजी देवी मंदिर की वास्तुकला अद्भुत है। मंदिर के स्तंभों, दीवारों और छत पर विभिन्न देवी के रूपों की नक्काशी की गई है। यहां की दीवारों पर देवी के रौद्र रूपों की चित्रकला का दृश्य बहुत आकर्षक है।

नयनादेवी मंदिर

नयनादेवी मंदिर हिमाचल के बिलासपुर जिले में स्थित है। यह मंदिर धार्मिक रूप से महत्वपूर्ण है और यहां आने वाले श्रद्धालु देवी के दर्शन करने के लिए आते हैं। यहां मां सती के दोनों नेत्र गिरे थे। मंदिर में माता भगवती नयना देवी के दर्शन पिंडी के रूप में होते हैं। नवरात्र में यहां विशाल मेला लगता है। लाखों भक्त यहां आकर मां के दर्शन करते हैं व अपनी मनोकामना पूर्ण करते हैं। इस स्थान तक आनंदपुर साहिब और ऊना से भी आसानी से पहुंचा जा सकता है।

मंदिर की महिमा और प्रसिद्धि : नयनादेवी मंदिर का विशेष महत्व इसलिए है क्योंकि इसे एक प्रमुख शक्ति पीठ माना जाता है। माता नयना देवी के भवन के अंदर तीन मूर्तियां हैं जो दर्शनीय हैं। विशेषता उस अंदर वाली मूर्ति की मानी जाती है जिसके मात्र दो नयन ही दिखाई देते हैं। मंदिर के साथ ही एक हवन कुंड भी बना हुआ है जिसकी विशेषता है कि इसमें डाली गई सारी सामग्री जलकर उसके बीच में ही समा जाती है।

चढ़ावा और प्रतिष्ठा : नयनादेवी मंदिर में श्रद्धालु भारी संख्या में चढ़ावा अर्पित करते हैं। यहां का चढ़ावा विशेष रूप से चांदी, फल, फूल और अन्य धार्मिक भेंटों के रूप में होता है। इस मंदिर का धार्मिक महत्व बहुत अधिक है और यहां हर साल लाखों श्रद्धालु आते हैं।

प्रस्तुति : समरजीत

मूलांक 2 के जातक

चंद्रमा की शीतलता और सामंजस्य

अंकज्योतिष में मूलांक 2 चंद्रमा द्वारा शासित होता है, जो भावनाओं, संवेदनशीलता और सामंजस्य का प्रतीक है। जिन व्यक्तियों का जन्म किसी भी महीने की 2,11,20 या 29 को होता है उनका मूलांक 2 होता है। यह संख्या सहयोग, शांति और संतुलन की ऊर्जा रखती है जो व्यक्ति के व्यक्तित्व और जीवनपथ को गहराई से प्रभावित करती है।

- **व्यक्तित्वः** मूलांक 2 वाले व्यक्ति स्वाभाविक रूप से संवेदनशील, सहानुभूतिपूर्ण और सहयोगी होते हैं. ये दूसरों की भावनाओं को समझते हैं और उनकी मदद करने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं। ये शांति और सद्भाव को महत्त्व देते हैं और टकराव से बचते हैं।
- **संवेदनशीलता :** ये दूसरों की भावनाओं के प्रति बहुत संवेदनशील होते हैं और आसानी से उनकी पीड़ा समझ सकते हैं।
- **सहयोग :** ये टीम वर्क और सहयोग को महत्त्व देते हैं.ये दूसरों के साथ मिलकर काम करना पसंद करते हैं और समूह में अच्छा प्रदर्शन करते हैं।
- **अस्थिरताः** चंद्रमा की तरह ये व्यक्ति अक्सर अपनी भावनाओं में उतार-चढ़ाव को महसूस करते हैं। इन्हें अपनी भावनाओं को संतुलित करने और स्थिर रहने की आवश्यकता हो सकती है।
- **जीवन पथ :** मूलांक 2 वाले व्यक्तियों का जीवन पथ सहयोग, शांति और संतुलन से जुड़ा होता है। ये लेखन, चित्रकला और नृत्य जैसी कलाओं में रूचि हो सकती है।
- **निर्भरताः** इन व्यक्तियों में दूसरों पर निर्भर रहने की प्रवृत्ति हो सकती है। इन्हें अपनी स्वतंत्रता और आत्मनिर्भरता विकसित करने की आवश्यकता हो सकती है।
- **कला और संगीतः** इनकी रचनात्मकता इन्हें कला, संगीत और लेखन जैसे क्षेत्रों में सफल होने में मदद करती है।
- **शिक्षण और प्रशिक्षणः** इनका धैर्य और सहानुभूति इन्हें शिक्षण और प्रशिक्षण जैसे क्षेत्रों में सफल होने में मदद कर सकती है।
- **सेवा उद्योगः** इनकी सेवा भावना इन्हें होटल, ग्राहक सेवा और नर्सिंग जैसे क्षेत्रों में सफल होने में मदद कर सकती है।
- **चुनौतियांः** मूलांक 2 वाले व्यक्तियों को अपनी निर्भरता और अस्थिरता पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता होती है। इन्हें अपनी स्वतंत्रता विकसित करनी चाहिए और अपनी भावनाओं को संतुलित करना सीखना चाहिए। कभी कभी इनमें आत्मविश्वास की कमी देखी जाती है इसलिए इन्हें स्वयं पर विश्वास रखना चाहिए।

प्रदीप जोशी, न्यूमेरोलोजिस्ट और वास्तु कंसलटेंट

- **शांतिप्रिय :** ये शांति और सद्भाव को महत्व देते हैं और टकराव से बचते हैं।
- **अंतरज्ञान :** इनका अंतरज्ञान बहुत तेज़ होता है और ये अक्सर दूसरों की भावनाओं को महसूस कर सकते हैं।
- **कलात्मकताः** मूलांक 2 वाले व्यक्ति अक्सर कलात्मक और रचनात्मक होते हैं। इन्हें संगीत, अक्सर ऐसे करियर में उत्कृष्टता प्राप्त करते हैं जो इन्हें दूसरों की मदद करने और सद्भाव बनाए रखने की अनुमति देते हैं।
- **परामर्श और चिकित्सा :** इनकी सहानुभूति और संवेदनशीलता इन्हें परामर्श, चिकित्सा और सामाजिक कार्य जैसे क्षेत्रों में सफल होने में मदद कर सकती है।

सुझाव

अपनी स्वतंत्रता और आत्मनिर्भरता विकसित करने के लिए काम करना चाहिए। अपनी भावनाओं को संतुलित करने और स्थिर रहने के लिए ध्यान और योग का अभ्यास करना चाहिए। दूसरों की राय से प्रभावित होने से बचें और अपनी स्वयं की राय बनाएं। स्वयं पर विश्वास रखें और स्वयं को महत्व दें। दूसरों के साथ मिलकर काम करें और टीम वर्क को महत्व दें। अपने अंतरज्ञान को सुनें और भरोसा रखें तथा अपनी भावनाओं को सुनें।

खूबियां

मूलांक 2 वाले व्यक्ति समाज में शांति और सद्भाव लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये अच्छे मध्यस्थ, सलाहकार और सहयोगी होते हैं। इनकी सहानुभूति और संवेदनशीलता दूसरों को बेहतर महसूस कराती है। ये दूसरों को एकजुट करने और सद्भाव बनाए रखने में सक्षम होते हैं। इन व्यक्तियों में चंद्रमा की शीतलता और सामंजस्य होता है। इन्हें अपनी चुनौतियों का सामना करना चाहिए और अपनी क्षमताओं का सही उपयोग करना चाहिए।

पापमोचनी एकादशी

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार एकादशी के व्रत का अति महत्व बताया जाता है और यह पर्व अन्य सभी पर्वों व व्रतों में सबसे अधिक फलदाई व सभी तरह के कष्टों के निवारण, इच्छाओं की पूर्ति के साथ ही साथ सभी तरह के पापों से भी मुक्ति दिलाता है। हमारे पंचांग में हर माह दो पक्ष आते हैं,जो कि शुक्ल व कृष्ण पक्ष के नाम से जाने जाते हैं।इन दोनों पक्षों मे चंद्रमा का चक्र 11-11 दिन का रहता है। शुक्ल पक्ष में चंद्रमा का क्रम बढ़ने लगता है ,वहीं कृष्ण पक्ष में क्रम घटता चला जाता है। इसीलिए हमारे हर हिंदू माह में पूर्णिमा के पश्चात आने वाली एकादशी कृष्ण कक्ष की तथा अमावस के बाद आने वाली एकादशी को शुक्ल पक्ष की एकादशी कहते हैं। इन दोनों ही एकादशियों का हमारे हिन्दू धर्म में बहुत ही महत्व बताया जाता है। एकादशी में अन्न का खाना वर्जित रहता है, चावल तो एकादशी के दिन बिलकुल ही नहीं खाए जाते। वर्ष में कुल मिलाकर 24 एकादशियां बनती हैं। अधिमास की स्थिति में ये संख्या बढ़ कर 26 हो जाती है।

पापमोचनी एकदशी के संबंध में जो पौराणिक कथा सुनने में मिलती है, उसके अनुसार प्राचीन काल में चैत्ररथ नामक एक सुंदर प्राकृतिक जंगल हुआ करता था, जिसमें ऋषि मुनि अपनी पूजा पाठ व तपस्या में लीन रहते थे। सुंदर व रमणीय जंगल होने के कारण ही उधर कई एक देवी देवता, देवराज इंद्र उनके गंधर्व कन्याएं व अप्सराएं आदि सभी विचरण करते रहते थे। एक बार वहीं उसी जंगल में थोड़े हटकर ऋषि च्यवन का पुत्र ऋषि मेधावी भी भगवान शिव की तपस्या में लीन था, लेकिन कामदेव जो कि भगवान शिव की तपस्या को नहीं देखना चाहते थे ने (वहीं उन्होंने मेधावी की तपस्या को भंग करने के लिए) अपनी मंजु घोष नामक अप्सरा को भेज दिया, जो कि अपनी सुंदरता के साथ ही साथ नृत्य व गायन में भी बड़ी पारंगत थी। मंजु ने अपनी सुंदरता, नृत्य व मधुर गायन से मेधावी को मंत्र मुग्ध कर व उसकी सारी तपस्या को भंग करके उसे अपने मोह जाल में फंसा लिया। मेधावी उसके मोह जाल में वर्षों फंसा रहा। एक दिन मंजु ने मेधावी से वापिस जाने के लिए कहा, जिस पर मेधावी को अपनी तपस्या भंग होने की भूल का आत्मज्ञान हो गया और वह क्रोधित हो कर उस पर टूट पड़ा तथा इसी दोष के लिए उसने मंजु को पिशाचिनी होने का शाप दे दिया। मंजु तब रोने लगी थी और उसने फिर शाप से मुक्ति के लिए कहा और मेधावी से हाथ जोड़ कर प्रार्थना की। तब कहीं जा कर मेधावी ने उसे मुक्ति के लिए पाप मोचनी एकादशी का व्रत करने को कहा। इसके पश्चात जब मेधावी ने वापिस आश्रम पहुंच कर अपने पिता ऋषि च्यवन से सारी बात कही ,तो पिता(च्यवन ऋषि) बहुत नाराज हुवे और कहने लगे कि ये तो सारा दोष तुम्हारा ही है और इसका पाप तुम्हे लगे गा,पापमोचनी का व्रत तुम्हे भी रखना पड़े गा तभी तुम इस दोष से मुक्ति पा सकते हो। इस तरह दोनों (मेधावी व मंजु घोष) द्वारा पाप मोचनी एकदशी का व्रत करने से ही अपने पापों से छुटकारा पाने में सफल रहे थे।

डॉ. कमल के. प्यासा परुथी, लोअर समखेतर, मंडी

चैत्र मास के कृष्ण पक्ष की पापमोचनी एकदशी के इस व्रत को करने के लिए भगवान विष्णु जी को पीले वस्त्रों से ही सजाना चाहिए और इनको पीले आसान पर ही स्थापित करना चाहिए।विष्णु पूजन के लिए 11 पीले फूल, 11 पीले फल व11ही पीले रंग की मिठाइयों के साथ पीले चंदन व पीले जनेऊ का उपयोग करना चाहिए। कथा में बैठने के लिए भी पीले आसन का ही प्रयोग करना चाहिए। पाठ विष्णु शास्त्रनामा का व व्रत निर्जला या फलाहारी कोई भी किया जा सकता है। पापमोचनी एकदशी व्रत से संतान प्राप्ति, मोक्ष प्राप्ति, दुखों का नाश,1000 गऊ दान फल व सभी तरह के पापों से मुक्ति प्राप्त होती है।

हिंदू नववर्ष

चैत्र माह में शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से शुरुआत

नववर्ष एक उत्सव की तरह पूरे विश्व में अलग-अलग स्थानों पर अलग-अलग तिथियों तथा विधियों से मनाया जाता है, लेकिन भारतीय संस्कृति के अनुसार हमारा नववर्ष चैत्र महीने में शुक्ल पक्ष की प्रथम तिथि (प्रतिपदा) से शुरू होता है। ग्रंथों के अनुसार चैत्र महीने में शुक्ल पक्ष की प्रथम तिथि (प्रतिपदा) को ही ब्रह्मा ने सृष्टि का निर्माण किया था। इस दिन ग्रह और नक्षत्र से परिवर्तन होता है। हिंदी महीने की शुरुआत इसी दिन से होती है। पेड़-पौधों में मंजर कली इसी समय आना शुरू होते हैं। नई फसलें आने का समय भी यही है। इस समय प्रकृति में उष्णता बढ़ने लगती है। नवरात्र की शुरुआत भी इसी दिन से होती है। हम अपने नववर्ष की शुरुआत इतने सुहावने मौसम से पवित्रता व मां आदिशक्ति की पूजा-अर्चना से शुरू करते हैं। यही तो हमारी भारतीय संस्कृति है, जो विश्व में हमें सबसे ऊंचा दर्जा दिलाती है। चैत्र शुक्ल (प्रतिपदा) तिथि के ठीक 9वें दिन मर्यादा पुरुषोत्तम राम का अवतार शुक्ल नवमी में होता है।

आर्य समाज की स्थापना भी इसी दिन हुई थी। छोटी काशी मंडी में इस दिन को नया त्योहार के रूप में मनाते हैं। मंडी जनपद में नए त्योहार पर पंडित नया संबत सुनाते हैं। इस नये संवत्सर का राशियों के अनुसार पूरे वर्ष का वर्षफल सुनते हैं। नया संबत सुनने के पश्चात मीठा बांटने का रिवाज है। मीठे के रूप में गुड़ या मीठे बाबरु बांटे जाते हैं। इस चैत्र महीने में झींजे गाने का भी चलन है। पुराने समय में पूरा महीने झींजे गाई जाती थी। एक विशेष समुदाय के लोग घर-घर जाकर झींजे गाते थे। इसके बदले में उन्हें अनाज और पैसे दिए जाते थे। इन झींजो को गाया जाना और सुनना शुभता का प्रतीक माना जाता है। इसके अतिरिक्त आसपास की महिलाएं भी एक दूसरे के घर जाकर शुभ झींजे गाती थी। उन्हें प्रसाद के तौर पर कोलथ (एक तरह की दाल) दिए जाते थे। इन कोलथ को रात को भीगने डाला जाता था और फिर तुडक कल प्रसाद के तौर पर बांटा जाता था। पहले समय में मिठाई इत्यादि का चलन कम था। ये कोलथ तो अपनी खेतों की उपज होती थी, लेकिन समय के साथ-साथ यह सामाजिक परंपरा खत्म होने की कगार पर है। आज नाम मात्र बचे हुए लोग इसका निर्वहन कर रहे हैं। झींज इस प्रकार है-उड़ी जाया उड़ी जाया कालेया कागाइक वे सनेहा लई जाया...।

विडंबना की हम ऋषि मुनियों के देश में अपने संस्कारों को भूल गए हैं। पाश्चात्य संस्कृति में इतना रंग गए हैं कि हमारा नव वर्ष कब आता है यह अक्सर भूल जाते हैं। नव वर्ष मनाने का सबका अपना तरीका है उसे नहीं नकारते, लेकिन इसके साथ हमें अपने संस्कारों को भी नहीं भूलना चाहिए। हम सबको मिलकर पावन नव वर्ष मनाना चाहिए और इन सब पर्वों, उत्सवों व संस्कारों को आने वाली युवा पीढ़ी को हस्तांतरित करना चाहिए, ताकि वो अपनी संस्कृति को अपने संस्कारों व पर्वों को न भूले ।ताकि हमारी भारतीय संस्कृति की गरिमा व गौरव इसी तरह पूरे विश्व में बना रहे।

प्रस्तुतिः विद्या शर्मा, मंडी (हिमाचल)

चैत्र नवरात्र पर उमड़ा भक्तों का सैलाब, मां के जयकरों से गूंजे शक्तिपीठ

भक्तों के लिए सुबह चार बजे से ही खोल दिए मां के दरबार, जयकारों के साथ श्रद्धालुओं की टोलियां बढ़ी मंदिरों की ओर

संजय अग्रवाल, धर्मशाला

कांगड़ा जिले के तीनों शक्तिपीठों में दूसरे चैत्र नवरात्र को भी मां के भक्तों का सैलाब उमड़ा। बज्रेश्वरी देवी कांगड़ा, चामुंडा देवी व ज्वालामुखी देवी मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। माता के जयकारों के साथ श्रद्धालुओं की टोलियां मंदिरों की ओर बढ़ती देखी गईं। दूसरे दिन भी श्रद्धालुओं के लिए प्रात: ही मंदिरों के कपाट खेल दिए गए थे। सुबह चार बजे से ही भक्तों के लिए मां के दरबार खोल दिए गए थे।

चैत्र नवरात्र का दूसरा दिन मां दुर्गा की द्वितीय शक्ति, मां ब्रह्मचारिणी की पूजा होती है। देवी ब्रह्मचारिणी का स्वरूप शांत और सौम्य हैं। मान्यता है कि इस दिन उनकी कथा का पाठ करने से साधक को त्याग, वैराग्य, संयम और सभी सुखों की प्राप्ति होती है। सोमवार को दूसरे नवरात्र पर मंदिरों के बाहर सुबह से ही श्रद्धालुओं की लंबी-लंबी कतारें लगना शुरू हो गईं। वहीं, मंदिरों को रंग-बिरंगे फूलों से सजाया गया है।

देर शाम तक तक बड़ी संख्या में हजारों श्रद्धालु मां के जयकारे लगाते हुए मंदिरों पहुंच रहे। वहीं, उपायुक्त हेमराज बैरवा ने बताया कि तीनों शक्तिपीठों में शांति पूर्वक नवरात्र का आयोजन चला हुआ है। बाहरी राज्यों से आने श्रद्धालुओं के लिए हर व्यवस्था की गई है, ताकि उन्हे किसी भी प्रकार की दिक्कतों का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि मंदिरों में हर गतिविधियों पर भी नजर रखने के लिए उपमंडल अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं। (अनंत ज्ञान)

सभी शक्तिपीठों में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था

चैत्र नवरात्र को लेकर कांगड़ा पुलिस ने मंदिरों में सुरक्षा और यातायात व्यवस्था के भी कड़े प्रबंध किए हैं। तीनों मंदिरों में 700 के लगभग पुलिस व गृह रक्षक जवान तैनात किए गए हैं। इसके अलावा तीनों मंदिरों में ट्रैफिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए मंदिर परिसर के अलावा अन्य स्थानों पर भी वाहनों की पार्किंग की व्यवस्था की गई है।

ज्वालामुखी मंदिर में चढ़ा 10,23,506 का चढ़ावा

अनंत ज्ञान ज्वालामुखी। ज्वालादेवी मंदिर में चैत्र माह के प्रथम नवरात्र पर 10,23,506 रुपए का चढ़ावा श्रद्धालुओं ने मां के चरणों में अर्पित किया। मंदिर अधिकारी मनोहर लाल शर्मा ने बताया कि यात्रियों की सुरक्षा के लिए शहर के चप्पे-चप्पे पर पुलिस का पहरा है । इसके अलावा सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से भी नजर रखी जा रही है। मंदिर न्यास द्वारा निशुल्क लंगर व निशुल्क चिकित्सा शिविर भी लगाया गया है। नवरात्रों में ज्वालामुखी शहर में यातायात व्यवस्था बाधित न हो इसके लिए बाहरी राज्यों से आ रही बड़ी गाड़ियों को शहर से बाहर ही पार्किंग व्यवस्था की गई है। डीएसपी आरपी जम्वाल ने बताया कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए अतिरिक्त पुलिस कर्मी तैनात किए गए हैं ।

बज्रेश्वरी मंदिर में 13800 श्रद्धालुओं ने टेका माथा

अनंत ज्ञान, कांगड़ा। बज्रेश्वरी मंदिर कांगड़ा में दूसरे नवरात्र को भी श्रद्धालुओं की भीड़ रही। मंदिर अधिकारी नीलम राणा ने बताया कि दूसरे नवरात्र के दिन 13800 श्रद्धालुओं ने मंदिर में माथा टेका। उन्होंने बताया मंदिर में 6,60,644 रुपए का चढ़ावा मंदिर में श्रद्धालुओं द्वारा चढ़ाया गया। उन्होंने बताया मंदिर परिसर में सफाई व्यवस्था पर निरंतर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया की मंदिर मे आने वाले श्रद्धालुओं के लिए तीन टाइम की लंगर की व्यवस्था मंदिर प्रशासन द्वारा की जा रही है।

न्यूज ब्रीफ

सुधीर शर्मा ने खनियारा को दी लाखों की सौगात

अनंत ज्ञान, धर्मशाला। धर्मशाला विधानसभा के वर्तमान विधायक एवं पूर्व मंत्री सुधीर शर्मा ने शनिवार को सुप्रसिद्ध श्री इंदूनाग मेले में बतौर मुख्यातिथि शिरकत की और खनियारा में विभिन्न विकास कार्यों के लिए लगभग बीस लाख रुपए देने की घोषणा की। उन्होंने कुश्ती अखाड़े के विस्तारीकरण और सौंदर्यीकरण के लिए पांच लाख, मेला ध्वज स्तंभ के लिए दो लाख, सुनील जंग महंत की यादगार में बनने वाले प्रवेश द्वार के लिए चार लाख तथा बटवाल फाउंडेशन सामुदायिक भवन निर्माण के लिए सात लाख देने की घोषणा की। इसके अतिरिक्त उन्होंने अपनी ओर से श्री इंदूनाग मेला कमेटी को एक लाख देने की घोषणा भी की। सुधीर शर्मा ने कहा कि मेले हमारी सांस्कृतिक धरोहर होने के साथ-साथ आपसी भाईचारे का प्रतीक भी हैं।

फस्टा, नागनी और आसपास कल पावर कट

अनंत ज्ञान, डरोह। विद्युत उपमंडल डरोह के सहायक अभियंता इंजीनियर सुभाष कुमार ने प्रेस को जारी एक बयान में कहा कि 2 अप्रैल दिन बुधवार को 11 केवी देवी मरूंह स्पर की उचित मरम्मत एवं रखरखाव हेतु विद्युत उपमंडल डरोह के अंतर्गत आने वाले गांव देवी, फस्टा, नागनी, मरूंह, भेडू ब्लॉक आदि गांवों में विद्युत आपूर्ति सुबह 10 बजे से लेकर शाम कार्य समाप्ति तक बाधित रहेगी। उन्होंने उपभोक्ताओं से सहयोग की अपील की है।

फतेहपुर के रे में धूमधाम से मनाई ईद

अनंत ज्ञान, फतेहपुर। उपमंडल फतेहपुर के तहत कस्बा रे में ईद उल फितर का त्योहार बड़ी धूमधाम से मनाया गया। सुबह 8 बजे ईद की नमाज अदा की गई। नमाज में रे, इहग, जागीर, बाग के लोगों ने शिरकत की और सभी आये हुए लोगों को गले मिल कर बधाई दी। मुस्लिम कल्याण सोसायटी के सचिव जमात अली ने समस्त देश व प्रदेशवासियों को ईद की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि ईद का त्योहार अमन व भाईचारे का त्योहार है। ईद का मतलब ही खुशी है।

ढाटी सांबा छिंज में 71000 की होगी बड़ी माली

अनंत ज्ञान, डरोह। ढाटी सांबा छिंज मेला समिति की बैठक मेला मैदान में समिति प्रधान कुलबीर सिंह राणा की अध्यक्षता में हुई। समिति सचिव ने कहा कि यह बैठक 10 से 12 अप्रैल तक चलने वाले ढाटी सांबा छिंज मेले के प्रबंधन के प्रति आयोजित की गई। बैठक में सभी सदस्यों से निवेदन किया गया कि उन्हें जो जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसे बखूबी से निभाएं। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि 12 अप्रैल को कुश्ती प्रतियोगिता के पहलवानों की एंट्री सायं 3बजे तक ही होगी। उसके उपरांत उनकी एंट्री बिलकुल भी नहीं की जाएगी। बड़ी माली 71000 रुपए की होगी। 12 अप्रैल बड़ी माली के दिन मुख्यातिथि की भूमिका सुलह विधानसभा क्षेत्र के विधायक विपिन सिंह परमार निभाएंगे। इस दौरान बैठक में बहुत से समिति सदस्यों ने भाग लिया और मेले के प्रति अपने अपने सुझाव भी दिए।

भाजपा बैजनाथ अपर मंडल की बैठक कल

अनंत ज्ञान, बैजनाथ। भाजपा मंडल महामंत्री चेतक कंवर ने बताया कि इस बार बैजनाथ अपर मंडल की मासिक बैठक 2 अप्रैल को बीड़ में होने जा रही है इस बैठक की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष सुरेंद्र कपूर पूर्व विधायक मुल्ख राज प्रेमी विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। इस बैठक में कार्यकारिणी सदस्य बीड़ ग्राम केंद्र के बूथ अध्यक्ष बूथ पालक बूथ बीएलए और सभी पुराने कार्यकर्ता बैठक में आमंत्रित हैं।

रोड़ा के बौंण में शरारती तत्वों ने उखाड़े बैंच

अनंत ज्ञान, डरोह। विकास खंड सुलह स्थित भेडूमहादेव की ग्राम पंचायत रोड़ा के वार्ड नंबर 1, गांव बौण में कुछ अज्ञात शरारती तत्वों ने सरकार द्वारा पंद्रहवें वित्तायोग के तहत पंचायत वासियों को बैठने के लिए लगाए गए बैंच अपनी सही जगह से उखाड़ कर फैंक दिए गए हैं। इन शरारतियों ने इस वार्ड के तीन बैंच उखाड़े हैं, इनमें दो तो जैसे तैसे वापस अपनी सही जगह पर रख दिए गए हैं लेकिन एक अभी भी अपनी जगह से नीचे खाई में फैंक दिया है। उसे उठाने के लिए कम से कम 6 से 8 लोग लगेंगे तब जाकर उसे सही जगह पर रखा जाएगा। क्योंकि यह सीमेंट के बहुत भारी वजन वाले हैं। रोड़ा पंचायत की प्रधान जगतंबा देवी ने कहा कि तीन बैंच उखाड़ दिए थे उनमें से दो को तो अपनी सही जगह पर रख दिया है, लेकिन एक अभी भी नीचे खाई में गिरा हुआ है। उन्होंने कहा कि यह कार्य कुछ अज्ञात शरारती तत्वों का है, जो रात को शराब पीने या अन्य नशा करने यहां वहां वीराने में बैठते है और नशा करके ऐसे गलत और घिनोने कार्य करते हैं।

बच्चों को दी जा रही जेईई और नीट की फ्री कोचिंग

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। जिला कांगड़ा की डिप्टी डायरेक्टर क्वालिटी कंट्रोल जिला परियोजना अधिकारी समग्र शिक्षा कंचन ज्योति ने बताया कि इस प्रोग्राम में सरकार द्वारा जेईई और नीट की निशुल्क कोचिंग देने के लिए देश के बेहतरीन कोचिंग प्रदानकर्ता अवंती फैलो की कोचिंग फैकल्टी द्वारा 9 दिनों में जेईई और नीट परीक्षाओं की तैयारी कारवाई जा रही है। इस प्रोग्राम के आयोजन में हिमाचल प्रदेश सरकार की शिक्षा के क्षेत्र में उत्थान के उद्देश्य से समग्र शिक्षा हिमाचल प्रदेश ने सरकारी विद्यालय में पढ़ने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को यह सीखने का मौका प्रदान किया जा रहा है। जिसके लिए समग्र शिक्षा के राज्य परियोजना निदेशक (समग्र शिक्षा) राजेश शर्मा के अथक प्रयास हैं। इन सभी बच्चों के रहने तथा खाने की व्यवस्था धर्मशाला में हिमाचल प्रदेश टूरिज्म के होटल धौलाधार में की गई है। बच्चों को जेईई और नीट की परीक्षा की तैयारी के लिए प्रोग्राम शेड्यूल सुबह 9 बजे से लेकर शाम 5 बजे तक तय है।

वेतन-भत्तों में 24 प्रतिशत बढ़ोतरी निंदनीय

अनंत ज्ञान, बैजनाथ। हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा मंत्रियों एवं विधायकों के भत्तों में 24 प्रतिशत बढ़ोतरी करना सरासर गलत तथा निंदनीय है। स्वाभिमान पार्टी के राष्ट्रीयअध्यक्ष बलदेव राजसूद द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि सेवा के नाम पर आने वाले जन प्रतिनिधि जनता की जेब काटने का काम कर रहें हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश पहले ही अत्याधिक कर्जे में डूवा हुआ है कर्जे का ब्याज चुकाने में ही प्रदेश के बजट का 12 प्रतिशत खर्च हो रहा है, परंतु जनप्रतिनिधि जनता के धनसे गुलछरे उड़ा रहे हैं।

बैजनाथ में सेक्स रैकेट का पर्दाफाश

पंजाब की दो महिलाएं पुलिस हिरासत में, 2 लाख 22 हजार कैश भी जब्त

अनंत ज्ञान, बैजनाथ

बैजनाथ के अलहिलाल में पुलिस ने सेक्स रैकेट का पर्दाफाश किया है। आरोप में दो महिलाओं को गिरफ्तार किया गया है, जो कि पंजाब से हैं। दोनों महिलाओं को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। पुलिस से मिली जानकारी के अुनसार रविवार देर रात पुलिस ने बैजनाथ-पालमपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर आर्मी कैंट अलहीलाल (अवैरी) में एक होटल में दबिश दी और सैक्स रैकेट के आरोप में 2 महिलाओं को गिरफ्तार किया। जांच के दौरान यह भी सामने आया कि यह गिरोह संगठित रूप से महिलाओं के शोषण के गैरकानूनी धंधे को संचालित कर रहा था। इस ऑपरेशन में पुलिस ने दो पीड़ित महिलाओं को सफलतापूर्वक मुक्त कराया, जिन्हें इस दलदल से बाहर निकालकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया है।

डीएसपी अनिल शर्मा ने बताया पिछले कुछ समय से शिकायतें आ रही थीं कि बैजनाथ-पालमपुर मार्ग पर चल रहे होटल में देह व्यापार हो रहा है, जिसके बाद यह कार्रवाई की गई है। उन्होंने बताया कि हिरासत में ली गई दोनों महिलाओं को न्यायालय में पेश कर आगामी कार्रवाई की जाएगी। इस ऑपरेशन में पुलिस ने दो पीड़ित महिलाओं को सफलतापूर्वक मुक्त कराया है, जिन्हें इस दलदल से बाहर निकालकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया है। साथ ही, इस कार्रवाई में अपराध से जुड़े कुल 2,22,080 रुपए नकद भी बरामद किए गए हैं, जो इस अवैध गतिविधि से अर्जित किए गए मुनाफे का हिस्सा हैं। यह सफल कार्रवाई न केवल पुलिस की सतर्कता और त्वरित कार्रवाई का परिचायक है, बल्कि समाज में व्याप्त इस घिनौने अपराध के खिलाफ एक मजबूत संदेश भी देती है। इस मामले में जांच अभी जारी है और पुलिस अन्य संभावित संलिप्त व्यक्तियों की तलाश में जुटी हुई है, ताकि इस नेटवर्क को पूरी तरह से ध्वस्त किया जा सके।

छन्नी बेली में मकान से 7.63 ग्राम चिट्टा बरामद

अनंत ज्ञान, इंदौरा। थाना डमटाल के अंतर्गत रविवार को नशे का गढ़ माने जाने वाले छन्नी बेली में एक बड़ी नशा तस्करों के खिलाफ कार्रवाई अमल में लाई गई है। इसमें नारकोटिक्स टीम द्वारा छापेमारी के दौरान गांव से आकाशदीप निवासी वह डाकखाना मेहतावपुर तहसील मुकेरिया जिला होशियारपुर जो कि अपने ससुराल छन्नी बेली में में घर जंवाई के तौर पर रहता है, उसके रिहायशी मकान की छापेमारी के दौरान 7.63 ग्राम चिट्टा बरामद किया गया। आरोपी को गिरफ्तार करके उसके खिलाफ मादक पदार्थ अधिनियम 21 के तहत मामला दर्ज किया गया है। इसकी पुष्टि करते हुए एएसपी धर्मचंद वर्मा ने बताया के उपरोक्त आरोपी शातीर तथा अवश्य तक अभ्यास अभ्यसथ अपराधी है जिस पर और भी कई अभियोग पंजीकृत है।

एक सशक्त नेता और समाजसेवी थे केवल सिंह पठानिया : कुलदीप

अनंत ज्ञान, नूरपुर

हिमाचल सराकर में पूर्व में मंत्री रहे केवल सिंह पठानिया की श्रद्धांजलि सभा और रस्म पगड़ी कार्यक्रम सोमवार को जिला कांगड़ा की विधानसभा नूरपुर के अधीन पड़ते पैतृक निवास स्थान बासा बजीरा में आयोजित की गई। इसमें हजारों लोगों ने पहुंचकर उनको श्रद्धांजलि अर्पित की। विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया, कृषि एवं पशुपालन मंत्री प्रो. चंद्र कुमार, राज्य योजना बोर्ड के उपाध्यक्ष एवं विधायक भवानी सिंह पठानिया, उपमुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया और पूर्व विधायक अजय महाजन ने पूर्व मंत्री के गांव बासा बजीरा पहुंचकर उनके सामाजिक एवं राजनीतिक योगदान को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। विधानसभा अध्यक्ष पठानिया ने कहा कि केवल सिंह पठानिया एक सशक्त नेता और समाजसेवी थे, जिन्होंने जनसेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। उनका राजनीतिक जीवन अनुकरणीय रहा है, और उन्होंने हमेशा जनता की भलाई के लिए कार्य किया। उन्होंने कहा कि अजादी से पहले और वर्तमान राजनीतिक में उनका विशेष भूमिका रही है। वहीं, कृषि ने कहा कि केवल सिंह पठानिया ने जनता की भलाई के लिए उल्लेखनीय कार्य किए और उनका समर्पण हमेशा याद रखा जाएगा।

रस्म पगड़ी कार्यक्रम में पूर्व मंत्री को हजारों लोगों ने दी श्रद्धांजलि

अजय वर्मा ने नवाजे जलाड़ी दंगल के विजेता पहलवान

अनंत ज्ञान, कांगड़ा

हिमाचल प्रदेश पथ परिवहन निगम के उपाध्यक्ष अजय वर्मा जलाड़ी पंचायत के स्थानीय मेले में बतौर मुख्यातिथि पहुंचे। यहां पहुंचने पर उनका मेला कमेटी प्रधान तिलक राज, मेला कमेटी सदस्यों ने शॉल टोपी देकर सम्मानित किया। अजय वर्मा ने मेला कमेटी सदस्यों और सभी ग्रामीणों के साथ मिलकर प्रदेश भर से आए हुए पहलवानों की कुश्ती को देखा।

उन्होंने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि मेले आपसी भाईचारे का प्रतीक है यह एक दूसरे को आपस में जोड़ते हैं और पुरानी संस्कृति को बचाने का एक प्रमुख साधन हैं। युवाओं के लिए आधुनिक समय के मेले अनेक प्रकार से उपयोगी है। युवाओं को मेलों में गाने और अन्य प्रतियोगिताओं में शामिल होकर अपनी प्रतिभा को दिखाने का मौका मिलता है। उन्होंने कहा आर्थिक रूप से भी मेले स्थानीय लोगों के लिए फायदेमंद हैं। उनके समक्ष लोगों द्वारा बस की सुविधा से संबंधित समस्या बताई गई, जिसे उपाध्यक्ष ने एक माह के अंदर चलाने का लोगों को आश्वासन दिया। दंगल में विजेता अटारी बागा बॉर्डर के इंद्रजीत और उपविजेता जवाली के कृष्ण कुमार रहे। विजेता और उपविजेता पहलवानों को मुख्यातिथि ने पुरस्कार बांटे। विजेता पहलवान को 14 हजार और उपविजेता पहलवान को 12 हजार दिए गए।

प्रशांत मेहरा बने मास्टर ऑफ लेजिस्लेटिव लॉ

अनंत ज्ञान, डरोह। प्रशांत मेहरा पुत्र विपन कुमार मेहरा व माता साधना गांव पुड़वा तहसील धीरा ने हिमाचल प्रदेश राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय शिमला से एल एल एम की डिग्री हासिल की है। गत दिवस शिमला में हुए दीक्षांत समारोह में प्रशांत को इस डिग्री से नवाजा गया। बेटे को एल एल एम की डिग्री हासिल करने पर प्रशांत के माता पिता सहित समस्त परिवारजन गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। बताते चलें कि प्रशांत मेहरा के पिता हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड में सहायक सचिव के पद पर तैनात हैं और माता साधना देवी एक गृहिणी है। उन्होंने प्रशांत की कामयाबी का पूरा श्रेय उसकी कड़ी मेहनत को दिया है। प्रशांत की इस कामयाबी पर समस्त पुड़बा वासियों में खुशी की लहर है।

'आपका सेवक आपके द्वार' कार्यक्रम में निशु मोंगरा ने किया ऐलान

सोलर लाइटों से जगमगाएगी कुल्थी पंचायत

अनंत ज्ञान, कांगड़ा

कांगड़ा विधानसभा हलके के तहत कुल्थी पंचायत में एक साथ कई सोलर लाइटें लगाई जाएंगी। इससे पूरा इलाका सोलर लाइटों से जगमग होगा। यह बात एपीएमसी और हिमाचल कांग्रेस ओबीसी विभाग के चेयरमैन निशु मोंगरा ने सोमवार को कुल्थी पंचायत में महिला मंडल के दौरे के दौरान कही। आपका सेवक आपके द्वार कार्यक्रम में निशु मोंगरा ने कहा कि इसके लिए सर्वे करवाया जा रहा है। इसके बाद जरूरत के मुताबिक सोलर लाइटें लगाई जाएंगी। एपीएमसी और हिमाचल कांग्रेस ओबीसी विभाग के चेयरमैन निशु मोंगरा ने आगे कहा कि इस महिला मंडल को नया भवन बनवाया जाएगा। महिला मंडल की ओर से मिली अन्य मांगों को भी पूरा किया जाएगा। निशु मोंगरा ने कहा कि इस क्षेत्र में पानी की कमी भी पूरी होने जा रही है। जलाड़ी स्कीम से इस क्षेत्र को पानी की आपूर्ति की जाएगी। इस काम में बिजली का ट्रांसफार्मर लगना है। इसके लिए पैसा बिजली बोर्ड के पास डिपोजिट करवा दिया गया है। जल्द योजना का लाभ सैकड़ों ग्रामीणों को मिलेगा। पूरे विधानसभा हलके में महिला मंडलों को आत्मनिर्भर बनाने के अलावा रोजगार से जोड़ना है। महिला मंडलों को सामाजिक और आर्थिक मजबूती की जरूरत है।

पंचायत के महिला मंडल को मिलेगा नया भवन

बिजली और पानी की सुविधा पर फोकस

निशु मोंगरा ने कहा कि कांगड़ा हलके में बिजली और पानी पर खासतौर से फोकस किया जा रहा है। खोली गांव के लिए दो करोड़ 55 लाख रुपए की स्कीम बन रही है। इसी माह इस योजना को जनता को समर्पित कर दिया जाएगा। इससे खोली के हर घर को भरपूर पानी मिल सकेगा। निशु मोंगरा ने बताया कि मुख्यमंत्री ने सख्त निर्देश दिए हैं कि हमारी 80 प्रतिशत आबादी गांवों में रहती है। उस आबादी को भरपूर पानी मुहैया करवाना हमारा फर्ज है।

कोटला में सरकारी भूमि पर अवैध निर्माण की शिकायत

अनंत ज्ञान, कोटला। कोटला उपतहसील के तहत सरकारी भूमि पर अवैध निर्माण का मामला प्रकाश में आया है। उपतहसील से महज 20 मीटर की दूरी पर अवैध निर्माण कार्य किया जा रहा है। स्थानीय लोगों ने इस बारे में राजस्व विभाग के उपतहसीलदार को शिकायत दी थी। लोगों ने बताया कि शिकायत के बाद राजस्व विभाग के पटवारी व नायब तहसीलदार ने मौका पर निर्माण कार्य रोकने को कहा था, लेकिन सरकारी अवकाश का फायदा उठाकर गांव के निवासी द्वारा दिन रात इस अवैध निर्माण कार्य को अंजाम दिया जा रहा है। इस बारे में नायब तहसीलदार कोटला से बात हुई तो उन्होंने बताया कि सरकारी भूमि पर अवैध निर्माण कार्य की शिकायत मिली है, जिस पर निर्माण कार्य को रोकने पटवारी को मौका पर भेजकर की हिदायत दी गई थी। बावजूद इसके अगर कार्य किया गया है तो कल मौका पर जाकर आरोपी के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

व्यापारियों ने किया प्रदर्शन

अनंत ज्ञान, जसूर। जसूर सब्जी मंडी में बाहर से आए कुछ व्यापारियों और मंडी के आड़तियों द्वारा मंडी के मुख्य द्वार को सोमवार को बंद कर दिया गया। उनका कहना था कि इस जगह पर पानी का न होना बहुत बड़ी समस्या है। उन्होंने सब्जी मंडी प्रधान से आग्रह किया है कि ये समस्या पिछले एक माह से रही है जल्द इस समस्या का हल किया जाए।

गगल पुलिस ने हत्या के शक में शव को पोस्टमार्टम के लिए टांडा भेजा

अनंत ज्ञान, गगल। भाड़यारा में गत दिवस 42 वर्षीय वीरेंद्र सिंह की अचानक मौत हो गई, जिसको लेकर मृतक के बहन ने शक जाहिर करते हुए गगल पुलिस थाने को सूचित किया। गगल पुलिस के थाना प्रभारी उधम सिंह ने बताया कि पुलिस आज जैसे ही मृतक वीरेंद्र के घर पहुंची तो वहां लोग संस्कार करने के लिए तैयारी कर रहे थे, लेकिन पुलिस के पहुंचने पर संस्कार को रोक दिया और लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए टांडा मेडिकल कॉलेज कांगड़ा भेजा गया। पोस्टमार्टम की रिपोर्ट आने के बाद ही पता लगेगा कि मौत किस प्रकार हुई है।

श्री साई ग्रुप के 63 छात्रों का कृष्णा मारुति में चयन : तुषार

अशोक ठाकुर, पठानकोट

श्री साई ग्रुप ऑफ इंस्टीच्यूटस में ऑटोमोबाइल उद्योग में प्रसिद्ध अंतरराष्ट्रीय कंपनी कृष्णा मारुति के द्वारा कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन ग्रुप के सी ऍम डी कँवर तुषार पुंज जी की अध्यक्षता में किया गया। इस ड्राइव में साई पॉलिटेक्निक कॉलेज व श्री साई इंजीनियरिंग पठानकोट के अलग-अलग महाविद्यालयों के डिप्लोमा व बीटेक मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल, ऑटोमोबाइल के विद्यार्थियों ने भाग लिया। सिलेक्शन प्रक्रिया में कंपनी प्रेजेंटेशन, लिखित परीक्षा व पर्सनल इंटरव्यू के बाद 63 छात्रों का चयन किया गया। सुलक्षय मुरगई ने बताया कि कृष्णा मारुति समूह, 1994 में सीटिंग सिस्टम के विनिर्माण और आपूर्ति के लिए मारुति उद्योग लिमिटेड की सहायक कंपनी के रूप में शामिल किया गया था। डेल्टा आईटी नेटवर्क ने ऑटोमोटिव दिग्गज के लिए स्मार्ट आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने में मदद की है। गत कई वर्षों के भांति इस वर्ष भी हमारे छात्रों पर कंपनी ने विश्वास किया और उनकी प्रतिभा को आंकते हुए उन्हें पुन: यह अवसर प्रदान किया, जिसके लिए उनका आभार सयुंक्त रूप से व्यक्त किया गया। (अनंत ज्ञान)

दंगल सहौड़ा में छिंज मेले में कांगड़ा के विधायक पवन काजल बोले-

चफड़ छिंज मेले का बढ़ाएंगे दर्जा

अनंत ज्ञान, कांगड़ा

कांगड़ा विधानसभा के विधायक पवन काजल ने कहा कि सहौड़ा गांव में लगने वाले चफड़ छिंज मेले को आने वाले समय में ऊंचे स्तर तक पहुंचाया जाएगा। सोमवार को दो दिवसीय मेले के समापन समारोह में उन्होंने कहा कि मेले हमारी संस्कृति और सभ्यता का प्रतीक हैं। ग्रामीणों ने इन्हें सहेज कर रखा है। यह आने वाली पीढ़ी के लिए प्रेरणा हैं। काजल ने कहा कि यह मेला उनके पैतृक गांव में होता है। ग्रामीणों ने आर्थिक सहयोग देकर इसका आयोजन किया है। इसके लिए उन्होंने आयोजन समिति को बधाई दी। मेला कमेटी के अध्यक्ष सुनील कुमार और उपप्रधान संजीव कुमार ने विधायक को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। सुनील कुमार ने बताया कि बड़ी माली के विजेता को 41 हजार, उपविजेता को 31 हजार रुपए दिए गए। छोटी माली के विजेता को 21 हजार और उपविजेता को 11 हजार रुपए की राशि और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। समारोह में पूर्व विधायक संजय चौधरी, पूर्व मंडल भाजपा अध्यक्ष सत्य प्रकाश सोनी, मंडल भाजपा अध्यक्ष अशोक कुमार, रणजीत सिंह, विजय चौधरी, मोहित सैनी सहित कई ग्रामीण मौजूद रहे।

एलिट कैंप के लिए एचपीसीए के चार खिलाड़ी चयनित

अनंत ज्ञान, धर्मशाला। नेशनल क्रिकेट अकैडमी द्वारा आयोजित किए जा रहे अंडर-16 ब्वॉयज एलिट कैंप के लिए एचपीसीए के चार खिलाडियों का चयन हुआ है। चयनित खिलाड़ियों में जिला ऊना के अंशुमन सिंह राणा, जिला मंडी के मंथन गुरुंग, जिला हमीरपुर से वरुण सिंह और जिला बिलासपुर के वरुण ठाकुर शामिल हैं। कैंप का आयोजन 18 अप्रैल से 24 मई तक किया जाएगा। इसके लिए चयनित खिलाड़ियों 17 अप्रैल को कैंप स्थल पर रिपोर्ट करना होगा। एचपीसीए सचिव अवनीश परमार ने बताया कि कैंप में जाने से पहले इनकी एचपीसीए स्टेडियम में फिटनेस परखी जाएगी। उन्होंने बताया कि अंशुमन सिंह राणा सलेम में टीम ए, मंथन गुरुंग जयपुर में टीम बी, वरुण सिंह मुंबई में टीम सी और वरुण ठाकुर पुणे में टीम डी की ओर से भाग लेंगे।

न्यूज ब्रीफ

चिट्टा तस्कर गिरोह का एक और सदस्य गिरफ्तार

दशमी रावत, रोहडू। अंतरराज्यीय चिट्टा तस्कर कपिल राजटा गिरोह के एक और गुर्गे को जुब्बल थाना प्रभारी चेतन चौहान की अगुआई में गठित पुलिस टीम ने भारत-पाकिस्तान सीमा से महज तीन किलोमीटर दूर स्थित गांव सिधवां, जिला तरण-तारण पंजाब से गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी बूटा सिंह है, जो भारी मात्रा में रोहडू निवासी कपिल राजटा तक चिट्टे की खेप पिछले लंबे समय से पहुंचा रहा था। आरोपी को सोमवार को न्यायालय में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया गया है। आगामी कार्यवाही थाना प्रभारी जुब्बल की अगुवाई में की जा रही है। एसडीपीओ रोहडू प्रणव चौहान ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि अब तक राजटा गिरोह के छह सदस्य गिरफ्तार किए गए हैं।

सुन्नी में गले मिलकर दी ईद की मुबारकबाद

महेंद्र कुमार, सुन्नी। शिमला ग्रामीण के सुन्नी में सोमवार को ईद का त्योहार हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सुन्नी में रहने वाले मुस्लिम लोगों के साथ बाहर राज्यों से आए मुस्लिम वर्ग के लोगों ने भी सुन्नी स्थित आयशा मस्जिद में विशेष नमाज अता की। इस अवसर पर बड़ी संख्या में मुल्लिम समुदाय के लोग मस्जिद पहुंचे और नमाज अता करने के उपरांत एक दूसरे से गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी। सुन्नी मस्जिद में ईद की नमाज मौलाना शाजिदुल ने करवाई। इस मौके पर सुन्नी के आसपास के क्षेत्र सहित भलान, मढ़ेच तथा अणु से भी मुस्लिम समुदाय के लोगों ने नमाज अता की। इस अवसर पर कश्मीर से आए मुस्लिमों ने भी शिरकत की और मस्जिद में नमाज अता की। इस दौरान हिंदू समुदाय के लोगों ने भी यहां मुस्लिम वर्ग को ईद की बधाई दी। आयशा मस्जिद के पूर्व अध्यक्ष मुश्ताक कुरैशी ने इस मौके पर प्रदेश वासियों सहित सुन्नी वासियों को ईद की मुबारकबाद दी। ईद के मौके पर मुस्लिम समुदाय के लोगों ने सभी को मिठाईयां बांटकर खुशियां मनाई।

कैपिटल स्पोर्ट्स महासू बना कबड्डी विजेता

अनंत ज्ञान, कोटखाई। कोटखाई के मैन बाजार मैदान में तीन दिनों से चल रही कबड्डी प्रतियोगिता का 31 मार्च को समापन हो गया। इस मुकाबले में मुख्य अतिथि के तौर पर हिमाचल बॉक्सिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष मोहिंद्र स्तान ने शिरकत की। इन्होंने युवाओं के इस क्लब को बहुत सराहा। इस टूर्नामेंट में कुल 16 टीमों ने भाग लिया, जिसमें फाइनल मुकाबला जुब्बल और कैपिटल स्पोर्ट्स महासू के बीच हुआ, जिसमें कैपिटल स्पोर्ट्स महासू विजेता बना, वहीं मैन ऑफ द सीरीज कृष गेजटा को चुना गया।

चौपाल के कुंबड़ा गांव में मनाई ईद

अनंत ज्ञान, चौपाल/ नेरवा। रमजान के महीने के खत्म होने पर उपमंडल चौपाल में मुसलमानों का सबसे बड़ा त्योहार ईद उल फितर सभी मुसलमान भाईयों ने हर्षोल्लास से मनाया। उपमंडल चौपाल की ग्राम पंचायत देवत के ग्राम कोठमल, कुंबड़ा में सभी मुसलमान समुदाय ने ईद का त्योहार मनाया और नमाज पढ़ी। इस्लामिक कैलेंडर के अनुसार, रमजान के बाद शव्वाल की पहली तारीख को ईद-उल-फितर मनाई जाती है । मुस्लिम समुदाय के वरिष्ठ नागरिक मोहमंद हनीफ, मोहमद दीन शेख, गुलजार मोहम्मद, रहमान खान, संजू शेख ने कहा सभी मुस्लिम भाइयों ने हर्षोल्लास से ईद का त्योहार मनाया।

सरकार के फैसले का किया स्वागत

अनंत ज्ञान, सुन्नी। ऑल इंडिया फेडरेशन ऑफ टीचर आर्गेनाइजेशन ने एक शिक्षा निदेशालय तथा आईएएस अधिकारी की निदेशक के रूप में नियुक्ति का पुरजोर समर्थन किया है। प्रेस ब्यान में ऑल इंडिया फेडरेशन ऑफ टीचर आर्गेनाइजेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अश्विनी कुमार, राष्ट्रीय प्रेस सचिव प्रेम शर्मा, उप सचिव रजनीश राणा, यशपाल शर्मा, डॉ. निशा शर्मा ने बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में जो सुधारात्मक कदम उठाए जा रहे हैं उनका फेडरेशन स्वागत करती है । फेडरेशन के पदाधिकारी ने बताया कि शिक्षा सचिव राकेश कंवर के कुशल नेतृत्व में शिक्षा विभाग शिक्षा के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित कर रहा है। उनके कुशल नेतृत्व का ही परिणाम है कि हाल ही में असर की रिपोर्ट में प्रदेश सरकारी स्कूलों में छात्रों का रीडिंग लेवल पूरी देश में सबसे बेहतर रहा है।

राजधानी के मंदिरों में उमड़ी भक्तों की भीड़

नवरात्र के दूसरे दिन भक्तों ने मां ब्रह्मचारिणी की पूजा कर लिया आशीर्वाद

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला

नवरात्रों के दूसरे दिन राजधानी शिमला के मंदिरों में भक्तगण मां ब्रह्मचारिणी की पूजा में लीन रहे। यहां के सभी मंदिरों में भक्तों की भीड़ उमड़ रही है और वातावरण भक्तिमय बना रहा और मंत्रोच्चारण से लोग अपने मन को शांत करते रहे। तारा देवी मंदिर और कालीबाड़ी मंदिर जैसे प्रसिद्ध मंदिरों में श्रद्धालुओं का तांता लगा हुआ है। यहां भक्तगण मां ब्रह्मचारिणी को फूल, फल और मिठाइयां अर्पित कर रहे हैं और उनकी कृपा पाने की प्रार्थना कर रहे हैं। यहां पर सुबह से ही भक्तों की भीड़ उमड रही है, कई स्थानों पर भंडारे के आयोजन भी हो रहे हैं, जहां भक्तों को प्रसाद वितरित किया जा रहा है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए मंदिरों में विशेष इंतजाम किए गए हैं। शिमला के अन्य मंदिरों में भी श्रद्धालु पहुंच रह है और मां से आशीर्वाद ग्रहण कर रहे हैं। अनंत ज्ञान

विधायक कुलदीप सिंह राठौर ने हाटेश्वरी मां के दर लगाई हाजिरी

अनंत ज्ञान ब्यूरो, जुब्बल। विधायक कुलदीप सिंह राठौर ने नवरात्र के दूसरे दिन हाटकोटी में परिवार सहित मां हाटेश्वरी के दर पर माथा टेका। उन्होंने इस दौरान पत्रकारों से बातचीत करते हुए बताया कि मां हाटेश्वरी ने उनकी हर मनोकामना पूरी की है और वे हर साल नवरात्र के दौरान परिवार सहित मां हाटेश्वरी का आशीर्वाद लेने व दर्शन के लिए आते रहते हैं। उन्होंने मां हाटेश्वरी से प्रदेश पर आने वाले प्रत्येक संकट से बचाने की कामना भी की है। उन्होंने अपने विधानसभा क्षेत्र ठियोग-कुमारसैन के लिए सुख समृद्धि एवं शांति की कामना की है।

मिड-डे मील वर्करों के मानदेय में मात्र 500 रुपए की बढ़ोतरी सिर्फ मजाक

अनंत ज्ञान, रामपुर बुशहर

20 मई को रामपुर में होगा विशाल प्रदर्शन

सीटू से सबंधित मिड-डे मील वर्करर्स यूनियन ब्लॉक यूनिट रामपुर की बैठक सोमवार को किसान मजदूर भवन चाटी में आयोजित की गई। बैठक को संबोधित करते हुए रामपुर ब्लॉक की अध्यक्षा राधा देवी ने कहा कि मिड-डे मील वर्करर्स का इस महंगाई के दौर में परिवार का जीवन बसर करना मुश्किल हो गया है।

प्रदेश सरकार द्वारा बजट में मिड-डे मील वर्करों के मानदेय में मात्र 500 रुपए की बढ़ोतरी मिड-डे मील वर्करों के साथ मजाक है। इस महंगाई के दौर में यह मानदेय बहुत कम है। सीटू जिला शिमला सचिव अमित ने कहा कि वर्ष 2013 में 45वें भारतीय श्रम सम्मेलन में फैसला लिया गया था कि मिड-डे मील वर्करर्स को पक्का किया जाएगा। न्यूनतम वेतन, ग्रेच्युटी व पेंशन योजना लागू की जाएगी। मोदी सरकार इन फैसलों को लागू नहीं कर रही है। अपनी मांगों को मनवाने के लिए मिड-डे मील वर्करर्स यूनियन संबंधित सीटू ने 20 मई को प्रदेशव्यापी हड़ताल पर जाने का फैसला लिया है। इस दौरान रामपुर में विशाल प्रदर्शन होगा।

संतोषी बनी मिड-डे मील कर्मचारी संघ की अध्यक्ष

अनंत ज्ञान, चौपाल/नेरवा। मिड-डे मील कर्मचारी संघ चौपाल की एक बैठक संघ के अध्यक्ष दिला राम शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इसमें भारतीय मजदूर संघ जिला शिमला के अध्यक्ष हेत राम शर्मा, चौपाल मंडल अध्यक्ष राय सिंह हिमटा, सचिव ऊषा राठौर एवं श्याम लाल शर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर मिड-डे मील कर्मचारी संघ चौपाल की पुरानी कार्यकारिणी को भंग कर नई कार्यकारिणी का गठन किया गया, जिसमे संतोषी शर्मा को अध्यक्ष, श्याम लाल रपटा को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, राकेश मखरान को उपाध्यक्ष, चंपा सचिव, रक्षा सह सचिव एवं अतर सिंह को मुख्या सलाहकार नियुक्त किया गया। रक्षा शर्मा को कोषाध्यक्ष,राकेश को प्रेस सचिव, भगता को संगठन मंत्री एवं गोविन्द, वीरभद्र सिंह, शीला अदिति, ऊषा, गीता, ममता, बदेवल, सुमित्रा एवं विमला को कार्यकारिणी सदस्य के पड़ पर तैनाती दी गई। इस मौके पर प्रस्ताव पारित कर सरकार से मांग की गई कि मिड डे मील कर्मचारियों को एक मुश्त वेतन दिया जाए एवं उन्हें हर माह की 5 तारीख से पहले वेतन दिया जाए व अन्य कर्मचारियों की तरह ही छुट्टियों का प्रावधान किया जाए।

डिल्वी संपर्क मार्ग का लोकार्पण

शिक्षा मंत्री ने दी सौगात, बोले- क्षेत्र की सड़कों पर खर्च हो रहे 400 करोड़

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने कोटखाई उपमंडल के पनोग पंचायत की डिल्वी संपर्क मार्ग का लोकार्पण किया। इस अवसर पर शिक्षा मंत्री ने स्थानीय लोगों को बधाई देते हुए कहा कि आपदा में हुए भारी नुकसान के बाद इस सड़क के निर्माण कार्य में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा था किन्तु सरकार कि इच्छा शक्ति और स्थानीय लोगों के सहयोग से आज इस महत्वपूर्ण सड़क का निर्माण कार्य पूर्ण हुआ है जिसका लाभ अवश्य रूप से क्षेत्र के लोगों को मिलेगा। रोहित ठाकुर ने कहा कि पनोग एवं क्यारी पंचायत के साथ साथ पूरे घ्याल क्षेत्र के साथ उनका एक भावनात्मक संबंध है। उन्होंने पनोग स्थित मंदिर के निर्माण के लिए 3 लाख देने की भी घोषणा की।

शिक्षा मंत्री ने क्यारी में स्थानीय लोगों एवं कांग्रेस कार्यकर्ताओं की विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि क्यारी पंचायत संपूर्ण विधानसभा क्षेत्र में अपना एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। बागवानी और शिक्षा के क्षेत्र में क्यारी का अपना एक मुकाम रहा है। विकास कार्यों की चर्चा करते हुए उन्होंने बताया कि पिछले 2 वर्षों में राज्य सरकार ने विकास के नये आयाम स्थापित किए हैं।

उन्होंने बताया कि इसी दृष्टि से जुब्बल नावर कोटखाई में पिछले 2 वर्षों के आसपास युद्धस्तर पर सड़क निर्माण कार्य हुआ है। 2 वर्ष के कार्यकाल के दौरान क्षेत्र की 115 सड़कें पास की जा चुकी हैं और विधानसभा क्षेत्र में सर्वाधिक करीब 400 करोड़ की राशि से सड़क निर्माण के कार्य प्रगति पर है जोकि अपने आप में एक कीर्तिमान है। उन्होंने कहा कि क्यारी सड़क को स्तरोन्नत करने लिए 5 करोड़ रूपये की राशि स्वीकृत की गई है। जिसका कार्य शीघ्र आरंभ कर दिया जाएगा। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय क्यारी के भवन की मरम्मत के लिए 15 लाख रुपए की राशि स्वीकृत की जा चुकी है।

घयाल क्षेत्र की सड़कें होंगी पक्का

शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने यह भी कहा कि घयाल क्षेत्र की सभी सड़कों को जल्द से जल्द पक्का किया जाएगा ताकि क्षेत्र के लोगों को इन सड़कों का लाभ मिल सके। स्थानीय लोगों द्वारा सामुदायिक भवन की मांग पर उन्होंने कहा कि इस कार्य के लिए जल्द से जल्द भूमि चयनित कर के इसका निर्माण कार्य भी शुरू कर दिया जाएगा।

उठाऊ पेयजल योजना का कार्य तेज

शिक्षा मंत्री ने कहा कि क्षेत्र के लिए पब्बर नदी से 38 करोड़ की लागत से निर्माणाधीन उठाऊ पेयजल योजना का निर्माण कार्य युद्ध स्तर पर जारी है जिसका निर्माण कार्य 30 जून तक पूर्ण किया जाएगा। इस योजना से क्षेत्र की 23 पंचायतें लाभान्वित होंगी। इस योजना से न केवल पेयजल की समस्या से राहत मिलेगी।

मां के जयकारों से गूंजा श्री नयना देवी मंदिर

चैत्र नवरात्र पर मंदिर में लगा भक्तों का तांता, 20000 श्रद्धालुओं ने किए मां के दर्शन

अनंत ज्ञान, श्री नयना देवी जी

प्रसिद्ध शक्तिपीठ श्री नयना देवी जी में दूसरे नवरात्र पर भक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा। माता के दरबार में लगभग 20,000 श्रद्धालुओं ने दर्शन किए और माता का आशीर्वाद प्राप्त किया। श्रद्धालुओं ने माता ब्रह्मचारिणी के दिव्य स्वरूप की पूजा-अर्चना कर अपने परिवार की सुख-समृद्धि और कल्याण की कामना की। मंदिर में सुबह से ही श्रद्धालुओं की लंबी कतारें मंदिर के प्रवेश द्वार से लेकर मुख्य गर्भगृह तक देखने को मिलीं। पंजाब, हिमाचल, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश और बिहार सहित अन्य प्रदेशों से भी भारी संख्या में भक्त माता के दरबार में हाजिरी लगाने पहुंचे।

भक्तों ने प्राचीन हवन कुंड में आहुतियां डालकर विधिपूर्वक पूजा-अर्चना की। मंदिर प्रशासन श्रद्धालुओं की सुविधाओं को लेकर पूरी तरह सतर्क है। मंदिर के सहायक सुरक्षा इंचार्ज महेंद्र सिंह ने बताया कि सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। भक्तों को सुचारू रूप से लाइन में लगाकर माता के दर्शन करवाए जा रहे हैं, ताकि भीड़ को नियंत्रित किया जा सके। उन्होंने श्रद्धालुओं से अपील की कि वे सुरक्षा कर्मियों के निर्देशों का पालन करें और संयम बनाए रखें। पंजाब से आए श्रद्धालु राम और राघव ने बताया कि वे हर वर्ष नवरात्रों के दौरान माता के दर्शन के लिए श्री नयना देवी जी मंदिर आते हैं। उन्होंने कहा, 'माता जी का आशीर्वाद हमें शक्ति और नई ऊर्जा प्रदान करता है। हमारी सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं, इसलिए हम यहां हर साल हाजिरी लगाते हैं।' मंदिर प्रशासन और स्थानीय प्रशासन ने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विशेष इंतजाम किए हैं। मंदिर परिसर में स्वच्छता बनाए रखने के लिए सफाई कर्मियों की अतिरिक्त टीमें लगाई गई हैं। श्रद्धालुओं के लिए जलपान और चिकित्सा सेवाएं भी उपलब्ध कराई गई हैं।

श्रद्धालुओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पुलिस बल को तैनात किया गया है। सीसीटीवी कैमरों की मदद से पूरे मंदिर परिसर पर नजर रखी जा रही है। पुलिस और होमगार्ड के जवान लगातार गश्त कर रहे हैं ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके। मंदिर प्रशासन को उम्मीद है कि आने वाले दिनों में श्रद्धालुओं की संख्या और अधिक बढ़ेगी। भक्तों की बढ़ती संख्या को देखते हुए प्रशासन और सुरक्षा बल अलर्ट पर हैं, ताकि सभी को सुगम और सुरक्षित दर्शन कराए जा सकें।

मां से सुख-समृद्धि की दुआ मांग रहे भक्तजन

श्री नयना देवी जी मंदिर नवरात्रों के दौरान भक्तों की आस्था और श्रद्धा का प्रमुख केंद्र बन जाता है। भक्तों की मनोकामनाओं को पूरा करने वाली माता के प्रति लोगों की अगाध श्रद्धा है। भक्तगण माता के चरणों में शीश नवाकर अपने परिवार की सुख-समृद्धि की कामना करते हैं। इस पावन अवसर पर पूरे मंदिर परिसर में भक्तिमय माहौल बना हुआ है और 'जय माता दी' के जयघोष से वातावरण गूंज रहा है।

त्रिलोक जम्वाल ने पेयजल समस्या को लेकर घेरी सरकार

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर। सदर के विधायक त्रिलोक जम्वाल ने पेयजल समस्या को लेकर प्रदेश सरकार को आड़े हाथों लिया है। उन्होंने कहा कि गर्मी का मौसम शुरू होने से पहले ही लोगों को पानी के संकट से जूझना पड़ रहा है। बिलासपुर शहर समेत सदर विधानसभा क्षेत्र के कई इलाकों में लोगों के घरों में लगे नलों में नाममात्र पानी आ रहा है। कई स्थानों पर तो तीसरे-चौथे दिन पानी की आपूर्ति हो रही है। लोगों को मजबूरन जेब से पैसे खर्च करके पानी के टैंकर खरीदने पड़ रहे हैं। जब गर्मी के मौसम की शुरुआत में ही यह हाल है तो आने वाले दिनों स्थिति का अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है। बेहतर होगा कि इससे निपटने के लिए समय रहते ठोस कदम उठाए जाएं। पिछले साल भी पेयजल समस्या गर्मी के मौसम से पहले ही शुरू हो गई थी। बरसात के मौसम में बारिश भी अपेक्षाकृत कम हुई थी, जिसकी वजह से सर्दियों में भी पानी का संकट लोगों को सताता रहा। बावजूद इसके सरकार ने समस्या के समाधान के लिए जरा भी गंभीरता नहीं दिखाई। गर्मी का मौसम दोबारा शुरू हो रहा है। इसकी शुरुआत में ही लोगों के घरों में लगे नल कई-कई दिनों तक सूखे रह रहे हैं। कई स्थानों पर तीसरे-चौथे दिन पानी मिल रहा है।

कांग्रेस सरकार के कुशासन से जनता परेशान: गर्ग

अनंत ज्ञान, घुमारवीं। कसारू पंचायत के कसारू गांव में जन संपर्क करते हुए पूर्व खाद्य आपूर्ति मंत्री राजेंद्र गर्ग ने कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला किया। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश की जनता कांग्रेस के कुशासन से त्रस्त हो चुकी है और सवा दो सालों में ही प्रदेश सरकार के खिलाफ आवाज उठाने को मजबूर हैं। लोग कांग्रेस शासन से तंग हो गए हैं। पूर्व मंत्री राजेंद्र गर्ग उपस्थित लोगों को संबोधित कर रहे थे। गर्ग ने आरोप लगाया कि प्रदेश में भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद चरम पर है। विकास कार्य पूरी तरह से ठप पड़े हैं और जनता को झूठे वादे कर गुमराह किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि महिलाओं, युवाओं, किसानों समेत हर वर्ग को कांग्रेस सरकार ने धोखा दिया है। गर्ग ने कहा कि कानून व्यवस्था की स्थिति बिगड़ चुकी है। प्रदेश में हत्या, लूटपाट, बलात्कार और महिलाओं के शोषण जैसी घटनाएं आम हो गई हैं, जिससे हिमाचल की छवि धूमिल हो रही है। नशे का व्यापार पूरे प्रदेश में फैल चुका है। आए दिन गोलीबारी और हिंसक घटनाएं हो रही हैं, खनन माफिया व वन माफिया बेखौफ होकर प्रदेश की संपदाओं को लूट रहा है और कांग्रेस सरकार की ओर से किसी भी प्रकार की रोक-टोक नहीं है।

नलवाड़ी मेले में दुकानदारों की अनदेखी : रोशन

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर। जिला भाजपा के पूर्व प्रवक्ता रोशन ठाकुर ने नलवाड़ी मेले में व्यापारी वर्ग के हितों की अनदेखी का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि इस मेले में ठेकेदारी प्रथा हावी हो गई है, जबकि प्रशासन की ओर से कोई विशेष गंभीरता नहीं दिखाई जा रही है। सोमवार को सर्किट हाउस बिलासपुर में आयोजित प्रेसवार्ता में रोशन ठाकुर ने कहा कि नलवाड़ी मेला अब जनता का न रहकर पूरी तरह से व्यावसायिक मेले में बदल गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि मेले के नाम पर दुकानदारों से अवैध वसूली की जा रही है। यह मेला 17 मार्च से 23 मार्च तक निर्धारित था। बावजूद इसके छोटे रेहड़ी-फड़ी वालों से अब भी राशि वसूली जा रही है, जोकि अन्यायपूर्ण है। रोशन ठाकुर ने कहा कि इस ऐतिहासिक मेले की परंपरा को बदला जा रहा है। यह मेला पहले पशु मेले के रूप में जाना जाता था, लेकिन अब पशुओं की भागीदारी नगण्य हो गई है। उन्होंने कहा कि यह मेला अब केवल कमाई का साधन बनकर रह गया है और आम जनता को इस तरह की मनमानी के खिलाफ आगे आना चाहिए। उन्होंने कहा कि पहले मेलों का आयोजन जनता की भागीदारी के साथ किया जाता था, लेकिन अब इनका पूरी तरह व्यावसायीकरण हो चुका है। उन्होंने प्रशासन से आग्रह किया कि मेले की मूल परंपरा को बनाए रखते हुए व्यापारियों और आम जनता के हितों की रक्षा की जाए।

सेवानिवृत्ति पर लाल चंद को दी विदाई पार्टी

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर। पशु पालन विभाग में 27 वर्ष के सेवाकाल के बाद परिचारक पद से सेवानिवृत्त हुए लाल चंद की सेवानिवृत्ति के उपलक्ष्य में सोमवार को विदाई समारोह का आयोजन किया गया। जिला मुख्यालय स्थित पशु पालन विभाग के उपनिदेशक कार्यालय में पशु पालन परिचारक कर्मचारी महासंघ के जिला अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार की अध्यक्षता में आयोजित समारोह में पशु औषधालय कोठीपुरा से सेवानिवृत्त हुए लाल चंद को उपहार के रूप में बल्टोही (खाना पकाने का पीतल का बड़ा व भारी बर्तन) भेंट की गई। विभाग के उप निदेशक डॉ. विनोद कुंदी ने समारोह में विशेष तौर पर उपस्थिति दर्ज करवाई। उप निदेशक समेत अन्य कर्मचारियों ने लालचंद के सेवाकाल की सराहना करते हुए उन्हें स्वस्थ व खुशहाल जीवन के लिए शुभकामनाएं दी। इस मौके पर संघ के सचिव छबीलदास, उपाध्यक्ष राजेश, कोषाध्यक्ष रमेशचंद, मुख्य सलाहकार संजीव शर्मा तथा सदस्य राजकुमार, रामपाल, चमन लाल, सुरेंद्रपाल, सतीश, कृष्णी देवी, विजयराम, बालक राम, रणजीत, नंदलाल, देवेंद्र व सत्या देवी आदि भी मौजूद थे।

करलोटी में 30 लोगों ने किया रक्तदान

अनंत ज्ञान, घुमारवीं। भगेड़ (बिलासपुर) दरिद्र नारायण कल्याण समिति इकाई घुमारवीं की ओर से गत दिवस ग्राम पंचायत करलोटी में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर लगाया गया। यह शिविर ग्राम पंचायत करलोटी की टीम के सहयोग से लगाया, जिसमें 30 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। इस दौरान क्षेत्र के रक्तदाताओं ने बढ़-चढ़कर शिविर में भाग लिया। समिति के अध्यक्ष शहजाद सिंह चौहान ने बताया कि समिति की ओर से समय-समय पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाता है। रक्तदाताओं में सतनाम सिंह और मनोज कुमार ने 12वीं बार, पंकज कुमार ने 9वीं बार, अंकुर सोनी ने सातवीं बार, कपिल देव ने छठी बार रक्तदान किया।

डॉ. नित्तम चंदेल ने डिजिटल भुगतान पर अमेरिका में प्रस्तुत किया शोध

नीरज शर्मा, घुमारवीं

राजकीय महाविद्यालय घुमारवीं के पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन विभाग में कार्यरत एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. नित्तम चंदेल ने अमेरिका में आयोजित एक प्रतिष्ठित सम्मेलन में डिजिटल भुगतान पर अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया। यह सम्मेलन अमेरिकन सोसाइटी फॉर पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन द्वारा वॉशिंगटन डी.सी. में आयोजित किया गया था। डॉ. चंदेल ने 'डिजिटल गवर्नेंस और वित्तीय समावेशन में प्रौद्योगिकी की परिवर्तनकारी भूमिका: भारत में डिजिटल भुगतान का अध्ययन' विषय पर अपने शोध निष्कर्ष साझा किए। उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में भारत रीयल-टाइम डिजिटल भुगतान प्रणालियों को अपनाने में अग्रणी देश बन चुका है। भारत सरकार के डिजिटल इंडिया कार्यक्रम और यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस जैसी क्रांतिकारी पहलों ने देश को इस क्षेत्र में शीर्ष स्थान पर पहुंचाया है। डॉ. चंदेल के अनुसार, 2023 में भारत में 130 बिलियन से अधिक रीयल-टाइम ट्रांजेक्शन किए गए, जो वैश्विक मात्रा का लगभग 49 प्रतिशत है। मौजूदा समय में कुल लेनदेन का 54 प्रतिशत और ई-भुगतान का 85 प्रतिशत रीयल-टाइम में होता है। यह दर्शाता है कि भारतीय उपभोक्ताओं की रुचि डिजिटल भुगतान की ओर लगातार बढ़ रही है। अगले पांच वर्षों में यह प्रवृत्ति प्रति वर्ष 13-14 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी, जिससे कागज आधारित लेनदेन घटकर मात्र 20 प्रतिशत से कम रह जाएगा। यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस जैसी तकनीकी नवाचारों ने रीयल-टाइम ट्रांजेक्शन को सस्ता, तेज और अधिक सुलभ बना दिया है। इससे भारत में कैशलेस अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिला है और देश डिजिटल भुगतान के क्षेत्र में चीन, ब्राजील, थाईलैंड, दक्षिण कोरिया, अमेरिका और अन्य विकसित राष्ट्रों से आगे निकल गया है। डिजिटल भुगतान प्रणाली ने भारत में वित्तीय समावेशन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। इसके माध्यम से न केवल आम जनता को सुरक्षित और सुविधाजनक लेनदेन की सुविधा मिली है, बल्कि भारतीय रुपये के अंतरराष्ट्रीयकरण की संभावनाएं भी मजबूत हुई हैं। (अनंत ज्ञान)

समाजसेवा प्रथम स्थापना दिवस पर यातायात नियमों को लेकर चलाया जागरूकता अभियान

अन्वेदा सेवा फाउंडेशन ने एम्स में बांटे फल

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर

अन्वेदा सेवा फाउंडेशन ने सोमवार को अपने प्रथम स्थापना दिवस के अवसर पर एम्स बिलासपुर परिसर में फल वितरण किया और यातायात नियमों को लेकर जागरूकता अभियान चलाया।

इस दौरान यातायात प्रभारी कुलदीप एवं उनकी टीम विशेष रूप से उपस्थित रही और उन्होंने लोगों को सड़क सुरक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। यातायात नियमों के प्रति जागरूक करते हुए कुलदीप ने अपील की कि दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट और चारपहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट का प्रयोग अनिवार्य रूप से करें। साथ ही गाड़ी चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग न करने की सलाह दी गई। फाउंडेशन की निदेशक अनुपमा अग्रवाल और वेदांशी अग्रवाल ने बताया कि संगठन का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना और वुमन हेल्थ को लेकर जागरूकता फैलाना है। इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए जागरूकता शिविरों का आयोजन किया जाएगा, ताकि महिलाओं को स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां मिल सकें। उन्होंने कहा कि जागरूकता की कमी के कारण महिलाएं कई गंभीर बीमारियों का शिकार हो जाती हैं, जिसे रोकने के लिए फाउंडेशन व्यापक स्तर पर कार्य करेगा। फाउंडेशन जिला स्तर पर ही नहीं, बल्कि पूरे प्रदेश और अन्य राज्यों में भी सामाजिक कार्यों को आगे बढ़ाएगा।

प्रदेश सहित अन्य राज्यों में भी सामाजिक कार्य कर रही संस्था

इस अवसर पर अन्वेदा सेवा फाउंडेशन के पदाधिकारी डिंपल जमवाल, एसएस जम्वाल, विक्रांत महाजन, शेखर अग्रवाल सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

लंदन में तनिशवी ठाकुर ने गद्दी दुल्हन की पारंपरिक पोशाक और गद्दियाली संस्कृति पर आधारित शोध पत्र किया पेश

भरमौर की बेटी ने गदियाली संस्कृति को विश्वभर में दिलाई पहचान

ओपी शर्मा, भरमौर

भरमौर की बेटी तनिशवी ठाकुर ने लंदन में गद्दी दुल्हन की पारंपरिक पोशाक और गद्दियाली संस्कृति पर आधारित अपना शोध पत्र प्रस्तुत कर हिमाचल प्रदेश की समृद्ध परंपराओं को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाई है। इसमें भरमौर की गदियाली संस्कृति सबसे ज्यादा आकर्षण का केंद्र रही। ब्रिटेन के प्रतिष्ठित हैलैंडर फैशन सम्मेलन 2024 में आयोजित इस कार्यक्रम में दुनियाभर के शोधार्थियों ने भाग लिया। तनिशवी ने अपने शोध पत्र में 'गद्दी दुल्हन की पारंपरिक पोशाक का विकास वैश्वीकरण और सांस्कृतिक एकीकरण का प्रभाव' विषय पर प्रकाश डाला। इस सम्मेलन में शोध प्रस्तुत करने के लिए विश्वभर से चुनिंदा शोधार्थियों को आमंत्रित किया गया था, जिसमें भरमौर की बेटी तनिशवी ठाकुर का चयन होना गर्व की बात है।

भरमौर की बेटी तनिशवी ठाकुर ने लंदन में गद्दी दुल्हन की पारंपरिक पोशाक और गद्दियाली संस्कृति पर आधारित अपना शोध पत्र प्रस्तुत कर हिमाचल प्रदेश की समृद्ध परंपराओं को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाई है।

भरमौर के रजौर गांव की रहने वाली तनिशवी ठाकुर प्रसिद्ध 'खिन्नू' गीत के गायक और सेवानिवृत्त मुख्य अभियंता रुमेल सिंह की पुत्री हैं। उन्होंने अपने शोध में गद्दियाली संस्कृति की विशेषताओं और पारंपरिक पोशाक के ऐतिहासिक महत्व को विस्तार से समझाया। तनिशवी का मानना है कि गद्दी परिधान और परंपराएं केवल एक वेशभूषा नहीं हैं, बल्कि यह हिमाचली समुदाय की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और पहचान का अभिन्न हिस्सा हैं। उन्होंने यह भी बताया कि वैश्वीकरण के दौर में पारंपरिक पहनावे और रीति-रिवाजों को संरक्षित करना आवश्यक है, ताकि हमारी अद्वितीय सांस्कृतिक धरोहर आने वाली पीढ़ियों तक पहुंच सके।

अनंत ज्ञान

तनिशवी का शैक्षणिक और पेशेवर सफर

तनिशवी ने निफ्ट कांगड़ा से फैशन डिजाइनिंग में स्नातक और निफ्ट मुंबई से मास्टर डिग्री पूरी की है। वर्तमान में वे अहमदाबाद विश्वविद्यालय में विजिटिंग प्रोफेसर के रूप में कार्यरत हैं। इसके अलावा, वे गुजरात में असिस्टेंट प्रोफेसर के रूप में भी अपनी सेवाएं दे रही हैं। उनका यह शोध पत्र 2025 में प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिका में प्रकाशित होने जा रहा है। तनिशवी की इस उपलब्धि से न केवल भरमौर बल्कि पूरे हिमाचल का नाम रोशन हुआ है। उन्होंने इस सफलता का श्रेय अपने माता-पिता और भरमौर की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को दिया।

गद्दी संस्कृति को मिलेगा नया मंच

तनिशवी ने अपने शोध पत्र के माध्यम से यह संदेश दिया कि पारंपरिक पोशाक और संस्कृति को आधुनिक डिजाइन और वैश्विक मंच पर पहचान दिलाने की जरूरत है। वे आगे भी हिमाचल की लोक वेशभूषा और गद्दियाली परंपराओं पर शोध कार्य जारी रखने की योजना बना रही हैं।

नाबालिग से होटल में दुष्कर्म 26 साल का आरोपी गिरफ्तार

अनंत ज्ञान, शिमला

हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में एक नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म का मामला दर्ज हुआ है। पीड़िता की मां ने न्यू-शिमला थाना में शिकायत दर्ज करवाई है कि नितिन (26) निवासी कंडाघाट जिला सोलन उनकी 14 वर्षीय बेटी को बहला-फुसलाकर एक होटल में ले गया और वहां उसकी सहमति के बिना उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए।

शिकायत के आधार पर न्यू-शिमला पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 64, 65 (1) बी (बलात्कार) और पॉक्सो एक्ट की धारा 4 के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तुरंत जांच शुरू कर दी और आरोपी नितिन को गिरफ्तार कर लिया। डीएसपी सिटी बिक्रम ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और कोर्ट में पेश किया जाएगा। बता दें कि शिमला में एक 14 साल की नाबालिग के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। नाबालिग की मां ने न्यू-शिमला थाना में शिकायत दर्ज करवाई। जिसके बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

श्री जय कृष्ण गिरि सरस्वती विद्या मंदिर मैहला का परिणाम शानदार

अनंत ज्ञान, चंबा

श्री जय कृष्ण गिरि सरस्वती विद्या मंदिर मैहला ने एक बार फिर शैक्षणिक उत्कृष्टता की मिसाल कायम करते हुए सत्र 2024-25 का वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित किया। इस प्रतिष्ठित संस्थान ने अपनी शानदार परंपरा को बरकरार रखते हुए शत-प्रतिशत परीक्षा परिणाम दर्ज किया, जिससे विद्यालय और अभिभावकों में हर्ष की लहर दौड़ गई। विद्यालय प्रांगण में आयोजित इस विशेष कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और मातृ वंदना के साथ हुई। कार्यक्रम की गरिमा को बढ़ाने के लिए विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष प्रकाश कश्मीरी, संरक्षक एलआर ठाकुर, प्रबंध समिति सदस्य मनोज जसरोटिया, प्रधानाचार्य बीआर शर्मा एवं सैकड़ों अभिभावकों की उपस्थिति रही। विद्यालय ने प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च कक्षाओं में अव्वल रहने वाले छात्रों को सम्मानित किया, जिन्होंने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर शिक्षा के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। विद्यालय के प्रधानाचार्य बीआर

स्कूल के सभी विद्यार्थियों ने किया बेहतरीन प्रदर्शन

शर्मा और प्रबंध समिति अध्यक्ष श्री प्रकाश कश्मीरी जी ने छात्रों की इस अद्वितीय उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि यह सफलता न केवल उनकी मेहनत का परिणाम है, बल्कि शिक्षकगण एवं अभिभावकों के मार्गदर्शन और सहयोग का भी साक्षी है। कार्यक्रम का समापन शांति मंत्र के साथ हुआ, जिसमें पूरे विद्यालय परिवार ने एकजुट होकर शिक्षा और संस्कारों की इस गौरवमयी परंपरा को और आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। यह सफलता केवल परीक्षा में अच्छे अंक लाने की नहीं, बल्कि शिक्षा के प्रति समर्पण और संस्कारों की सशक्त नींव का प्रमाण है। श्री जय कृष्ण गिरि सरस्वती विद्या मंदिर, मैहला ने एक बार फिर सिद्ध कर दिया कि शिक्षा का असली उद्देश्य केवल ज्ञान अर्जित करना नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण और उज्ज्वल भविष्य की नींव रखना है।

वक्फ बोर्ड बिल के खिलाफ मुस्लिम समुदाय का विरोध, चंबा में हर्षोल्लास से मनाई ईद उल-फितर

नमाज अदा कर मांगी अमन-चैन, खुशहाली की दुआ

हाशु शेख, चुराह

चंबा जिले के चुराह उपमंडल के बढ़नोता के गांव चिड़ोग में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने ईद उल फितर की नमाज अता की। इस अवसर पर दूरदराज के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग एकत्रित हुए और देश की शांति, समृद्धि और भाईचारे के लिए दुआ की। इस पावन अवसर पर सभी ने मिलकर समाज में अमन, शांति और एकता की भावना को और मजबूत करने का संकल्प लिया। ईद न सिर्फ खुशियों का पर्व है, बल्कि यह प्रेम, सौहार्द और एकता का संदेश भी देता है।

ईद की नमाज के बाद मुस्लिम समुदाय ने वक्फ बोर्ड बिल संशोधन के खिलाफ कड़ा विरोध दर्ज कराया। मौलाना रोशन दिन कासमी ने इस बिल को मुस्लिम समुदाय के धार्मिक और सामाजिक अधिकारों के खिलाफ करार देते हुए कहा कि सरकार को इसे हर हाल में वापस लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस बिल में वे निजी संपत्तियां शामिल की गई हैं, जो मुस्लिम समुदाय द्वारा स्वेच्छा से मस्जिदों और मदरसों के निर्माण के लिए दान की गई थीं।

धार्मिक और सामाजिक स्वायत्तता को प्रभावित करता है, जिसे किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं किया जाएगा। ईद के इस पवित्र मौके पर लोगों ने आपसी प्रेम और एकता बनाए रखने की अपील की। नमाज के बाद समुदाय के लोगों ने एक-दूसरे को गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी और मिठाइयां बांटी। यह पर्व सिर्फ एक धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि सामाजिक सौहार्द, शांति और आपसी भाईचारे का प्रतीक है।

हम गंगा-जमुनी तहजीब के वाहक, हमेशा सभी के साथ बनाए रखते भाईचारा: शाह

अनंत ज्ञान, चंबा

चंबा की ऐतिहासिक जामा मस्जिद में प्रसिद्ध इस्लामिक विद्वान डॉ. इसरार शाह और अन्य मुस्लिम समुदाय के सदस्यों से अनंत ज्ञान के रिपोर्टर ने बातचीत की। इस दौरान डॉ. इसरार शाह ने कहा कि 'हम गंगा-जमुनी तहजीब के वाहक हैं और हमेशा सभी के साथ भाईचारा बनाए रखते हैं।' उन्होंने बताया कि ईद-उल-फितर का असली अर्थ सिर्फ उत्सव मनाना नहीं, बल्कि समाज के गरीब और जरूरतमंद लोगों की मदद करना है। उन्होंने समझाया कि 'फितर' का मतलब दान देना और समाज में योगदान करना है। यह पर्व हमें अपने आस-पास के जरूरतमंद लोगों की सहायता करने और समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर चलने की सीख देता है।

डॉ. इसरार शाह ने अपने समुदाय की तरक्की पर जोर देते हुए कहा कि यदि हमें आगे बढ़ना है तो शिक्षा और करियर विकास को प्राथमिकता देनी होगी। उन्होंने बताया कि उनकी संस्था और स्थानीय समुदाय शिक्षा को बढ़ावा देने, युवाओं के लिए नए अवसर पैदा करने और जरूरतमंदों की सहायता करने के लिए लगातार काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ईद का यह त्योहार केवल खुशियां मनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह अवसर है दूसरों की मदद करने और समाज में समानता व भाईचारे को बढ़ावा देने का है।

कृष्ण वर्मा ने 'पिंक प्लाजो' गाने पर नचाए दर्शक

हिमाचली लोक गायक ने तीसरी स्टार नाइट में खूब मचाया धमाल

अनंत ज्ञान, सरकाघाट

हिमाचली लोक गायक कृष्ण वर्मा ने एक से बढ़कर एक धमाकेदार गाने पेश करके तीसरी स्टार नाइट में खूब धमाल मचाया और पंडाल में बैठे दर्शक थिरकने के लिए विवश हो गए। इससे पूर्व तीसरी सांस्कृतिक संध्या का आगाज 'वॉयस ऑफ सरकाघाट' प्रतियोगिता के साथ हुआ, जिसमें सभी प्रतिभागियों अपना पूरा दम दिखाते हुए खिताब जितने के लिए एक-दूसरे को कड़ी टक्कर दी।

वहीं प्रतियोगिता के प्रत्येक राउंड के बाद संगीत व नृत्य प्रस्तुतियां भी हुईं। जिसमें जावेद अहमद, ममता, गिरिशा शर्मा ने लोकप्रिय गाने गाकर व दिक्षित आर्या, सुर्यांशी, आंचल ने अपने नृत्य से दर्शकों का खूब मनोरंजन किया। इनके साथ सांस्कृतिक संध्या में राजेंद्र वर्मा और कुलभूषण ने भी अपने गीतों से दर्शकों को झुमने पर मजबूर कर दिया। सांस्कृतिक संध्या में चंदू राम प्रेमी पूर्व अध्यक्ष जिला परिषद ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। जिला परिषद सदस्य मुनीष शर्मा, उपाध्यक्ष जिला कांग्रेस जीवन लाल गुप्ता और महासचिव जिला कांग्रेस रितेश ठाकुर ने मुख्यतिथि स्वागत किया।

सांस्कृतिक संध्या के स्टार कलाकार कृष्ण वर्मा ने भारत माता का जयकारा लगाकर अपनी प्रस्तुति शुरू की तथा पिंक प्लाजो, मेरी जिंदगी तेरी मुठी जैसे गीत गाकर दर्शकों को झुमाया। उन्होंने दर्शकों की फरमाइश के भी कई पसंदीदा गीत सुनाए। इससे पहले कुलभूषण और राजेन्द्र वर्मा की सुरीली आवाज ने भी खूब वाहवाही बटोरी।

युवा संसद में चंबा के युवाओं ने बढ़ाया जिले का मान

अनंत ज्ञान, चंबा

शिमला में केंद्रीय युवा एवं खेल मंत्रालय तथा नेहरू युवा केंद्र हिमाचल प्रदेश द्वारा ऐतिहासिक गेयटी थिएटर, शिमला में आयोजित 'विकसित भारत युवा संसद 2025' राज्य स्तरीय कार्यक्रम में हिमाचल प्रदेश के युवाओं ने शानदार प्रदर्शन किया। इस प्रतिष्ठित मंच पर जिला चंबा के आठ प्रतिभाशाली युवा भवानी ठाकुर, अर्पित जरियाल, दीक्षित गुप्ता, दीक्षा, सुप्रिया, अनूप, विवेक और राधिका ने अपने चंबा जिले का प्रतिनिधित्व किया और अपनी विचारधारा प्रस्तुत की।

चंबा के इन होनहार युवाओं ने इस ऐतिहासिक मंच पर अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि यह उनके लिए गर्व और सम्मान का क्षण था कि उन्हें हजारों युवाओं के बीच अपने जिले का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिला। उन्होंने केंद्रीय सरकार के इस सराहनीय प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि यह मंच युवाओं को राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका तय करने और अपने विचार व्यक्त करने का एक स्वर्णिम अवसर प्रदान करता है।

युवा संसद के दौरान 'विकसित भारत 2047' विषय पर गहन चर्चा हुई, जिसमें युवाओं ने भारत के भविष्य में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका को समझा और विभिन्न जिलों से आए प्रतिभागियों के दृष्टिकोणों को जाना। इस आयोजन में युवाओं को राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला से मिलने का भी गौरव प्राप्त हुआ। महामहिम ने अपने प्रेरणादायक संबोधन में कहा कि देश की प्रगति में सबसे महत्वपूर्ण योगदान युवा शक्ति का ही होगा। उनके विचारों ने युवाओं के मन में राष्ट्रसेवा का नया जोश भर दिया। कार्यक्रम के समापन समारोह में न्यायमूर्ति विवेक ठाकुर जी ने भी युवाओं को संबोधित करते हुए उनके अंदर राष्ट्रप्रेम और समाजसेवा की भावना को और अधिक प्रबल किया। वहीं चंबा जिले के प्रतिभागियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि इस कार्यक्रम से उन्हें न केवल नई सीख मिली, बल्कि प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए युवाओं के साथ विचार-विमर्श करने का अनमोल अवसर भी मिला। उन्होंने सरकार द्वारा ऐसे कार्यक्रमों में किए जा रहे निवेश की सराहना करते हुए कहा कि इसका सकारात्मक परिणाम तभी आएगा जब देश और प्रदेश का हर युवा 'राष्ट्र प्रथम' की भावना से कार्य करेगा।

कार्यालय एवं न्यायालय ग्राम पंचायत पीहड़ बेदलू विकास खंड चौन्तड़ा जिला मंडी हि.प्र.

प्रस्ताव सं. 07 :-वित्त वर्ष 2025-26 के लिए निर्माण सामग्री की निविदाएं आमंत्रित करने बारे:-

यह है पंचायत की मासिक बैठक में प्रस्ताव लाया गया कि ग्राम पंचायत पीहड़ बेदलू में वित्त वर्ष 2025-26 बारे विभिन्न विकासात्मक कार्यों हेतु निम्न सामग्री की निविदाएं आमंत्रित करती है। सामग्री का विवरण इस प्रकार से है: -रेत/बजरी प्रति घन मीटर 10, 20, 40, 60, 85 एम , बोल्डर प्रति क्यूबिक फीट, कट स्टोन प्रति नंबर, शटरिंग प्रति स्क्वेयर फुट/प्रति रनिंग मीटर, सीमेंट किराया प्रति बैग/ईंटें प्रति नंबर, जेसीबी प्रति घंटा, दरवाजे खिड़की/बोर्ड/टाईलें। नियम व शर्तें:- सप्लायर के पास जीएसटी नंबर एवं एम फार्म होना चाहिए। जिस गाड़ी में आपूर्ति की जाएगी उसकी आरसी की कॉपी साथ लाए। सप्लायर की सामग्री कम होने पर और सामग्री समय पर न देने पर निविदा ग्राम पंचायत पीहड़ बेदलू द्वारा रद्द कर सकती हैं। आवेदक दिनांक 03.04.2025 तक पंचायत कार्यालय पीहड़ बेदलू में स्वयं या डाक के माध्यम से शाम 5 बजे तक उपरोक्त सामग्री की सप्लाई हेतु आवेदन कर सकती है। निविदाएं पंचायत पीहड़ बेदलू में दिनांक 04.04.2025 को कार्यालय ग्राम पंचायत पीहड़ बेदलू 11 बजे पंचायत प्रतिनिधियों की उपस्थिति में खोली जाएगी। जिसकी निविदा पास होगी उसे रु. 50000/- पचास हजार की अग्रिम राशी एफडी ग्राम पंचायत के नाम जमा करवानी होगी तथा 1000/-रु. (अप्रतिदेय)पंचायत में जमा करवाना होगा।

प्रधान/सचिव
ग्राम पंचायत पीहड़ बेदलू

वनाधिकार कानून खैरात नहीं लोगों का मौलिक अधिकार: गुमान सिंह

अनिल शर्मा, मंडी

हिमालय नीति अभियान समिति के संयोजक गुमान सिंह ने कहा कि वनाधिकार कानून खैरात नहीं है, यह तो लोगों का मौलिक अधिकार है। यहां पत्रकारों से बता करते हुए गुमान सिंह ने कहा कि हिमाचल प्रदेश एक पहाड़ी राज्य होने की वजह से यहां की मात्र दस प्रतिशत भूमि कृषि योग्य है। ऐसे में प्रदेश सरकार को वनाधिकार कानून लागू करना होगा। गुमान सिंह ने कहा कि इसे लागू करने के लिए पूर्व की एवं वर्तमान सरकारों ने कोई प्रयास नहीं किए। वर्तमान में वन अधिकार कानून को लागू करने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों की हिमालय नीति अभियान सराहना करता है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश के आदिवासी एवं राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी द्वारा किए जा रहे प्रयासों का सरहाना करते हैं तथा हम सभी सामाजिक कार्यकर्ता वन अधिकार कानून प्रदेश में लागू करने में उन का पूर्ण सहयोग करेंगे। उन्होंने कहा कि भौगोलिक कारणों से हिमाचल प्रदेश के किसानों के पास बहुत कम कृषि भूमि उपलब्ध रही है। इसीलिए सन् 1968 में उस समय की सरकार ने नौतोड़ भूमि देने का प्रावधान लाया, जिस में अधिकतम 20 बीघा तक

कृषि योग्य भूमि कम होने पर सरकार ने नौतोड़ का प्रावधान कर दी थी जमीनें

आवेदक किसानों को भूमि आवंटित की गई। इसके पश्चात 1980 में वन संरक्षण कानून लागू किया गया, जिस कारण नौ तोड़ के तहत पट्टे देना बंद हो गया। हजारों ही पट्टे देने की प्रक्रिया बीच में रुक गई जबकि किसान उक्त भूमि पर काबिज हो चुके थे। आज इन्हें पहले कब्जा धारी माना जा सकता है।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2002 में भाजपा सरकार ने नाजायज कब्जा नियमितिकरण के लिए नियम जारी किए, जिसके तहत एक लाख 62 हजार नियमितिकरण के आवेदन सरकार को प्राप्त हुए जो नियमित तो नहीं हो सके, उल्टे सभी आवेदकों पर नाजायज कब्जा के मुकदमे बन गए। तीसरा कारण गावों में नए घरों का निर्माण बड़े पैमाने पर हुआ जो आबादी देह से बाहर हैं । राजस्व भूमि का बंदोबस्त होने के कारण भी किसानों का वन भूमि पर दखल नाजायज कब्जा घोषित हो गया, जबकि वन संरक्षण कानून 1980 से उक्त दखल पहले नियमित हो जाते रहे हैं। गुमान सिंह ने कहा कि साठ और सत्तर के दशक में भाखड़ा और पोंग व अन्य बांधों के कारण लाखों एकड़ कृषि भूमि बिलासपुर, सोलन, उना तथा कांगड़ा जिला में डूब गई। इन विस्थापित परिवारों को हरियाणा तथा राजस्थान में पुन: स्थापित किया गया, परंतु बहुत से विस्थापित वहां गर्मी, रेगिस्तान, स्थानीय लोगों के दबाव व दूसरे कारणों से नहीं बस पाए। ये परिवार अधिकतर अपने पुराने गावों के आस पास डूब क्षेत्र से उपर वन भूमि पर बस गए। आज इन्हें भी वन भूमि पर नाजायज कब्जाधारी घोषित कर दिया गया। आज जो स्थिति बनी है उस में किसी भी वन व राजस्व कानून के तहत प्रदेश के निवासियों के उक्त कब्जों को नियमित नहीं किया जा सकता है वन अधिकार कानून में ही एक मात्र प्रावधान जिस के तहत 13 दिसंबर 2005 के पहले के कब्जों की मान्यता के अधिकार पत्र आदिवासियों व परंपरागत वन निवासियों को कानून में दिए जा सकते हैं।

अनंत ज्ञान

कार्यालय ग्राम पंचायत ब्याड़ा
विकास खंड पंचरुखी, तह. पालमपुर, जिला कांगड़ा (हि.प्र.)

निविदा सूचना

ग्राम पंचायत ब्याड़ा की बैठक में प्रधान महोदया जी ने उपस्थित सदस्यों को बताया कि वितीय वर्ष 2025-26 के लिए विभिन्न मदों से किये जाने वाले विकास कार्यों हेतु सामग्री क्रय करने के लिए निविदाएं आमंत्रित की जानी है तथा निविदाएं दिनांक 09/04/2025 को पंचायत के समक्ष 12:00 खोली जाएंगी। सामग्री का विवरण निम्न है:-

क्रं. संख्या	वस्तु का नाम	मात्रा
1	रेत क्रेशर	प्रति फुट
2	क्रेशर बजरी	प्रति फुट
3	बोल्डर	प्रति फुट
4	कट स्टोन	प्रति नं.
5	ईंट अब्बल	प्रति न.
6	ईंट दोयम	प्रति नं.
7	पत्थर फाड़ा	प्रति फुट
8	सेटरिंग फट्टा	प्रति SQFT
9	सेटरिंग प्लेट	प्रति SQFT
10	गटका	प्रति फुट
11	सीमेंट किराया लोडिंग +अनलोडिंग सहित पंचरुखी से ब्याडा पंचायत घर	प्रति बैग
12	ट्रेक्टर फेरा लोकल	प्रति K.M.
13	J.C.B	प्रति घंटा
14	बेंच	प्रति नं.
16	साईन बोर्ड	प्रति नं.
17	वाटर कूलर	प्रति नं.

नियम व शर्तें :- इच्छुक विक्रेता/फर्म के पास GST NO होना अनिवार्य है बिना GST NO के कोई भी निविदा स्वीकार्य नही होगी। निविदाएं दिनांक 08/04/2025 तक कार्यालय ग्राम पंचायत ब्याडा में केवल डाक के मध्यम से प्राप्त की जाएगी। निविदा में सभी सामग्री का मूल मूल्य व GST दर राशी अलग से दर्शाना अनिवार्य है। निविदाओं की दरे F.O.R ग्राम पंचायत ब्याडा में GST सहित होनी चाहिए। वेंडर द्वारा सामग्री बिल सहित HP MINERAL RULES 2015 के अंतर्गत आवश्यक फार्म X,Y भी प्रस्तुत करना अनिवार्य होंगे सप्लाई आर्डर मिलने के दिन दिन के भीतर सामग्री आपूर्ति करवानी होगी। विक्रेता को सिक्योरटी मनी के तौर पर 25000/- रूपये की F.D स्वरूप निविदा सहित जमा करवाने होंगे अन्यथा निविदा रद्द की जाएगी। निविदा पारित होने पर सप्लाई न देने पर विक्रेता को ग्राम पंचायत द्वारा आगामी पांच वर्षों के लिए ब्लैक लिस्टेड कर दिया जायेगा। विक्रेता को सिक्योरटी मनी के तौर पर जमा 25000/- रूपये (FD)स्वरूप वापस नही की जाएगी। किसी भी विवाद या सामग्री आपूर्ति समय पर न मिलने पर पंचायत किसी भी समय निविदा को रद्द करने हेतु सक्षम होगी।

प्रधान/सचिव, कार्यालय ग्राम पंचायत ब्याड़ा
विकास खंड पंचरुखी, तह. पालमपुर, जिला कांगड़ा (हि.प्र.)

सूडोकु नवताल- 7387

मध्यम

		8				1	5	
2					1	8		
3			4		6	7		9
5					9			
	9		2	3	4		7	
			1					8
4		7	6		5			1
		6	7					4
	5	3				2		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 गुणा 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनवृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- पहेली का केवल एक ही हल है।

सूडोकु नवताल -7386 का हल

3	9	7	5	2	1	4	8	6
5	4	2	9	6	8	7	1	3
8	6	1	3	7	4	9	5	2
2	8	9	1	5	3	6	4	7
4	7	3	2	8	6	5	9	1
6	1	5	4	9	7	2	3	8
9	3	4	7	1	2	8	6	5
7	5	6	8	3	9	1	2	4
1	2	8	6	4	5	3	7	9

अनंत ज्ञान

आज का राशिफल

बॉबी गोस्वामी, पुजारी,श्री चामुंडा नंदीकेश्वर धाम

आज का पंचांग

1 अप्रैल, 2025, मंगलवार

विक्रमी संवत : 2081, **शक संवत** :1946 (क्रोधी), **मास** : चैत्र, **तिथि** चतुर्थी (02:35): **नक्षत्र** भरणी (11:07), **पक्ष:** शुक्ल, **योग** : विषकुंभ (09:47) **शुभ मुहूर्त** : अभीजित (12:00-12:50), **राहुकाल** (03:32-05:05)।

विशेष दिन

1 अप्रैल 2025: दमनक चतुर्थी आज।

1 अप्रैल 2025: अप्रैल फूल दिवस आज।

मेष: शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी।

वृष: अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। विपरीत परिस्थितियों में भी हानि नहीं होगी।

मिथुन: व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी।

कर्क: समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होगें। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा।

सिंह: पैतृक सम्पत्ति से लाभ। मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा।

कन्या: जीवनसाथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात दूर हो जाएगी।

तुला: प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सभा-गोष्ठियों में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे।

वृश्चिक: स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की दौड़-भाग से बचें।

धनु: आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभाओं में मान-सम्मान बढ़ेगा।

मकर: लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी।

कुंभ: पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं।

मीन: धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पूरा कर लेने का दिन है।

सोचो जैसा बुद्धिमान लोग सोचते हैं, लेकिन बात वैसे करो जैसे साधारण लोग करते हैं। -अरस्तु

संपादकीय

पर्यटकों की बहार

हिमाचल में आजकल पर्यटकों की बहार आ गई है। वजह है मैदानी इलाकों खासकर पंजाब, हरियाणा, दिल्ली आदि में पड़ रही गर्मी। पर्यटक सुकून पाने के लिए हिमाचल की वादियों में दस्तक दे रहे हैं। निश्चित रूप से इससे हिमाचल की इकोनोमी को बूस्ट मिलेगा। चूंकि हिमाचल अपनी प्राकृतिक सुंदरता, पर्वतीय दृश्यों और शांतिपूर्ण वातावरण के लिए प्रसिद्ध है। यही वजह है कि पर्यटक यहां आना चाहते हैं। हाल के वर्षों में यहां पर्यटकों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी हो रही है और वर्तमान समय में यह संख्या एक महत्वपूर्ण मोड़ पर है। हिमाचल की खूबसूरती और विविधता पर्यटकों को खूब आकर्षित कर रही है। इस बढ़ती हुई पर्यटक संख्या से लाभ उठाने के लिए सुक्खू सरकार को कुछ रणनीतियों और कदमों पर ध्यान देना चाहिए। सबसे पहला कदम पर्यटन अवसंरचना को सुधारने का होगा। सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि पर्यटकों को बेहतर आवास, परिवहन और स्वास्थ्य सुविधाएं प्राप्त हों। जैसे कि पहाड़ी क्षेत्रों में सड़कों की स्थिति में सुधार, बस और टैक्सी सेवा में वृद्धि और विश्वस्तरीय होटलों और रिसॉर्ट्स का निर्माण। विशेषकर दूरदराज के क्षेत्रों में, जहां पर्यटकों का आना-जाना कठिन होता है, वहां सड़कों और यातायात के साधनों की बेहतर व्यवस्था की जानी चाहिए। हालांकि, इस दिशा में सरकार बड़ी तेजी से काम कर रही है। सरकार ने गांवों में होम स्टे योजना भी शुरू कर दी है, जिससे ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। ईको-टूरिज्म को बढ़ावा देना समय की मांग है। प्रदेश में प्राकृतिक संसाधनों की अपार मात्रा है, जिसे सही तरीके से सहेजने और इस्तेमाल करने की जरूरत है। ईको-टूरिज्म के जरिए सरकार पर्यटकों को प्राकृतिक सौंदर्य के साथ पर्यावरण के प्रति जागरूक भी कर सकती है।

इसके लिए ईको-टूरिज्म गांवों और क्षेत्रों का चयन किया जा सकता है, जहां पर्यटक प्रकृति के साथ जुड़कर वनों, झीलों और बर्फीली चोटियों का आनंद ले सकें। साथ ही, ईको-टूरिज्म से पर्यावरणीय संतुलन भी बना रहेगा। यानी एक पंथ दो काज हो जाएंगे। स्थानीय संस्कृति और कुटीर उद्योग को बढ़ावा देना भी श्रेयस्कर रहेगा। हस्तशिल्प, स्थानीय उत्पाद आदि को पर्यटन से जोड़ा जा सकता है। सरकार को यह तय करना चाहिए कि पर्यटकों को न केवल प्राकृतिक सुंदरता, बल्कि स्थानीय संस्कृति और हस्तशिल्प का भी अनुभव हो। इसके लिए सांस्कृतिक कार्यक्रमों, मेले और प्रदर्शनियों का आयोजन ज्यादा से ज्यादा करना चाहिए। स्थानीय उत्पादों की मार्केटिंग और बिक्री से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी प्रोत्साहन मिलेगा। ऑल-सीजन डेस्टिनेशन के रूप में पहचान बनानी चाहिए। अभी तक हिमाचल सिर्फ सर्दियों में ही पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए प्रसिद्ध है, लेकिन यहां के हरे-भरे बाग-बगीचे गर्मियों में भी पर्यटकों को सुखद अहसास करा सकते हैं। इसलिए, राज्य को एक ऑल-सीजन डेस्टिनेशन के रूप में पहचान बनाने की दिशा में काम करना चाहिए। सर्दियों के अलावा गर्मियों में भी एडवेंचर टूरिज्म, ट्रैकिंग, कैंपिंग और हिल रिसॉर्ट्स के अवसर मिलें तो पर्यटक यहां से जाने का नाम ही न लें। स्थानीय सुरक्षा और स्वच्छता तो नितांत आवश्यक है।

पर्यटकों के अनुभव को और बेहतर बनाने के लिए हिमाचल सरकार को स्वच्छता और सुरक्षा के मामले में कड़ी नीतियां अपनानी चाहिए। पर्यटकों के लिए साफ-सुथरे पर्यावरण का होना आवश्यक है। इसके लिए गाइडलाइंस और स्वच्छता अभियानों का संचालन किया जा सकता है। चूंकि हिमाचल में एडवेंचर, धार्मिक, सांस्कृतिक और स्वास्थ्य पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं, इसलिए इनका दोहन जितना हो सके करते रहना चाहिए। इन सभी प्रकार के पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सरकार को योजनाएं बनानी चाहिए। एडवेंचर पर्यटन में ट्रैकिंग, रिवर राफ्टिंग पैराग्लाइडिंग को ज्यादा तवज्जो दी जानी चाहिए। धार्मिक पर्यटन से भी प्रदेश की आर्थिकी को संबल प्रदान किया जा सकता है। इस नेक काम में प्रदेश के कई प्रमुख मंदिर, गुरुद्वारे और अन्य धार्मिक स्थल महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं, बशर्ते यहां आने वाले श्रद्धालुओं को सुविधाएं मयस्सर हों। विशेष पर्यटक पैकेज और प्रोमोशन के जरिए यहां पर्यटकों को आने के लिए आकर्षित किया जा सकता है। सुक्खू सरकार को विशेष पर्यटक पैकेज तैयार करने चाहिए, जिसमें सस्ती और सुविधाजनक पैकेजों का समावेश हो। इस प्रकार के पैकेजों में यात्रा, आवास, भोजन और स्थानीय पर्यटन स्थल की सैर सभी शामिल हो सकती हैं। इसके साथ ही, हिमाचल प्रदेश के पर्यटन स्थलों का प्रचार विशेष रूप से नए और कम प्रसिद्ध स्थलों पर किया जा सकता है, ताकि पर्यटक अधिक क्षेत्रों का भ्रमण करें और भीड़-भाड़ से बच सकें। पर्यटकों के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए स्थानीय लोगों को पर्यटन से संबंधित प्रशिक्षण देना अत्यंत महत्वपूर्ण है। उम्मीद की जानी चाहिए कि आने वाल समय में हिमाचल के पर्यटन को और पंख लगेंगे। ■

मणिकर्ण हादसा : दरकते पहाड़, बेमौत मरते लोग, दोषी कौन?

लेखक : नरेंद्र भारती
वरिष्ठ पत्रकार, मंडी

पल भर में ही लाशों के ढेर लग गए और जिंदा मानव चिथड़ों में बदल गए, शव क्षत विक्षत हो गए। चारों तरफ चीखों पुकार मच गई लोग एकदम दफन हो गए, धार्मिक नगरी श्मशान बन गई। कैसी विडंबना है कि नवरात्र के पहले दिन धार्मिक मणिकर्ण में छह लोग काल के गाल में समा गए बेंगलुरु से घूमने आए पर्यटकों ने सपने में भी नहीं सोचा होगा कि उनकी इतनी दर्दनाक मौत होगी। फितरती व लालची मानव पहाड़ों का सीना छलनी कर रहा है और दरकते पहाड़ लोगों की जिंदगी लील रहे हैं पहाड़ों से छेड़छाड़ मत कीजिए, अगर छेड़छाड़ बंद नहीं की, तो प्रतिदिन हादसे होते रहेंगे।

चट्टाने काल बनकर बेकसूर लोगों को मौत के घाट उतार रही हैं। भरमौर से लेकर किन्नौर तक पहाड़ों से चट्टानें गिर रही हैं और लोग बेमौत मारे जा रहे हैं। ताजा घटनाक्रम में कल रविवार को मणिकरण में पहाड़ी से अचानक विशालकाय पेड़ गिरने से छह लोगों की दर्दनाक मौत हो गई और छह लोग घायल हो गए, यह हादसा गुरुद्वारा साहिब के नजदीक हुआ। इस पेड़ की चपेट में आने से बेमौत मारे गए मरने वालों में ज्यादातर पर्यटक थे। कुछ स्थानीय लोग भी हैं, यह पर्यटक बेंगलुरु के रहने वाले थे, इनमें तीन महिलाएं और तीन पुरुष हैं। यह कोई पहला हादसा नहीं है। इससे पहले काफी दर्दनाक हादसे हो चुके हैं, लेकिन कोई सबक नहीं सीख रहा है, अगर पिछले हादसों से सबक लिया होता तो आज यह हादसा नहीं होता और लोग असमय नहीं मारे जाते। 2024 में चंडीगढ़-मनाली हाईवे पर नौ मील के पास देर रात हादसा हो गया। केलांग से शिमला जा रही सरकारी बस पर चट्टान गिरने से तीन सवारियां घायल हो गई थी। बस का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त

हो गया था। गनीमत रही कि कोई बड़ा हादसा होने से टल गया था। साल 2023 में भी एक कार पर बड़ी चट्टान गिरने से एक बच्चे की मौत हो गई थी। किन्नौर में भी ऐसा ही हादसा हुआ था, जहां दो लोग चट्टान के नीचे दब कर मारे गए थे। हनोगी के पास भी एक कार पर विशालकाय पत्थर गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई थी।

भरमौर में भी ऐसा दर्दनाक हादसे में तीन लोग मारे गए थे। ये हादसे रुकने का नाम नहीं ले रहे हैं। सरकार व प्रशासन को इन हादसों पर संज्ञान लेना चाहिए, ताकि भविष्य में इन दर्दनाक हादसों पर रोक लग सके। फोरलेन के लिए सड़क को चौड़ा करने के लिए पहाड़ों को मशीनों से काटा जा रहा और पहाड़ से बड़े-बड़े पत्थर गिर रहे हैं। गत वर्ष बरसात में काफी लोग अपनी जान गंवा चुके हैं, लेकिन यह कार्य नहीं रुक रहे हैं। गत वर्ष 12 अगस्त 2017 की रात को कोटरोपी में प्रकृति ने अपना रौद्र रूप दिखाकर ऐसी खौफनाक तबाही मचाई थी कि रौंगटे खडे हो गए थे। कोटरोपी में हुए इस हादसे ने पूरे हिमाचली समुदाय को झझकोर दिया था। पलभर में लाशों के ढेर लग गए, लाशों का ढांपने के लिए कफन कम पड़ गए थे। मौत का यह मंजर सदियों तक याद रहेगा। 12 अगस्त 2017 कालीरात को कोटरोपी में प्रकृति का कहर सैकड़ों अनमोल जिंदगियां लील गया था। पठानकोट-मंडी नेशनल हाईवे 154 के कोटरोपी में चलती बसों पर पहाड़ गिरने से 48 लोगों की दर्दनाक मौत से हर हिमाचली गमगीन था। 12 अगस्त की कालीरात को प्रकृति ने ऐसा कहर मचाया कि पलभर में यात्रियों को मौत की नींद सुला दिया था। यात्रियों ने सपने में भी नहीं सोचा होगा कि कोटरोपी में मौत उनका इंतजार कर रही है। पहाड़ गिरने से चंबा से मनाली तथा मनाली से कटड़ा जा रही दो बसे दब गई थी। सैकड़ों यात्री जमीदोज हो गए थे। बसों में लाशे क्षत-विक्षत हो चुकी थी तथा टुकड़ों में तब्दील हो चुकी थी। चारों तरफ चीखों पुकार मची हुई थी, लोग अपनों को बदहवाश होकर ढूंढ रहे थे, मगर उनके सगे-संबंधी चिर निंद्रा में सो चुके थे। हर तरफ लाशें दफन हो चुकी थी। प्रकृति ने ऐसी तबाही मचाई थी कि जीते जागते इंसान चिथड़ों में बदल गए थे। तबाही का ऐसा मंजर बहुत ही भयानक था, जिसे लोग ताउम्र नहीं भूल सकते, आंखों के सामने देखते ही देखते लोग मौत के आगोश में समा गए थे। बसें जमीदोज हो गई थी। 46 शव निकाले गए थे। पहाड़ के मलवे से लोगों के आशियाने धराशाही हो गए थे, गनीमत रही कि किसी की जान नहीं गई थी। अभागे यात्री अपने गंतव्य पर पहुंचने से पहले ही हादसे का शिकार हो गए थे। उनका सफर कोटरोपी में खत्म हो गया था। 12 अगस्त की कालीरात प्रदेश वासियों को कभी नहीं भूलेगी। इस हादसे में कुल्लू की महिला ने अपने तीन बच्चे खो दिए थे, वे अपने दादा के पास चंबा गए थे। इस विनाशकारी प्रकृति के कहर से जनमानस खौफजदा है। कही फिर से पहाड़ का मलवा न आ जाए, लोग खौफ के साए में राते काट रहे हैं। इससे पहले हिमाचल में प्रकृति के कहर से हजारों लोग मारे जा चुके हैं। बरसात में देश में कई भीषण त्रासदियां हो चुकी है। कहीं मकानों के ढहने से बच्चे मारे गए, तो कहीं सैकड़ों पशुओं की दबकर मौत हो गई। दर्जनों लोग पानी में बह गए और करोड़ों की संपत्ति तबाह हो गई।

पहाड़ के मलवे की चपेट में आने से काफी जानमाल का नुकसान हो रहा है। प्रकृति की इस विभिषिका में हजारों लोग अपंग हो गए है बच्चे अनाथ हो जाते हैं। लाशे मलवे में दफन हो गई है। सरकार को चाहिए कि प्रत्येक गांव से लेकर शहरों तक आपदा प्रबंधन कमेटियां गठित करनी चाहिए, जिसमें डाक्टर नर्स व अन्य प्रशिक्षित स्टाफ रखना चाहिए ताकि व त्वरित कारवाई करके लोगों को मौत के मुंह से बचा सके। अक्सर देखा गया है कि जब तक आपदा प्रबंधन की टीमें घटना स्थानों पर पहुंचती है तब तक बची हुई सासें उखड़ जाती है। लाशों के ढेर लग जाते हैं। अगर समय पर आपदा ग्रस्त लोगों को प्राथमिक सहायता मिल जाए, तो हजारों जिंदगियां बचाई जा सकती हैं।

प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए सरकार को कालेजों व स्कूलों में भी माकड्रिल जैसे आयोजन करने चाहिए, ताकि अचानक होने वाली आपदाओं से अपना व अन्य का बचाव किया जा सके। स्कूलों व कालेजों में चल रहे राष्ट्रीय सेवा योजना व स्काउट एंड गाइड के स्वयंसेवियों को आपदा से निपटने के लिए पारगंत किया जाए। अगर यही स्वयंसेवी अपने घर व गांवों में लोगों को आपदा से बचने के तरीके बताए, तो काफी हद तक नुकसान को कम किया जा सकता है। सरकार को चाहिए कि आपदा से बचाव के लिए प्रत्येक विभाग के कर्मचारियों को पूर्वाभ्यास करवाया जाए, ताकि समय पर काम आ सके। पुलिस व अग्निशमन के कर्मचारियों को भी समय पर ऐसे आयोजन करते रहना चाहिए। अगर सभी लोग आपदा से बचाव के तरीके समझ जाएगें, तो तबाही कम हो सकती है। प्रकृति के प्रकोप से बचना है तो हमें अपनी जीवन शैली बदलनी होगी, छेड़छाड़ बंद करनी होगी। अगर अब भी मानव ने प्रकृति पर अत्याचार बंद नहीं किया, तो प्रकृति अपना बदला लेती रहेगी और मानव को सबक सीखाती रहेगी। बादल फटते रहेंगे, बाढ़े आती रहेगी वक्त अभी संभलने का है। चंडीगढ़ मनाली मार्ग पर पंडोह के पास बहुत ही खतरा बना रहता है कि कब कहां से पत्थर मौत बनकर आ जाए, इसकी कोई गारंटी नहीं होती, प्रतिदिन हो रहे हादसों से लोग खौफ में हैं। जुलाई में बरसात शुरू हो जाएगी, फिर यह पत्थर गिरना शुरू हो जाते हैं और लोग बेमौत मारे जाते हैं। पहाड़ों का काटना बंद कीजिए। सरकार को चाहिए कि खतरे वाले स्थानों पर आपदा सुरक्षा टीम तैनात करनी चाहिए और खतरे के समय लोगों को आगाह करती रहे, ताकि ऐसे हादसों को रोका जा सके।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

नजरिया

आपसी भाईचारे में आ रही कमी पर चितिंन करना समय की मांग

लेखक : वीरेंद्र शर्मा
सेवानिवृत्त लेक्चरर, ऊना (हि. प्र.)

आधुनिक युग प्राचीन युग पर भारी पड़ रहा है। समय के परिवर्तन के साथ बहुत कुछ बदल रहा है। निस्संदेह, विज्ञान ने अपार प्रगति की है।

इस अपार प्रगति ने कई नए-नए रास्ते खोल दिए हैं। इससे मानवीय आकांक्षाओं का बढ़ना स्वाभाविक था, लेकिन दुर्भाग्य से वैश्वीकरण के विस्तार के साथ आपसी भाईचारे में लगातार कमी आ रही है। खून का रंग सफेद हो गया है, तो अब कोई भी व्यक्ति बिना किसी गरज के किसी से सीधे मुंह बात नहीं करता। बेटा लालचवश या नशे की पूर्ति के लिए अपने माता-पिता की हत्या कर रहा है। एक ही कोख से जन्मे भाई-बहन एक-दूसरे के जीवन के प्यासे होते जा रहे हैं। इसी तरह चाचा-चाची, भतीजे-भतीजियों और यहां तक कि पति-पत्नी के बीच भी आपसी प्रेम कम होता जा रहा है। ऐसी खतरनाक प्रवृत्ति के उभरने के कई कारण हैं।

भौतिकवाद/ पदार्थवाद के उदय होते ही मानवीय रिश्तों का ह्रास होना शुरू हो गया। अब परिवार के सदस्यों के बीच परस्पर सौहार्दपूर्ण संबंधों का अभाव साफ परिलक्षित होता देखा जा रहा है। गौरतलब है कि संपत्ति, अवैध संबंध, ईर्ष्या, दुश्मनी, अहंकार, लालच, वासना आदि ने आपसी भाईचारे में दरारें ला दी हैं। हर कोई अपने आपको दूसरे से श्रेष्ठ सिद्ध करने के प्रयास में है। यदि समय रहते इस अति शोचनीय प्रवृत्ति को न रोका गया, तो यह हम सभी के लिए अत्यंत घातक सिद्ध होगी। वास्तव में आजकल अच्छी जैसी कोई चीज नहीं है। बुराई हर जगह व्याप्त है। यहां कोई

पारस्परिक आदर-सम्मान नहीं है। नैतिकता उत्तरोत्तर दूर होती जा रही है। शिक्षा का व्यवसायीकरण हो गया है। फिर तो नैतिकता, धर्म और कर्तव्य की बात करना भी अनादर जैसा लगता है। पवित्र रिश्तों में आए दिन हो रही हत्याओं को रोकना बेहद जरूरी है।

हम सभी को रिश्तों में हो रही हत्याओं को रोकने के लिए यथाशीघ्र सार्थक कदम उठाने की पहल करनी होगी। रिश्तों को बिगड़ने से बचाने के लिए अहंकार को त्यागना होगा। अपने अहंकार को संतुष्ट करने के लिए कभी भी किसी दूसरे व्यक्ति को झुकाने की कोशिश न करें। रिश्ते को बनाए रखने के लिए अपनी गलतियों का एहसास होना बहुत जरूरी है।

माफी मांगने में कोई शर्म नहीं होनी चाहिए। आज, असुरक्षा, संवादहीनता, गलतफहमी और भावनात्मक दूरी के कारण रिश्ते लगातार खराब होते जा रहे हैं। रिश्तों को मजबूत बनाने के लिए आपसी विश्वास की भावना बनाए रखना जरूरी है। व्यक्ति को सदैव संदेह से दूर रहना चाहिए। आजकल अंतरंग संबंधों में भी हत्या के कई मामले बहुत तेजी से प्रकाश में आ रहे हैं। बहुत पहले संयम, धैर्य और आध्यात्मिक भावना हमारी संस्कृति का अभिन्न अंग थे। वे भावनाएं अब लुप्त हो रही हैं। हमारी सामाजिक और पारंपरिक परंपराओं का पतन भी पारिवारिक रिश्तों के टूटने के मूल में है। भौतिक संस्कृति के प्रसार के कारण जीवन के सभी मूल्यों का ह्रास हो रहा है। पहले जब रिश्तों में उतार-चढ़ाव आते थे, तो परिवार के बड़े-बुजुर्ग अपनी समझदारी से स्थिति को संभाल लेते थे, लेकिन अब बुजुर्ग कहां हैं? जैसे-जैसे हमारे जीवन में समाज की भूमिका कम होती गई। प्रत्येक माता-पिता की जिम्मेदारी है कि वे अपने बच्चों में अच्छे संस्कार डालें। इससे रिश्तों के टूटने और आवेश में आकर हत्या जैसे अपराधों को रोका जा सकता है। रिश्तों में हत्याओं का चलन रुकने की बजाय बढ़ता जा रहा है। इसे रोकने के लिए, आइए हम एक-दूसरे का सम्मान करें और आपसी विश्वास बढ़ाएं, क्योंकि सच्चे रिश्ते आपसी विश्वास पर ही टिके होते हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

अपनी बात

हिमाचल प्रदेश में साक्षरता एवं शिक्षा में अभूतपूर्व परिवर्तन हुए हैं। आम जनमानस की शिक्षा के प्रति प्रगति, बच्चों को विद्यालय में पढ़ाने की सजगता तथा अच्छी शिक्षा के लिए तत्परता दिखाई देती है। अच्छी एजुकेशन के मानक होना जरूरी है, जिनमें मूलभूत इंफ्रास्ट्रक्चर, अन्य विद्यालय स्तरीय सुविधाएं, विद्यालय और कक्षा का वातावरण, अच्छी और सकारात्मक सोच, विद्वान अध्यापक व उनका पढ़ने-पढ़ाने हेतु उपयुक्त एवं पर्याप्त समय, कक्षा में सीखने संबंधी विभिन्न गतिविधियां, डिजिटल स्मार्टबोर्ड प्रौद्योगिकी, समुदाय की सहायता, निरीक्षण एवं अनुश्रवण प्रमुख होते जा रहे हैं। अच्छी शिक्षा विद्यार्थियों में संप्रेषित होगी और उसे बच्चों के व्यवहार एवं अधिगम स्तरों में देखा जा सकता है। आधुनिक युग में माता-पिता के साथ-साथ विद्यार्थी भी अच्छी शिक्षा के लिए सजग हैं। **रमेल सिंह, कांगड़ा**

आज के दिन की प्रमुख हस्ती

हिंदी सिनेमा की प्रसिद्ध अभिनेत्री

जबीन जलील हिंदी सिनेमा के प्रेमियों के लिए 1950 और 60 के दशक में एक जाना पहचाना नाम था। अभिनेत्री जबीन जलील अपने समय में दर्शकों के बीच काफी प्रसिद्ध रहीं। करीब 20 साल के अपने कॅरियर के दौरान भले ही जबीन ने महज 24 हिंदी और 4 पंजाबी फिल्मों में काम किया हो। हिंदी सिनेमा का स्वर्ण काल कहलाए जाने वाले उस दौर की चर्चित अभिनेत्री जबीन सिनेमा के क्षेत्र में प्रोड्यूसर के रूप में भी सक्रिय रहीं। जबीन जलील का जन्म दिल्ली में हुआ था। पिता 'सैयद अबू अहमद जलील' अंग्रेजों के जमाने के आईसीएस अफसर। जबीन की अम्मी 'दिलारा जलील' भी एक पढ़ी-लिखी और मुंशी फाजिल की डिग्री हासिल कर चुकी महिला थीं, जिनका ताल्लुक लाहौर के मशहूर 'फकीर ब्रदर्स' के खानदान से था। बेटा स्कूल जाने लगा, तो उन्होंने उसके कैथेड्रल स्कूल की पीटीए के चेयरपर्सन की कुर्सी संभाल ली। उनकी दोनों बड़ी बहनें पाकिस्तान में और छोटा भाई अमेरिका में बस चुके थे। भारत में उनका कोई भी रिश्तेदार नहीं था, इसलिए बेटे की पढ़ाई और अच्छे भविष्य के लिए जबीन ने भी अमेरिका में बस जाना बेहतर समझा। पति और बेटे के साथ शुरू से ही उनका अमेरिका जाना-आना लगा रहता था, इसलिए ग्रीन कार्ड मिलने में भी कोई मुश्किल नहीं हुई। आखिरकार 1989 में वह परिवार सहित अमेरिका चली गईं। ■

जबीन जलील
जन्म : 1 अप्रैल, 1936

कविता

नारी का अंतर्मन

सरिता मलिक

जो सुवासित मृदु पवन है, फूल की नाजुक छुअन है,
प्रेम पुष्पों का चमन है, वो नारी का अंतर्मन है।।
टूट कर वो घर सजाए, बिखर के खुशबू लुटाए,
आह में आशीष दे, और मेघ आंखों से बहाए,
वेदना के सुर में भी, संवेदना के गीत गाए,
पी जहर कुंठाओं का अमृत सुधा बरसाती जाए,
समर्पण ही जिसका धन है, वो नारी का अंतर्मन है।।
पीर भी जब हिम सकल हो, गम का माथा भी प्रबल हो,
नैराश्य की अगुवाई में जब हौसलों का चित विकल हो,
आस के सूरज उगाती वो टंगी कंदील है,
गम छिपाए तलहटी में मौन गहरी झील है,
वो पांचवीं दीवार है, वो संस्कारित कील है,
निर्झरी है, निष्कपट है, शांत है, वो शील है,
देना ही जिसका चलन है, वो नारी का अंतर्मन है।।
कोई सेंध ममता में लगाए तो खुली शमशीर है,
दुष्टता की नजर हेतु, गरल लिपटा तीर है,
हो कहीं अन्याय तो प्रतिशोध का ये जलजला है,
ये सबल है, ये प्रखर है, ये समर्थ है, उज्ज्वला है,
चलते भीतर युद्ध का ये अनवरत एक सिलसिला है,
इष्ट से या विशिष्ट से भी न कोई शिकवा गिला है,
सत्य से जिसकी लगन है, वो नारी का अंतर्मन है ।।
मुश्किलें भी पास जिसके मुस्कुरा कर दें सदाएं,
तपती दुपहरी में जिसका स्पर्श दे ठंडी हवाएं,
ऐसा जग में कौन जन है, वो नारी का अंतर्मन है।।

पुलिस की पिटाई से, टूटता सेना, अर्धसैन्य बलों का मनोबल

लेखक : ठाकुर तारा
सुंदरनगर जिला मंडी (हि. प्र.)

किसी भी देश की सेना उस देश की आन बान और शान होती है। अपने जीवन को देश के खातिर अर्पित कर, यह सैन्य बल देश की आजादी, अमन चैन को कायम कर हमें खुली हवा में चैन की सांस लेने और नागरिक समाज को परिवारों सहित देश के भीतर खुशहाल बनाने में अपना सर्वस्व न्योछावर कर देते हैं।

अभी हाल ही में पंजाब राज्य के पटियाला में ऑन ड्यूटी सेवा में रहते हुए एक कर्नल साहब पुष्पेंद्र सिंह बाथ एवं उनके बेटे को पटियाला पुलिस के एक नहीं बारह पुलिस के जवानों ने मिलकर डंडों से निर्ममता के साथ पिटाई कर अधमरा कर दिया। ऐसे तो कोई दुश्मन देश भी हमारे जवानों को पकड़ने के बाद उन पर ऐसा अत्याचार नहीं करता होगा, जैसा इन पुलिस के दरिंदों ने कर दिखाया। आए दिन देखते हैं कि, राज्य पुलिस महीनों बाद परिवारों से मिलने के लिए छुट्टी पर घर आए सेना, अर्ध सैन्य बलों के जवानों,एनएसजी कमांडो को पीट कर अपनी शान समझती रहती है। कभी उड़ीसा में सेना के सेवारत कैप्टन रैंक के अधिकारी को उसकी मंगेतर सहित पिटाई कर, लॉकअप में डाल देती है, तो कभी बिहार, केरल, महाराष्ट्र, हिमाचल प्रदेश से खबर आती है, कि राज्य पुलिस ने छुट्टी आए जवान व रिटायर्ड सूबेदार साहब को पीट दिया।

ध्यातव्य हो कि, जब-जब देश के ऊपर बाहरी हमले हुए, संकट आए, बाढ़, भू-स्खलन, राज्य की आंतरिक प्रशासनिक मशीनरी असफल हुई या आपातकाल संकट की स्थिति पैदा हुई या आंतरिक सुरक्षा जैसे पुलिस व्यवस्था ठप हुई,

कानून व्यवस्था ड्यूटी, चुनाव ड्यूटी का जिम्मा इनके सिर पर आया तब तब देश की सुरक्षा सेना और अर्ध सैन्य बलों के जवानों ने इन संकटों को अपने कंधों पर लेकर अनुशासन और अपनी कार्यकुशलता से बखूबी अंतिम सांस तक डटकर लड़कर इन कर्तव्यों को निभाया। अनुशासन, कर्तव्यपरायणता, कुर्बानी की भावना देशभक्ति से ओत प्रोत यह जवान और कुछ नहीं मांगते सिर्फ मांगते हैं, अपने लिए इज्जत, लेकिन यह बात सेना के जवानों, उच्च अधिकारियों की पिटाई से जुड़ा हुआ मुद्दा ही नहीं, अपितु देश का कोई भी आम नागरिक रिक्शा चलाने वाला, मजदूर, गरीब, हाशिए पर खड़ा व्यक्ति, जो भारत भूमि का है, चाहे बाहर का पुलिस किसी को नहीं पीट सकती।

बावजूद इसके देवभूमि हिमाचल के कुल्लू जिला में पिछले रविवार को हुई पुलिस की दरिंदगी ने पूरे हिमाचल को झकझोर कर रख दिया। मामूली सी बात पर सात जवानों ने मिलकर बंद कमरे में उक्त बुजुर्ग व्यक्ति को इस कदर मारा जैसे ये लोग देश के किसी आतंकी को मार रहे हो। मंडी जिला में गरीब ढाबा संचालक के ऊपर पंजाब के पर्यटकों द्वारा गोली मारने के बावजूद पुलिस को जब इस बात की सूचना दी गई, तो उसका जवाब उस वक्त घायल को अस्पताल ले जाने का था। बजाय मौके पर पहुंच कर उक्त अपराधी को धर दबोचने का उसका कर्तव्य बनता था।

इस घटना पर उसे प्रतिघात करने के लिए पैंतालीस मिनट लग गए। इसी बात से सिद्ध होता है, कि पुलिस की संवेदनशीलता आम नागरिकों की जान को लेकर कितनी है। सरकार को सेना के मनोबल को तोड़ने वाली पुलिस पर देशद्रोही का दोषी मानकर इन बिगड़ैल, उदंड किस्म के जवानों के ऊपर सख्त कार्रवाई कर सेना के मनोबल को बढ़ाने की आवश्यकता है, ताकि कभी भी कोई भी राज्य पुलिस सेना, अर्ध सैन्य बलों को पीटने का दुस्साहस फिर कभी न कर सके। तभी इस देश की एकता, अखंडता और शांति कायम रह सकती है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

पाठकों के पत्र...

अनंत ज्ञान निरंतर जनप्रिय हो रहा है जो आधुनिक रंग-रिवाज यानी नए जमाने के मुताबिक हर तरह की सामग्री छापकर सुधी पाठकों तक पहुंचा रहा है जिसके लिए संपादकीय मंडल बधाई एवं प्रशंसा का पात्र है। 30 मार्च के अंक में चैत्र नवरात्र के पावन मौके पर प्रकाशित तमाम सामग्री बेहतरीन लगी। इसके साथ ही संपादकीय 'सस्ती बिजली बड़ी चुनौती' बहुत अच्छा लगा। समाचार पत्र के पिछले तमाम अंक भी देख-पढ़कर मन को भाए। संडे स्पेशल में चिट्टे का शौक का कालम छापकर नशे के खिलाफ अभियान छेड़ना सराहनीय प्रयास है। इससे प्रेरित होकर मेरे एक संगीत प्रेमी मित्र ने चिट्टे पर गीत लिखा है जिसकी रिकार्डिंग की तैयारी चल रही है, जिसे एक किस्म से अनंत ज्ञान के चलाए जा रहे चिट्टे के खिलाफ अभियान अंग संग रहकर समर्पित किया जाएगा। हर गांव कुछ कहता है सीरीज सहित अनंत आरोग्य की सामग्री बड़ी ही अच्छी लगी। इसके अलावा ओपिनियन में संपादकीय सेहत से खिलवाड़ और भूकंप पर आपका आलेख भी जानकारीपरक था। आशा है अनंत ज्ञान आगे भी अनूठे रंग रूप में नजर आएगा। कृपया अपना अमूल्य योगदान आगे भी बनाए रखें।

भीम बसेड़ू राजपूत
महादेव (मंडी)

धर्मशाला को बेशक स्मार्ट सिटी का तमगा मिल चुका है, लेकिन सुविधाओं के नाम पर यह शहर अभी तक पूरी तरह से स्मार्ट नहीं हो पाया है। महोदय, मैं आपका ध्यान धर्मशाला के साथ लगते योल बाजार के बारे में दिलाना चाहता हूं, जहां ट्रैफिक व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है। योल में आवारा पशुओं और तंग सड़कों के कारण वाहन चलाना एक गंभीर समस्या बन चुका है। यह समस्या न केवल स्थानीय निवासियों के लिए, बल्कि पर्यटकों के लिए भी चुनौतीपूर्ण होती जा रही है। योल बाजार एक ऐसा क्षेत्र है, जहां पर छोटी और तंग सड़कों का जाल फैला हुआ है और इन सड़कों पर दिन-प्रतिदिन बढ़ते वाहनों की संख्या भी इस समस्या को और बढ़ा रही है। इसके साथ ही आवारा पशुओं की मौजूदगी सड़क पर और ट्रैफिक के दबाव के कारण दुर्घटनाओं का खतरा हमेशा बना रहता है। आवारा पशु अचानक सड़क पर आ जाते हैं। ऐसे में ब्रेक लगाने के कारण दुर्घटनाएं हो जाती हैं। कई बार तो यह स्थिति इतनी गंभीर हो जाती है कि वाहन चालक उन्हें टक्कर मार देते हैं, जिससे न केवल वाहन में सवार लोगों को चोट लग सकती है, बल्कि पशु भी गंभीर रूप से घायल होते हैं। सड़कें तंग होने से वाहन का रास्ता पूरी तरह से अवरुद्ध हो जाता है, खासकर जब दो वाहन सामने से आ रहे होते हैं। इस स्थिति में वाहन चालकों को बहुत सावधानी से गाड़ी चलानी पड़ती है, क्योंकि सड़क के दोनों ओर दुकानों और अन्य निर्माणों के कारण कोई भी अप्रत्याशित मोड़ या रास्ता नहीं बचता। कृपया इस समस्या को प्रशासन के ध्यान में लाकर कोई उचित कदम उठाएं।

मनोज चंदेल, योल

मैं जिला ऊना के गांव पंचायत धुंदला का स्थायी निवासी हूं। किसान होने के साथ साथ गांव का जिम्मेदार नागरिक भी हूं। सड़कों की स्थिति में लगातार सुधार हो रहा है। महोदय हमारे क्षेत्र में अधिकांश लोग कृषि कार्य पर निर्भर हैं। यहां लावारिस जानवरों के साथ जंगली जानवरों की समस्या भी प्रमुख है। हमारे गांव धुंदला के साथ लगते गांव ननाविं, रकड़, सराय, जमासनी, कुसान, उपरला धुंदला, बेरी, जखोला पहाड़ी क्षेत्र हैं। जंगली जानवरों खासकर बंदरों, सूअरों और नील गाय की समस्या से सब परेशान हैं। बेरोजगारी भी प्रमुख समस्या है। इन सभी समस्याओं को दूर करने के लिए अनंत ज्ञान समाचार पत्र के माध्यम से प्रयास किया गया है। कृषि संबंधी जानकारी के कई समाचार प्रकाशित हुए भी हैं। अखबार का डिजिटल संस्करण पढ़ता हूं। डिजिटल संस्करण काफी रोचक लगा है। अखबार की प्रति लेने के लिए बंगाणा उपमंडल मुख्यालय भी जाना पड़ता है। अनंत ज्ञान समाचार पत्र क्षेत्र के कई आसपास के गांवों में हॉकर्स के पास उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। आपसे आग्रह है कि ननावीं, रकड़, सराय, जमासनी, कुसान, उपरला धुंदला, बेरी, जखोला में अगर कोई व्यवस्था हो जाए, तो इन रूट पर समाचार पत्र पहुंचाने की व्यवस्था की जाए, कहीं कहीं समाचार पत्र पहुंचता तो है, किंतु गांवों तक नहीं पहुंचता है। महोदय हमारे क्षेत्र में लावारिस और जंगली जानवरों, खासकर बंदरों की समस्या विकराल हो चुकी है। अब तक आपका डिजिटल संस्करण नियमित पढ़ता हूं। कभी कभी प्रिंट भी मिल जाता है।

वनीत सिंह
मो. 8219485834

अनंत ज्ञान

प्रकाशक एवं मुद्रक डॉ. दिलीप धाकड़ द्वारा फोकस हिमाचल मीडिया प्रा. लि. के लिए बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक समरजीत, समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।

आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN01099
ई-मेल : anantgyaanmedia@gmail.com
फोन नंबर : 01892-299098

सिमसा माता मंदिर में महिलाओं ने की संतान प्राप्ति की मनोकामना

नवरात्र के दूसरे दिन सुबह 4 बजे खोले मंदिर के कपाट, लंबी कतारों में लगे भक्तों ने मां के जयकारे लगाते हुए माता के दर्शन कर लिया आशीर्वाद

अभिषेक शर्मा, जोगिंद्रनगर

जोगिंद्रनगर के लडभड़ोल उपमंडल के संतान दात्री के रूप में प्रसिद्ध सिमसा माता मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। नवरात्र के अवसर पर विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों महिलाओं ने माता के चरणों में बैठकर संतान प्राप्ति की मनोकामना की।

सोमवार को नवरात्र के दूसरे दिन सिमसा माता मंदिर में भारी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। सुबह 4 बजे से मंदिर के कपाट श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए खोल दिए गए। भक्तजन माता के दर्शन के लिए लंबी कतारों में लगे हुए हैं और माता के जयकारे गूंज रहे हैं। बता दें कि पहले दिन 150 से अधिक महिलाओं ने मंदिर प्रांगण में धरना देकर माता से प्रार्थना की।

मान्यता है कि संतान प्राप्ति की इच्छा रखने वाली महिलाएं यदि नवरात्र के दौरान माता सिमसा के दरबार में बैठकर पूजा-अर्चना करें तो उनकी गोद भर जाती है। वर्षों से चली आ रही इस परंपरा को निभाने के लिए दूर-दराज से महिलाएं यहां पहुंच रही हैं। (अनंत ज्ञान)

दुल्हन की तरह सजाया मंदिर

नवरात्र के शुभ अवसर पर मंदिर को विशेष रूप से सजाया गया है। चारों ओर रंग-बिरंगी रोशनी, फूलों की मालाएं और भक्ति गीतों से संपूर्ण वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत हो गया है।

श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या

मंदिर प्रबंधन के अनुसार इस बार नवरात्र में श्रद्धालुओं की संख्या में काफी वृद्धि देखी गई है। बड़ी संख्या में महिलाएं और उनके परिजन यहां पहुंच रहे हैं।

भक्ति और श्रद्धा का अनूठा संगम

मंदिर परिसर में श्रद्धालु भजन-कीर्तन कर रहे हैं। चारों ओर माता के जयकारे गूंज रहे हैं। मंदिर में भक्तों के लिए विशेष सुविधाओं की व्यवस्था की गई है, ताकि उन्हें किसी प्रकार की परेशानी न हो।

विशेष आयोजन

सिमसा माता मंदिर कमेटी के प्रधान विनोद कुमार और सचिव ओम प्रकाश शर्मा ने बताया कि यह परंपरा सदियों से चली आ रही है। महिलाओं का मानना है कि माता के दरबार में आकर वे संतान प्राप्ति का वरदान प्राप्त कर सकती हैं। दिलचस्प बात यह है कि यहां केवल वे महिलाएं ही नहीं आतीं जो संतान सुख की इच्छुक हैं, बल्कि वे दंपती भी बड़ी संख्या में माता के दर्शन करने आते हैं, जिन्हें माता का आशीर्वाद पहले ही मिल चुका है।

न्यूज ब्रीफ

लॉर्ड्स कान्वेंट स्कूल का परिणाम शत-प्रतिशत

अनंत ज्ञान, सरकाघाट। लॉर्ड्स कान्वेंट स्कूल सरकाघाट में 31 मार्च को शैक्षणिक सत्र 2024-25 का नर्सरी से नवमीं और ग्यारहवीं कक्षा का परीक्षा परिणाम घोषित किया गया। इस अवसर पर स्कूल प्रबंधक कर्नल बलवंत सिंह बरारी, प्रधानाचार्या सपना ठाकुर, शिक्षकगण व अभिभावक उपस्थित थे। विद्यालय का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा, जिससे विद्यार्थियों, अभिभावकों और शिक्षकों में हर्ष का माहौल रहा। सभी कक्षाओं में प्रथम द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को मेडल पहनाकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर स्कूल प्रबंधक कर्नल बलवंत सिंह बरारी ने प्रधानाचार्य, अभिभावकों तथा विद्यालय के अध्यापकों को बधाई दी तथा सभी बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

अग्निवीर भर्ती के लिए 10 तक करें आवेदन

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी। भर्ती निदेशक सेना भर्ती कार्यालय मंडी कर्नल डीएस सामंत ने वर्ष 2025-26 में आयोजित की जा रही अग्निवीर भर्ती रैली में मंडी जिला के युवाओं का अधिक से अधिक संख्या में ऑनलाइन पंजीकरण करने का आह्वान किया है। उन्होंने बताया कि 12 मार्च से शुरू हुआ ऑनलाइन पंजीकरण 10 अप्रैल तक जारी रहेगा। उसके बाद पंजीकरण बंद हो जाएगा। उन्होंने बताया कि 8वीं और 10वीं पास मंडी जिला के युवा 10 अप्रैल तक अग्निवीर जनरल ड्यूटी, स्टोर कीपर, टेक्निकल, टेक्निकल ट्रेडमैन पदों के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

नशे के खिलाफ टिहरा में होगी इनामी दौड़

अनंत ज्ञान, सरकाघाट। प्रदेश में बढ़ते नशे के कहर से बचने तथा अभिभावकों व युवाओं को जागरूक करने के लिए धर्मपुर खंड नशा मुक्ति समिति 18 अप्रैल को संदेहडा टिहरा से हिमाचली धावकों को विभिन्न आयु वर्ग में राज्य स्तरीय रोड रेस का आयोजन करने जा रही है। इसकी जानकारी धर्मपुर नशा मुक्ति अभियान के अध्यक्ष व अंतराष्ट्रीय एथलेटिक प्रशिक्षक भूपिंदर सिंह भूपि ने दी। उन्होंने बताया कि इन विभिन्न आयु वर्ग की दौड़ में महिला व पुरुष वरिष्ठ वर्ग के साथ-साथ अंडर 20, 18 व 16 वर्ष आयु वर्ग के लड़के व लड़कियां भी भाग ले सकते हैं। पहले दस स्थानों तक आने वाले सभी वर्गों के विजेताओं में एक लाख से भी अधिक के नकद इनाम भी दिये जाएंगे। विजेताओं को धर्मपुर के विधायक चंद्र शेखर इनाम देंगे।

'लगी लघु शिवरात्रि म्हारे' गाना रिलीज

अनंत ज्ञान, जोगिंद्रनगर। जोगिंद्रनगर में प्रत्येक वर्ष एक से पांच अप्रैल तक आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय लघु शिवरात्रि मेला पर आधारित 'लगी लघु शिवरात्रि जोगिंद्रनगरा म्हारे' शीर्षक से वीडियो गाना जारी किया गया। राज्य स्तरीय लघु शिवरात्रि मेला समिति के अध्यक्ष एवं एसडीएम जोगिंद्रनगर मनीश चौधरी ने आज इस गाने का पोस्टर जारी कर विधिवत लॉचिंग की। इस मौके पर तहसीलदार जोगिन्दर नगर डॉ. मुकुल शर्मा, नायब तहसीलदार विनय राशपा, एपीआरओ राजेश जसवाल भी मौजूद रहे। यह गाना एसडीएम जोगिन्दर नगर के ऑफिशियल यूट्यूब चैनल, फेसबुक पेज व एक्स अकाउंट के साथ-साथ एपीआरओ जोगिन्दर नगर के फेसबुक पेज पर भी उपलब्ध रहेगा। एसडीएम ने इस गाने से जुड़े सभी जनों का भी आभार जताया है।

दयाराम ठाकुर फिर बने मंडी जिले के अध्यक्ष

कविता, पधर। राजकीय सीएंडवी अध्यापक संघ जिला मंडी के चुनाव राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला कन्या मंडी में संपन्न हुआ, जिसमें जिले के 21 शिक्षा खंडों से 180 से अधिक अध्यापकों ने भाग लिया। चुनाव की प्रक्रिया का संचालन चमन लाल शर्मा ने किया। जबकि पर्यवेक्षक के रूप में सुरेंद्र कुमार, ओम प्रकाश ठाकुर और रवि शर्मा मौजूद रहे। इस दौरान अध्यक्ष पद पर दयाराम ठाकुर, महासचिव नंदलाल चौधरी, वित्त सचिव पूर्ण चंद चौधरी, वरिष्ठ उप प्रधान भूप सिंह व हेमराज तथा महिला विंग अध्यक्ष दीक्षा को चुना गया। चुनाव के पश्चात दयाराम ठाकुर ने उपस्थित शिक्षकों को आश्वस्त किया कि संघ उनकी सभी समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध रहेगा। उन्होंने कहा कि संघ जल्द ही उप शिक्षा निदेशक (प्रारंभिक) से मुलाकात कर शिक्षकों की लंबित समस्याओं पर चर्चा करेगा।

एंबुलेंस में गूंजी किलकारी, दोनों स्वस्थ

अनंत ज्ञान, पधर। पधर अस्पताल की 108 आपातकालीन सेवा के फार्मासिस्ट मुकेश की सूझबूझ और त्वरित निर्णय से एक गर्भवती महिला का सुरक्षित प्रसव एंबुलेंस में ही करवाया गया। जानकारी के अनुसार बरोट निवासी सपना को प्रसव पीड़ा होने पर गत रात्रि जिला अस्पताल मंडी रेफर किया गया था। हालांकि, रास्ते में ही उनकी प्रसव पीड़ा तेज हो गई। इस दौरान, जब एंबुलेंस उरला के आसपास पहुंची, तो उसमें तकनीकी खराबी आ गई, जिससे आगे का सफर बाधित हो गया। स्थिति को देखते हुए, तत्काल पधर अस्पताल की 108 आपातकालीन सेवा बुलाई गई और महिला को उसमें शिफ्ट किया गया। पधर से मंडी ले जाते समय एंबुलेंस में तैनात फार्मासिस्ट मुकेश ने वाहन चालक नरेश के सहयोग से सुरक्षित प्रसव करवाया। जन्म के बाद मां और नवजात दोनों स्वस्थ हैं। एंबुलेंस कर्मियों की इस तत्परता और सेवा भावना की क्षेत्र में खूब सराहना हो रही है।

विधायक ने जाना अग्निपीड़ितों का हाल

रूपी ठाकुर, बरोट। द्रंग क्षेत्र के विधायक पूर्ण चंद ठाकुर ने सोमवार से अपना जनसंपर्क अभियान तेज कर दिया है। सोमवार को अपने जनसंपर्क अभियान के तहत विधायक पूर्ण चंद ठाकुर ने चौहार घाटी की ग्राम पंचायत जिल्हण, बरधाण, लपास, बरोट व खलैहल पंचायतों के भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ एक बैठक की। विधायक पूर्ण चंद ठाकुर ने बरोट में स्थित लोक निर्माण विभाग के विश्राम गृह में लगभग ग्यारह बजे झरवाड़, बरोट व लपास बूथ के भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ एक बैठक करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार अढ़ाई वर्ष के कार्यकाल में प्रदेश में विकास कार्य पूरी तरह से ठप पड़े हुए हैं। इस दौरान विधायक ने हाल ही में बरोट के लक्कड़ बाजार में घटे अग्निकांड़ के पीड़ित व्यापारियों प्रेम चंद, राजेंद्र कुमार, हरी गोपाल, सोनू राम, मनोहर लाल तथा सोमा देवी से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात कर उन्हें सरकार से मिलने वाली हर संभव सहायता को जल्द दिलवाने का भरोसा दिया। उसके उपरांत विधायक ने बरोट पंचायत के कहोग गांव के निवासी प्रेम चंद की सोमवार के दिन हुई सेवानिवृत्ति के आयोजन में भाग लिया। (अनंत ज्ञान)

सुकेत देवता मेले के लिए देव कमरुनाग रवाना

सुंदरनगर पहुंचने के लिए देवलुओं के साथ 37 किलोमीटर का पैदल सफर करेंगे तय

उमेश, सुंदरनगर

जिला मंडी के आराध्य एवं बारिश के देवता देव कमरुनाग सोमवार को राज्यस्तरीय सुकेत देवता मेला में शिरकत करने सुंदरनगर के लिए प्रस्थान कर गए हैं। देव कमरूनाग ने ग्राम पंचायत रोहांडा के गांव मझोठी स्थित कोठी से अपने लाव लश्कर सहित सुंदरनगर की ओर कूच कर दिया है। इस मौके पर देव कमरुनाग का उनकी कोठी (देवस्थान) में विधिवत पूजन किया गया और उसके बाद देवलुओं तथा बजंतरियों संग देवता राज्यस्तरीय सुकेत देवता मेले में शिरकत करने के लिए निकल गए हैं।

इस दौरान देवता लगभग 37 किलोमीटर का सफर पैदल तय कर सुंदरनगर पहुंचेंगे। बता दें कि चैत्र नवरात्रि के पांचवें नवरात्रे 2 अप्रैल से पांच दिवसीय राज्यस्तरीय सुकेत देवता मेला सुंदरनगर का आयोजन किया जाता है। देव कमरुनाग 1 अप्रैल को सुंदरनगर शहर की सीमा चांबी में पहुंचेंगे। जहां पहुंचने पर देव कमेटी और राज्यस्तरीय देवता मेला कमेटी उनका स्वागत करेगी। जानकारी देते हुए बड़ा देव कमरुनाग मझोठी रोहांडा के गुर मुनी लाल ने कहा कि बड़ा देव कमरूनाग 2 अप्रैल को सुकेत देवता मेला के शुभारंभ पर सुबह 11 बजे शुकदेव ऋषि की तपोस्थली शुकदेव वाटिका में पहुचेंगे। जहां से मेला ग्राउंड तक आयोजित होने वाली शोभायात्रा में शिरकत कर वह इसकी शोभा बढ़ाएंगे। देव श्री कमरुनाग कमेटी मझोठी रोहांडा के सचिव दुनी चंद ठाकुर ने बताया कि बड़ा देव कमरुनाग विष्णु स्वरूप पूजे जाते हैं। सभी भी मनोकामनाएं पूर्ण करने वाले देव कमरुनाग हैं और उनकी पवित्र झील में जाकर मान्यता पूर्ण होने पर श्रद्धानुसार चढ़ावा चढ़ाया जाता है। (अनंत ज्ञान)

- **जिले के आराध्य है बारिश के देवता बड़ा देव कमरुनाग**
- **केवल शिवरात्रि महोत्सव मंडी और सुकेत देवता मेले में ही करते हैं शिरकत**

आराध्य देव की अनूठी दास्तान

देव कमरुनाग मंडी और सुकेत रियासत क्षेत्र की आस्था में रचे बसे हैं। उपमंडल गोहर के कांढी वाले देव कमरुनाग के सूरजपखे में चतुर्भुज स्वरूप में भगवान विष्णु का अंकन मिलता है। वर्ष 1935 में मंडी के तत्कालीन राजा जोगिंद्र सेन ने कमरूनाग के हारियानों को सौंपे मखमल के कपड़े पर देव कमरुनाग को इसी देव स्वरूप में उकेरा था। इस सूरजपखे रूप में देव कमरुनाग द्वारा मंडी जिला मुख्यालय में आयोजित होने वाले अंतरराष्ट्रीय शिवरात्रि मेले में शिरकत की जाती है। वहीं उपमंडल सुंदरनगर के रोहांडा की मझोठी कोठी वाले देव कमरुनाग सुकेत की आध्यात्मिकता का प्रतिनिधित्व करते हैं। यहां सूरजपखे पर देव कमरूनाग का मुख मोहरे के रूप में है और साथ ही नीचे की ओर पांच अन्य मुख मोहरों का अंकन मिलता है। मान्यतानुसार ये पांच मुख पांडवों के बताए जाते हैं। इस सूरजपखे द्वारा राज्यस्तरीय सुकेत देवता मेला सुंदरनगर में शिरकत की जाती है। एक ही देवता के ये दो भिन्न स्वरूप इसी प्रकार से अपने-अपने क्षेत्रों में भक्तजनों को आशीवांद देते हैं।

डीनक डुगराई में मनाई ईद

अनंत ज्ञान, मंडी

सुंदरनगर के साथ लगते डीनक डुगराई क्षेत्र में ईद का पर्व धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर अखिल भारतीय दलित पिछड़ा एवं अल्पसंख्यक वर्ग परिषद हिमाचल के महासचिव एवं राज्य प्रवक्ता चमन राही व अल्पसंख्यक समाज के प्रदेश संयोजक सन्नी इपन, अनुसूचित जाति विभाग सराज के अध्यक्ष खूबेराम चौहान, सरदार भगवंत सिंह ने शिरकत कर मुस्लिम समुदाय के साथ ईद की मुबारकबाद देकर सेमियां खाई। चमन ने कहा कि डीनक क्षेत्र में विदेशों से बहुत सा पैसा आता है, मुस्लिम समुदाय के बहुत से लोग विदेशों में रहते हैं और यहां अपने सगे संबंधियों को पैसा भेजते रहते हैं।

इस मौके पर चमन राही ने भाईचारे की मिसाल पेश करते हुए मुस्लिम समुदाय को फल भेंट किए और अमन चैन की दुआ मांगी।

सुंदरनगर में खुशहाली के लिए मांगी दुआ

अनंत ज्ञान, सुंदरनगर। सुंदरनगर में मुस्लिम संप्रदाय के लोगों ने सोमवार को ईद-उल-फितर का पर्व बड़े हर्षोल्लास से मनाया। संप्रदाय के स्थानीय व प्रवासी लोगों ने ईद-उल-फितर की नमाज अता कर खुशहाली के लिए दुआ मांगी और गले मिल कर बधाई दी। मुस्लिम लोगों में भारी उत्साह के साथ सुबह से ही मस्जिदों में नमाज अता करने वालों की भीड़ जुटना शुरू हो गई। सुंदरनगर की जामा मस्जिद के साथ-साथ डीनक, नेरचौक, ढ़ावण और डडोह की मस्जिद में लोगों ने मिलजुल कर नमाज अता की। इस मौके पर हिमाचल दलित एवं अल्पसंख्यक सोशल रिफॉर्म के अध्यक्ष एजी शेख ने कहा कि रमजान के माह में ही कुरान शरीफ उतरा था। इस माह में अल्लाह के लिए ही रोजे रखे जाते हैं।

नेशनल वुशू लीग में हिस्सा लेने के लिए महिला टीम रवाना

विनोद, नेरचौक

खेलो इंडिया सब जूनियर एवं जूनियर नेशनल वुशु लीग प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए हिमाचल प्रदेश वुशू महिला खिलाड़ियों की टीम रवाना हो गई है गुजरात में होने वाली 6 दिवसीय इस प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए हिमाचल प्रदेश वुशू सबजूनियर एवं जूनियर महिलाओं की टीम को एक्सीलेंसी सेंटर कंसा से वुशू संघ के महासचिव पीएन आजाद ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में उन्हीं खिलाड़ियों का चयन हुआ है जिन्होंने राष्ट्रीय जोनल प्रतियोगिता में मेडल हासिल किए थे। सब जूनियर टीम में चकसू, अनन्य ठाकुर, अंशिका शर्मा, अवंतिका, अवनी कपूर, अवनीजा वत्स, गौरी शर्मा, जयश्री व तेजल शामिल है जो की टीम मैनेजर पूर्ण चंद व कोच पारुल शर्मा की देखरेख में नेशनल वासु लीग में हिस्सा लेंगे। नेशनल लीग जूनियर टीम में वुशू खिलाड़ी दिया शर्मा, अनमोल, कशिश, मन्नत शर्मा, शगुन व सेजल तथा टीम कोच अमित व टीम मैनेजर कंचन शामिल है। (अनंत ज्ञान)

- **गुजरात में होगी सबजूनियर एवं जूनियर नेशनल वुशू लीग**

बेसहारा गाय को ट्रक ने मारी टक्कर

अनंत ज्ञान, पंडोह। मंडी जनपद के पंडोह शहर में बेसहारा पशुओं की भरमार है। सड़क पर दर्जनों बेसहारा पशु घूमते रहते हैं। प्रशासन इनकी कोई सुध नहीं लेता है, वहीं सोमवार को गाड़ी की टक्कर से गाय घायल हो गई है। ट्रक ड्राइवर गाय को घायल करके भाग गया। गाय की दोनों टांगें टूट गई हैं। बजरंग दल के सदस्यों को इसकी सूचना दी गई। बजरंग दल के सदस्यों ने प्राथमिक उपचार किया, लेकिन गाय खड़ी नहीं हो पा रही है। घायल गाय को रती बल्ह गौसदन में छोड़ा गया। समाजसेवी सौरभ गुलरिया ने बताया कि इसका इलाज भंगरोटू हॉस्पिटल के डॉक्टर द्वारा किया जाएगा।

गले लगकर दी ईद की मुबारकबाद

भीम बसेड़ू, महादेव। नाचन क्षेत्र के एक बड़े भाग में ईद का पर्व बड़े ही धूमधाम एवं हर्षोल्लास से मनाया गया। इस मौके पर गांव डीनक डुगराई डडोह जैसे बड़े ग्रामीण क्षेत्रों में जहां ईद का पर्व मनाया गया। वहीं शहरी क्षेत्र भोजपुर सुंदरनगर आदि में भी मुस्लिम समुदाय के लोगों ने ईद पर एक-दूसरे के गले लगकर ईद की मुबारकबाद और बच्चों में इस अवसर पर खासा उत्साह देखने को मिला। इसके साथ ही मुस्लिम भाइयों के पड़ोसियों यानि जान पहचान के लोगों ने भी उन्हें ईद की बधाई देते हुए अपनी हार्दिक शुभकामनाएं दी।

बच्चों को कंप्यूटर सॉफ्टवेयर की जानकारी दी

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, निदेशालय महिला एवं बाल विकास विभाग हिमाचल प्रदेश शिमला एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी मंडी के सौजन्य से कंप्यूटर सॉफ्टवेयर/हार्डवेयर 31 मार्च तक 21 दिवसीय कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम दीनबंधु सेवा मंडल बाल गृह, भरनाल में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन हिमाचल कंसल्टेंसी ऑर्गेनाइजेशन लिमिटेड (हिमकॉन) के द्वारा किया गया। आयोजनकर्ता अमित शर्मा (प्रशिक्षण समन्वयक), मनोज कुमार (प्रशिक्षण समन्वयक) और कुमारी अंकिता (प्रशिक्षक)ने मुख्य भूमिका निभाई। इस कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम में बच्चों को कंप्यूटर फंडामेंटल (बेसिक), नोट पैड, एमएस वर्ड, एमएस एक्सल, एमएस पावर पॉइंट, नेटवर्किंग, इंटरनेट, टाइपिंग आदि की जानकारी दी गई। सोमवार को बच्चों को प्रमाणपत्र वितरित किए गए। बाल गृह भरनाल के 20 बच्चे इस कार्यक्रम से लाभान्वित हुए।

जोगिंद्रनगर मेले का आज उपायुक्त करेंगे शुभारंभ

पांच अप्रैल तक आयोजित होगा राज्य स्तरीय लघु शिवरात्रि मेला

अनंत ज्ञान, जोगिंद्रनगर

एक से पांच अप्रैल तक आयोजित होने जा रहे राज्य स्तरीय लघु शिवरात्रि मेला जोगिंद्रनगर का उपायुक्त मंडी अपूर्व देवगन शुभारंभ करेंगे। इस पांच दिवसीय मेले के दौरान चार सांस्कृतिक संध्याओं के माध्यम से लोगों का मनोरंजन किया जाएगा। इसके अतिरिक्त विभिन्न खेल स्पर्धाओं के साथ-साथ महिला मंडलों के लिए सांस्कृतिक व खेलकूद स्पर्धाएं आयोजित की जाएंगी।

मेला आयोजन को लेकर जानकारी देते हुए मेला समिति अध्यक्ष एवं एसडीएम जोगिंद्रनगर मनीश चौधरी ने बताया कि एक अप्रैल को पूजनीय देवी-देवताओं की भव्य शोभायात्रा की अगुआई के उपरांत सायं तीन बजे मेला मैदान में उपायुक्त मंडी अपूर्व देवगन मेले का विधिवत शुभारंभ करेंगे। मेला समिति ने मेले में भाग लेने के लिए एक सौ से अधिक देवी-देवताओं को शामिल होने का निमंत्रण दिया है। मनीश चौधरी ने बताया कि मेले के दौरान कानून एवं व्यवस्था बनाये रखने के लिए पर्याप्त सुरक्षा कर्मियों की भी तैनाती रहेगी। इस मौके पर तहसीलदार डॉ. मुकुल शर्मा, नायब तहसीलदार विनय व एपीआरओ राजेश जसवाल भी मौजूद रहे।

सांस्कृतिक संध्या में ये कलाकार मचाएंगे धमाल

एसडीएम ने बताया कि मेले के दौरान आयोजित होने वाली चार सांस्कृतिक संध्याओं में तन्मय चतुर्वेदी, विंती सिंह, रमेश ठाकुर व अमर संधु लोगों का मनोरंजन करेंगे। इसके अलावा कुमार साहिल, नेहा दीक्षित, हेमंत शर्मा, संजीव दीक्षित सहित अन्य स्थानीय एवं लोक कलाकार भी लोगों का भरपूर मनोरंजन करेंगे। साथ ही बताया कि ऑडिशन के माध्यम से चयनित बेहतरीन एवं नए कलाकारों को भी मेला समिति ने मंच प्रदान करने का भरपूर प्रयास किया है।

देव गहरी शंगरेहड़ लघु मेले के लिए रवाना

अनंत ज्ञान, बरोट। छोटाभंगाल घाटी की मुत्थान पंचायत के अंतर्गत आने वाले अपने मूलस्थल शंगरेहड़ गांव में स्थित घाटीवासियों की अटूट आस्था के प्रतीक देवादि देव गहरी शंगरेहड़ गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी पहली अप्रैल को जोगिंद्रनगर में आयोजित होने वाले पांच दिवसीय राज्य स्तरीय लघु शिवरात्रि मेले में शरीक होने के लिए 31 मार्च को सुबह अपने मूल स्थल शंगरेहड़ से लाव लश्कर तथा देवलुओं सहित पूरी तरह सजधज कर रवाना हो गए हैं। इस मौके पर देव गहरी ट्रस्ट शंगरेहड़ के अध्यक्ष व देव गहरी के मुख्य गुर भाग सिंह सहित समीति अध्यक्ष, देव कमेटी के उपाध्यक्ष महेश्वर सिंह, दुमच रामधन, मुख्य प्रबंधक नागराज, पुजारी धनी राम सहित 60 देवलू भाग ले रहे हैं।

सफलता दूध के न्यूनतम समर्थन मूल्य में ऐतिहासिक वृद्धि पर पशुपालकों ने मुख्यमंत्री का जताया आभार

घुमराला महिला दुग्ध उत्पादक केंद्र ने 3 लाख लीटर दूध का किया विक्रय

सुनील शर्मा, गोहर

ग्रामीण अर्थव्यवस्था को आत्मनिर्भर बनाने के हिमाचल सरकार के प्रयास अब रंग लाने लगे हैं। दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में प्रदेश सरकार द्वारा लिए गए निर्णयों का लाभ सहकारी सभा समितियों तक पहुंच रहा है। दूध के दाम में की गई ऐतिहासिक वृद्धि से दुग्ध उत्पादक खुश हैं। सराज विधानसभा क्षेत्र की महिला दुग्ध उत्पादक एवं क्रय विक्रय सहकारी सभा समिति (घुमराला) जरोल दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में नई उपलब्धियां प्राप्त कर रही है। घुमराला महिला दुग्ध उत्पादक केंद्र ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में 3 लाख लीटर से अधिक दूध का विक्रय किया है।

समिति के सचिव सुशील कुमार ने बताया कि कठिन भौगोलिक परिस्थितियों में अधिकतर लोग खेती-बाड़ी के व्यवसाय से जुड़े हुए हैं, जिसमें पशुपालन भी उनके जीवन का अहम हिस्सा है। हर घर-द्वार में दूध का उत्पादन अच्छे स्तर पर होता है परंतु दूध की मांग गांव स्तर पर कम होती है। इसी को देखते हुए वर्ष 2003 में गांव के कुछ लोगों के सहयोग से घुमराला महिला

उत्पादक क्रय एवं विक्रय सहकारी सभा समिति का गठन किया गया। पहले दिन मात्र 7 लीटर दूध एकत्रित किया गया। उस समय यह एक मुश्किल दौर लग रहा था, परंतु समिति ने कार्य करना निरंतर जारी रखा और आज यह सहकारी सभा सराज विधानसभा क्षेत्र में दुग्ध उत्पादक के रूप में बेहतरीन कार्य कर रही है ।

सहकारी सभा के प्रधान दुग्ध उत्पादक कल्याण सिंह, दुर्गी देवी गांव चापड, शयाणु राम गांव चापड, नैणी देवी गांव बजौण लाभार्थियों ने भी मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। उपप्रधान कंपा देवी, सदस्य हेमलता का कहना है कि उनके गाय के दूध में फैट की मात्रा काफी बेहतर पाई गई जिससे उन्हें आज भी प्रति लीटर दूध के दुग्ध केंद्र में 58 से 60 रुपये प्राप्त होते हैं।

सुशील कुमार ने बताया कि इस केंद्र में लगभग 7 से 8 किलोमीटर दूर से लोग दूध लाते हैं। वर्ष 2003 में 7 लीटर से शुरू किए गए इस दुग्ध उत्पादक केंद्र में गत वर्ष 2024 में जून-जुलाई के पीक सीजन में प्रतिदिन 1750 लीटर दूध पशुपालकों से प्राप्त हुआ। यह केंद्र अभी तक 824 पशुपालकों को अपने साथ जोड़कर लाभ प्रदान कर चुका है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में घुमराला दुग्ध केंद्र द्वारा 3 लाख लीटर से अधिक दूध इकट्ठा किया गया, जिसका मूल्य 1 करोड़ 30 लाख रुपए के लगभग होता है। केंद्र की अभी तक कुल बिक्री आय 3 करोड़ से अधिक हो जाती है। अनंत ज्ञान

शिविर में 79 यूनिट रक्त एकत्रित

अनंत ज्ञान, सरकाघाट

नलवाड़ मेला बरच्छवाड़ में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इसका शुभारम्भ डॉ. पन्ना लाल वर्मा ने किया। शिविर में 79 यूनिट स्वैच्छिक रक्तदान किया गया। शिविर में जोनल अस्पताल मंडी से डॉक्टर व स्वास्थ्य कर्मियों की टीम यहां पहुंची थी जिन्होंने नलवाड़ मेला बरच्छवाड़ भें आयोजित शिविर में अपनी सेवाएं दी। इस अवसर पर डॉ. पन्ना लाल ने कहा कि रक्तदान महादान है और इस शिविर का उद्देश्य जरूरतमंदों को रक्त उपलब्ध कराना है। किसी जरूरतमंद की मदद करना पुण्य से

कम नहीं है, रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं है। उन्होंने कहा कि हमारे द्वारा किया गया रक्तदान किसी का जीवन बचा सकता है। इस अवसर पर जिला परिषद सदस्य नौबाही वार्ड, मुनीष शर्मा, प्रधान ग्रांम पंचायत बरच्छवाड़ निशा कुमारी, उप प्रधान जितेंद्र, महासचिव जिला कांग्रेस रितेश ठाकुर, एडवोकेट भूप सिंह, अतुल शर्मा, विजय शर्मा व अनु भी उपस्थित थे।

मुकेश ने बीटन में विकास कार्यों का किया निरीक्षण

उपमुख्यमंत्री ने अधिकारियों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

अनंत ज्ञान ब्यूरो, ऊना

उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने हरोली विधानसभा क्षेत्र के बीटन गांव में विभिन्न विकास कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माणाधीन खेल मैदान एवं समाधि वालीकुटिया बीटन के अतिरिक्त भवन के निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लिया और अधिकारियों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उल्लेखनीय है कि उपमुख्यमंत्री ने कुछ महीने पूर्व बीटन में स्वामी श्री अभेदानंद महाराज (ब्रह्मलीन) की समाधि वाली कुटिया में स्वामी जी के 25वें महानिर्वाण दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में शिरकत करते हुए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की थीं। उन्होंने समाधि वाली कुटिया में विविध निर्माण कार्यों के लिए 25 लाख रुपये देने की घोषणा की थी, साथ ही 25 हजार लीटर क्षमता वाले पानी के टैंक के निर्माण का आश्वासन दिया था। इसके अलावा, उन्होंने अपनी पत्नी स्वर्गीय डॉ. सिम्मी अग्निहोत्री की स्मृति में समाधि वाली कुटिया को 1.51 लाख रुपए की राशि भेंट की थी। इससे पूर्व भी उन्होंने सामुदायिक भवन के निर्माण के लिए 10 लाख रुपए प्रदान किए थे।

उपमुख्यमंत्री ने आज अपनी पूर्व घोषणाओं से जुड़े कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। इसके बाद उन्होंने बीटन में खेल मैदान के सुधार कार्य का निरीक्षण किया, इसके लिए 1.50 करोड़ रुपए से अधिक राशि स्वीकृत की जा चुकी है। यह धनराशि मैदान के सुधार, चारदीवारी के निर्माण और अन्य आवश्यक सुविधाओं के लिए उपयोग की जा रही है। इसके उपरांत उन्होंने गोंदपुर में प्राचीन टोबे के जीर्णोद्धार कार्य का अवलोकन किया और इसे शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण और खेल सुविधाओं के विकास से क्षेत्र की समग्र प्रगति को बल दिया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि हरोली क्षेत्र में विकास कार्यों और जनकल्याण से जुड़ी सभी योजनाओं को प्राथमिकता पर पूरा किया जा रहा है, ताकि आम जनता को अधिक से अधिक लाभ मिल सके।

बोले-सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं धार्मिक कार्यक्रम

अनंत ज्ञान, ऊना

उपमुख्यमंत्री ने चैत्र नवरात्र पर झलेड़ा मंदिर में की पूजा-अर्चना

उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने चैत्र नवरात्र के पावन अवसर पर पुलिस लाइन झलेड़ा स्थित मंदिर में आयोजित भव्य धार्मिक आयोजन में शिरकत की। इस अवसर पर उन्होंने विधिवत पूजा-अर्चना कर माडु भगवती का आशीर्वाद प्राप्त किया और भजन संध्या में भाग लिया। उन्होंने ऊना पुलिस विभाग द्वारा आयोजित इस धार्मिक आयोजन और मंदिर के सौंदर्यीकरण कार्य की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम समाज में आध्यात्मिकता और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक ऊना राकेश सिंह ने उपमुख्यमंत्री का स्वागत किया। भजन संध्या में हिमाचल प्रदेश पुलिस के प्रसिद्ध 'हार्मनी ऑफ पाइंस' बैंड ने अपनी भक्तिमय प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया।

भक्तों ने भक्ति गीतों का आनंद लिया और मंदिर प्रांगण में आयोजित भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया। इस धार्मिक आयोजन में उपमुख्यमंत्री की पुत्री डॉ. आस्था अग्निहोत्री, विधायक सुदर्शन बबलू, विवेक शर्मा, पूर्व विधायक सतपाल रायजादा, एडवोकेट जनरल अनूप रत्तन, उपायुक्त ऊना जतिन लाल उपस्थित रहे।

इसके अलावा अनुसूचित जाति आयोग के सदस्य विजय डोगरा,कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रणजीत राणा, अशोक ठाकुर, बाबा सरबजोत सिंह बेदी, सेवानिवृत्त डीआईजी मधुसूदन शर्मा और आरएम शर्मा, उपायुक्त जतिन लाल की पत्नी रेणु शेरावत, पुलिस अधीक्षक राकेश सिंग सिंह की पत्नी निधि, डिप्टी कमांडेंट बनगढ़ राजेश कुमार एवं चरनजीत सिंह, विजिलेंस के डिप्टी एसपी कुलविंदर सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव भाटिया, सुरेंद्र शर्मा (एलआर), डीएसपी अजय ठाकुर, मोहन रावत, डॉ. वसुधा सूद समेत ऊना पुलिस विभाग के अधिकारी, पुलिस स्टाफ और उनके परिवारों सहित शिवालिक कॉलोनी, झलेड़ा और लालसिंगी के नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

चैत्र नवरात्र के दौरान माता चिंतपूर्णी दरबार में पहुंचे श्रद्धालु।

चिंतपूर्णी में पहले नवरात्र पर चढ़ा 14.40 लाख रुपए का चढ़ावा

अनंत ज्ञान, चिंतपूर्णी

चैत्र नवरात्र के दूसरे दिन चिंतपूर्णी में श्रद्धालुओं के निरंतर आवागमन से पूरा मंदिर परिसर क्षेत्र माता रानी के जयकारों से गूंज उठा। मंदिर न्यास द्वारा लगाए गए टेंट और निशुल्क जल सेवा काउंटर से लाइन में लगने वाले श्रद्धालुओं को राहत मिली।

मंदिर न्यास द्वारा प्रथम नवरात्र के चढ़ने की गणना के आंकड़े भी जारी कर दिए गए। पहले नवरात्र को मंदिर न्यास को 14,40,816 रुपए की राशि दान पात्रों को खोलने से प्राप्त हुई। इसके अलावा 4 लंगर संस्थाओं ने लंगर लगाने के लिए 40,000 लंगर फीस और 40,000 धरोहर राशि जमा कराई। इन लंगर संस्थाओं द्वारा देसी घी में श्रद्धालुओं को व्रत का खाना और भी तरह-तरह के पकवान परोसे जा रहे हैं।

पहले नवरात्र के मुकाबले श्रद्धालुओं की संख्या में कमी दर्ज की गई। मंदिर न्यास द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विभिन्न व्यवस्थाएं की गई हैं। वहीं, कार्यवाहक मंदिर अधिकारी अरुण संख्यान ने बताया कि दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए मंदिर प्रयास मिल रहे सुझावों पर जल्द अमल कर रहा है।

तीसरी मंजिल से गिरा युवक, मौत

अनंत ज्ञान, ऊना। जिले के परिषद मेहतपुर बसदेहड़ा के वार्ड नं. 5 में एक हादसे में मकान की तीसरी मंजिल से गिरकर एक युवक की मौत हो गई। युवक अपने मकान से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को उपचार के लिए ऊना के क्षेत्रीय अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी नाजुक हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उसे पीजीआई चंडीगढ़ रेफर कर दिया। इलाज के दौरान युवक ने दम तोड़ दिया। मृतक की पहचान हरप्रीत सिंह पुत्र संतोख सिंह निवासी खड्ड के रूप में हुई है। हरप्रीत बचपन से ही अपने ननिहाल मेहतपुर बसदेहड़ा के वार्ड संख्या 5 में रह रहा था।

जानकारी के अनुसार शनिवार रात हरप्रीत सिंह अपने मकान की तीसरी मंजिल की छत पर टहल रहा था, इसी दौरान उसका संतुलन बिगड़ गया और यह घटना घट गई। हरप्रीत सिंह विदेश में कार्यरत था और करीब दो महीने पहले ही सऊदी अरब से छुट्टी लेकर घर लौटा था। मृतक के दो बच्चे हैं। पुलिस ने हादसे की जांच शुरू कर दी है। जिला के एसपी राकेश सिंह ने बताया कि मृतक के स्वजनों ने किसी भी तरह की शिकायत दर्ज नहीं करवाई और न ही पोस्टमार्टम कराने की इच्छा जताई। पुलिस आवश्यक कानूनी कार्रवाई कर रही है।

शराब के दाम में भारी छूट का लाभ उठाकर बीस पेटी शराब ले जाता एक दबोचा

अनंत ज्ञान, गगरेट

वित्त वर्ष 2024-25 के आखिरी दिन कई शराब वेंडर्स द्वारा शराब के दामों में दी गई भारी छूट का नाजायज फायदा शराब की तस्करी करने वालों ने भी उठाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। अवैध तरीके से शराब की भारी खेप अपनी गाड़ियों में भर कर ले गए। इसी बीच गगरेट पुलिस ने देशी शराब की खेप लेकर जा रही एक गाड़ी को पकड़ने में सफलता हासिल की। पुलिस ने गाड़ी में भरकर ले जाई जा रही बीस पेटी देशी शराब के साथ एक व्यक्ति को रंगे हाथ पकड़ने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने इस बावत आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। जिसे बाद में निजी मुचलके पर जमानत पर रिहा कर दिया गया।

31 मार्च पर कई शराब के ठेकों पर शराब की खुली सेल लगी। सस्ती शराब को इकट्ठा करने में कुछ लोग ऐसे लगे कि सारे नियम व कानून भी भूल गए। शराब की दुकानों से एक आदमी अधिकतम जितनी शराब खरीद सकता है उससे भी कहीं अधिक शराब उठाने में कई लोगों ने जरा देर नहीं लगाई।

गगरेट में भी पुलिस ने एक ऐसी कार पकड़ी जिसमें शराब की करीब बीस पेटियां भरी थीं। पुलिस ने जब वाहन चालक से शराब के वैध दस्तावेज मांगे तो चालक शराब से संबंधित कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। हालांकि मामले को रफा-दफा करवाने के लिए भी पुलिस पर दवाब बनाने के प्रयास हुए लेकिन पुलिस ने कानून को अधिमान देते हुए आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर पकड़ी गई शराब की खेप को कब्जे में ले लिया। हालांकि शराब की खेप पर फार सेल इन हिमाचल आनली अंकित है। जिससे पुलिस भी यही कयास लगा रही है कि 31 मार्च को शराब की कई दुकानों पर शराब के दाम में दी गई भारी छूट के चलते ही यह शराब की खेप किसी स्थानीय शराब के ठेके से ही उठाई गई है।

पकड़े गए आरोपी की शिनाख्त अंश निवासी गुगलैहड़ के रूप में हुई है। डीएसपी डा. वसुधा सूद ने बताया कि गगरेट पुलिस ने बीस पेटी शराब के साथ एक युवक को पकड़ने में सफलता हासिल की है। इस बावत मामला दर्ज कर आगामी कार्रवाई की जा रही है।

आज से शुरू होगा निशुल्क ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण

अनंत ज्ञान, ऊना। आरसेटी ऊना के निदेशक पारूल बेदी ने जानकारी दी कि पंजाब नेशनल बैंक द्वारा संचालित ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) में 1 अप्रैल से ब्यूटी पार्लर मैनेजमेंट में प्रशिक्षण दिया जाएगा। यह प्रशिक्षण निशुल्क रहेगा, जिसमें 18 से 45 वर्ष आयु वर्ग के अभ्यर्थी भाग ले सकते हैं। प्रशिक्षण के लिए आधार कार्ड, राशन कार्ड और 3 पासपोर्ट साइज फोटो लाना अनिवार्य रहेगा। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण के लिए सीमित सीटें उपलब्ध हैं, पंजीकरण पहले आओ पहले पाओ के आधार पर होगा।

पारूल बेदी ने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान निशुल्क आवास और भोजन की सुविधा दी जाएगी। प्रशिक्षण पूरा होने के बाद अभ्यर्थियों प्रशिक्षुओं को सरकारी पंजीकृत प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएंगे जिससे वे अपना व्यवसाय शुरू करने के लिए ऋण लेने के भी पात्र होते हैं। अधिक जानकारी के लिए संपर्क नंबर 97364-81976 पर संपर्क किया जा सकता है।

रायपुर मैदान स्कूल के शिक्षक रमेश चंद बंगा शिक्षा और समाज सेवा के प्रेरणास्रोत

अनंत ज्ञान, ऊना

राजकीय प्राथमिक केंद्र पाठशाला रायपुर मैदान में तैनात केंद्र मुख्य शिक्षक रमेश चंद बंगा ने शिक्षा और समाज सेवा के क्षेत्र में अनुकरणीय योगदान दिया है। 1 जनवरी 1987 से शिक्षा विभाग में अपनी सेवाएं दे रहे बंगा ने विभिन्न पाठशालाओं में न केवल बच्चों को शिक्षित किया, बल्कि सांस्कृतिक, खेलकूद और सामाजिक गतिविधियों में भी सक्रिय भूमिका निभाई।

शिक्षा क्षेत्र में योगदान : श्री बंगा ने अपने करियर की शुरुआत राजकीय प्राथमिक पाठशाला दोवड़, शिक्षा खंड बंगाणा से स्वयंसेवी अध्यापक के रूप में की। उनके प्रयासों से स्कूलों में बुनियादी सुविधाओं का विकास हुआ। उन्होंने पाठशालाओं में बिजली की फिटिंग्स, फर्श निर्माण, बाड़बंदी, फूलों की फुलवारी और अन्य आधारभूत संरचनाओं का निर्माण करवाया।

6 सितंबर 1995 को नियमित होने पर राजकीय प्राथमिक पाठशाला थपलां में अपनी सेवाएं शुरू कीं, जहां पानी की समस्या का शीघ्र ही समाधान करवाया। उन्होंने बच्चों के शैक्षिक और भौतिक विकास पर विशेष ध्यान दिया, जिसके परिणामस्वरूप कई छात्र उच्च पदों पर आसीन हुए।

समाज सेवा में अभूतपूर्व योगदान : शिक्षक के रूप में अपनी जिम्मेदारियों से आगे बढ़कर बंगा ने पाठशालाओं में जलापूर्ति, चारदीवारी निर्माण, स्वच्छता और अन्य सुविधाओं की व्यवस्था की। राजकीय प्राथमिक पाठशाला कुसियाला में 10 वर्षों तक अपनी सेवाएं देते हुए उन्होंने पाठशाला की दशा सुधारने के लिए निजी और सरकारी स्तर पर प्रयास किए। इसी तरह, राजकीय प्राथमिक पाठशाला तलाई में भी उन्होंने विद्यालय सुधार कार्यों को प्राथमिकता दी, जिसके चलते विद्यालय को स्वच्छता अभियान में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ।

समाज और शिक्षा के प्रति संकल्पबद्ध : रमेश चंद बंगा का उद्देश्य केवल शिक्षण तक सीमित नहीं है, बल्कि वे समाज को शिक्षित और जागरूक बनाने के लिए निरंतर कार्यरत हैं। उनका मानना है कि यदि समाज शिक्षित होगा, तो क्षेत्र और जिले का नाम भी गौरव से लिया जाएगा। इसके लिए अभिभावकों का सहयोग अत्यंत आवश्यक है। उनकी निस्वार्थ सेवा और समर्पण के कारण वे शिक्षा क्षेत्र में एक प्रेरणास्रोत बने हुए हैं। उनकी इस योगदान भरी यात्रा को संज्ञान में रखते हुए, उन्हें समाज से भरपूर समर्थन और सम्मान मिल रहा है।

चैत्र नवरात्र पर श्रद्धालुओं ने दीप किए प्रज्जवलित

अनंत ज्ञान, बंगाणा

हिंदू नववर्ष एवं चैत्र नवरात्र के पावन अवसर पर बंगाणा के प्रसिद्ध माता जमासनी मंदिर में श्रद्धालुओं ने अपार श्रद्धा एवं भक्तिभाव से माता का पूजन-अर्चना की। इस अवसर पर हजारों दीप जलाए गए, जिससे पूरा मंदिर परिसर एक अद्भुत आभा से आलोकित हो उठा। भक्ति और उल्लास के इस आयोजन में कुटलैहड़ के विधायक विवेक शर्मा ने भी हजारों श्रद्धालु के साथ शिरकत करके माता रानी का आशीर्वाद प्राप्त किया।

नवरात्र के शुभारंभ पर मंदिर में विशेष भजन संध्या का आयोजन किया गया, जिसमें प्रसिद्ध कथा व्यास आचार्य जगमोहन शास्त्री जी ने भजनों के माध्यम से मां दुर्गा की महिमा का गुणगान किया। इस दौरान श्रद्धालुओं ने भजनों पर नृत्य कर अपनी श्रद्धा व्यक्त की। विधायक ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई। उन्होंने श्रद्धालुओं को हिंदू नव वर्ष एवं नवरात्रों की हार्दिक शुभकामनाएं दीं और माता रानी से समस्त क्षेत्रवासियों की सुख-समृद्धि की प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि हिंदू नववर्ष आत्मचिंतन और नई ऊर्जा प्राप्त करने का अवसर होता है,और नवरात्रों में देवी की आराधना से हमें शक्ति और सकारात्मकता मिलती है।

इस अवसर पर मंदिर में विशेष अनुष्ठान, हवन और मां दुर्गा के नौ रूपों की पूजा की गई। भक्तों ने मां जमासनी के चरणों में नारियल, चुनरी और फल अर्पित किए। साथ ही, विशाल भंडारे का आयोजन भी किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। नवरात्र के पहले दिन माता जमासनी मंदिर में उमड़ी भक्तों की भीड़ ने आयोजन को ऐतिहासिक बना दिया। मंदिर प्रबंधन कमेटी के अनुसार इस बार विशेष रूप से दीप प्रज्ज्वलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिससे पूरा वातावरण दिव्य हो गया।

इस पावन अवसर पर सभी भक्तों ने माता रानी से परिवार, समाज और देश की खुशहाली की प्रार्थना की और नवरात्रों के दौरान शक्ति, भक्ति और समर्पण की भावना को आत्मसात करने का संकल्प लिया। इस मौके पर कुटलैहड़ कांग्रेस अध्यक्ष राम आसरा शर्मा एवं क्षेत्र के विद्वान मौजूद थे।

विधायक विवेक शर्मा ने आग से हुए नुकसान का लिया जायजा

अनंत ज्ञान, बंगाणा

पीड़ित को दिया हरसंभव मदद का आश्वासन

कुटलैहड़ विधानसभा क्षेत्र के विधायक विवेक शर्मा ने सोमवार को बंगाणा बाजार में लगी भीषण आग से हुए नुकसान का जायजा लिया। इस अग्निकांड में अश्वनी धीमान की दुकान जलकर खाक हो गई थ, जिससे उसे लगभग दस लाख रुपए का नुकसान हुआ। घटना का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है।

विधायक विवेक शर्मा ने मौके पर पहुंचकर पीड़ित अश्वनी धीमान से मुलाकात की और हरसंभव सहायता देने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि प्रशासन को निर्देश दिया गया है कि जल्द से जल्द दुकानदार को राहत राशि प्रदान की जाए, ताकि वह अपने व्यवसाय को फिर से खड़ा कर सके। उन्होंने कहा कि सरकार और स्थानीय प्रशासन पीड़ित परिवार के साथ खड़ा है और उन्हें किसी भी तरह की परेशानी नहीं होने दी जाएगी। इसके बाद विधायक विवेक शर्मा ने बंगाणा कार्यालय में जनसमस्याओं को सुना और मौके पर मौजूद अधिकारियों को त्वरित समाधान के निर्देश दिए। बड़ी संख्या में लोग अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे थे, जिनमें सड़क, बिजली, पानी, पेंशन और भूमि संबंधी मुद्दे शामिल थे।

विधायक विवेक ने कहा कि क्षेत्र के विकास और जनता की भलाई के लिए सरकार प्रतिबद्ध है और उनकी समस्याओं का जल्द से जल्द निपटारा किया जाएगा। इसके अलावा विधायक विवेक शर्मा ने कुटलैहड़ विधानसभा क्षेत्र में आयोजित विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों में भी भाग लिया। उन्होंने स्थानीय मंदिरों में पूजा-अर्चना की और क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की। इस मौके पर एसडीएम बंगाणा अमित कुमार, खंड विकास अधिकारी सुशील कुमार, कुटलैहड़ कांग्रेस अध्यक्ष राम आसरा शर्मा, जगदीश शर्मा, केसी शर्मा के अलावा पार्टी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नशामुक्त समाज निर्माण में आएगा बदलाव

अनंत ज्ञान, ऊना

मैहतपुर में ब्रह्मकुमारीज प्रभु साधना भवन के शिलान्यास पर बोलीं आशा दीदी

ऊना जिले के अंतर्गत मैहतपुर औद्योगिक नगर में ब्रह्मकुमारीज के नए सेवा केंद्र प्रभु साधना भवन का शिलान्यास हुआ। इसमें ब्रह्मकुमारीज जिला प्रमुख आशा दीदी, मैहतपुर केंद्र की प्रमुख बबिता बहन, अंब केंद्र से रितू बहन, सवारी टकोली केंद्र से हरजीत बहन, अवधेश भाई, हिमाचल प्रशासनिक सेवा के अधिकारी विनय मोदी, डॉ. किरण बहन, ऊनकोफैड के चेयरमैन राजेंद्र शर्मा, स्थानीय गणमान्य अतिथि, श्रद्धालु व समाजसेवी भाई-बहनों की उपस्थिती में हुआ।

शिलान्यास व भूमि पूजन मंत्रोच्चार के बीच ब्रह्मकुमारीज के प्रतिनिधि आशा दीदी, अशोक भाई, अवदेश भाई व बबिता बहन के करकमलों द्वारा संपन्न हुआ। इस आध्यात्मिक केंद्र का उद्देश्य क्षेत्रीय जनता के लिए ध्यान, योग, नैतिक शिक्षा तथा आत्मिक जागरूकता से जुड़े कार्यक्रमों का संचालन करना है। कार्यक्रम की शुरुआत आध्यात्मिक गीत और मौन ध्यान से हुई। इसका संचालन डॉ. किरण बहन ने राजयोग से करवाया। वरिष्ठ ब्रह्माकुमारी आशा दीदी ने इस सेवा केंद्र की स्थापना से इस क्षेत्र में आध्यात्मिक, समाजिक व परिवर्तन के साथ नौजवानों में संस्कारित व नशामुक्त समाज निर्माण की दिशा में क्रांतिकारी बदलाव आएगा। मैहतपुर सेवा केंद्र की प्रभारी ब्रह्मकुमारीज बबिता बहन ने कहा कि यह केंद्र समाज में आध्यात्मिक मूल्यों को पुनर्स्थापित करने में सहायक सिद्ध होगा और मानसिक शांति, नैतिकता और सकारात्मक जीवनशैली को बढ़ावा देगा।

पधारे ब्रह्मकुमारीज भाई-बहनों व अतिथियों ने भी अपने सुविचार से शुभसंदेश व शुभकामनाएं दी। स्थानीय समुदाय ने इस पहल का हृदय से स्वागत किया और आशा व्यक्त की कि यह केंद्र आने वाले समय में क्षेत्र के लिए एक प्रेरणास्रोत बनेगा।

पूर्व सरकार ने किया था मां जमासनी मंदिर के विकास का मास्टर प्लान तैयार : कंवर

अनंत ज्ञान, बंगाणा

राज्य भाजपा उपाध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री वीरेंद्र कंवर ने हिंदू नववर्ष पर बंगाणा के ऐतिहासिक माता जमासनी मंदिर में रखे विशाल जागरण में शिरकत की। वहीं, मंदिर में पूजा-अर्चना करने के बाद माता रानी का आशीर्वाद लिया।

पूर्व मंत्री वीरेंद्र कंवर ने कहा कि माता जमासनी मंदिर के विकास को लेकर हमने एक आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित करने के लिए मास्टर प्लान तैयार किया गया था। उन्होंने बताया कि पूर्व धूमल सरकार और जयराम सरकार के कार्यकाल में मंदिर के विकास के लिए लाखों रुपए खर्च किए गए थे। वीरेंद्र कंवर ने बताया कि माता जमासनी मंदिर क्षेत्र में बड़े स्तर पर विकास कार्य किए गए हैं।

इसमें एक विशाल हॉल, मंच और शौचालयों आदि का निर्माण शामिल है। इन सुविधाओं से मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिल रही हैं। इस मौके पर पूर्व मंडल अध्यक्ष एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता चरणजीत शर्मा, ह्यूमन राइट विंग के प्रदेश के चेयरमैन अजय ठाकुर, बीडीसी सदस्य राजेंद्र रिंकू, मास्टर रमेश शर्मा पूर्व प्रधान निर्मल सिंह के अलावा बड़ी संख्या में गणमान्य मौजूद रहे।

प्रेरित लखरुंह में वॉलीबॉल टूर्नामेंट के समापन पर यूथ विंग के राज्य चेयरमैन ने युवाओं को किया आह्वान

नशे से दूर रहकर खेलों पर ध्यान दें युवा : अजय

अनंत ज्ञान, ऊना

वॉलीबॉल की विजेता टीम को सम्मानित करते मुख्य अतिथि अजय ठाकुर।

सरकार युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के सौजन्य से जन चेतना युवक मण्डल समलाड़ा द्वारा दो दिवसीय जिला स्तरीय वॉलीबाल टूर्नामेंट का समापन हुआ। यह कार्यक्रम जसाना पंचायत में लखरूंह गांव में करवाया गया। कार्यक्रम के समापन के मुख्य अतिथि ऑल इंडिया ह्यूमन राइट यूथ विंग के राज्य चेयरमैन अजय ठाकुर रहे।

युवा स्वयंसेवी एवं जन चेतना युवक मंडल समलाड़ा के सदस्य अक्षय शर्मा ने बताया कि टूर्नामेंट में 10 टीमों ने भाग लिया। इमसें फाइनल खेल रही टीम जसाना व टीम बड़ूही के बीच अंधेरा होने के कारण बराबर का मुकाबला रहा। इसमें विजेता टीम को 7100 रुपए व ट्रॉफी तथा उपविजेता टीम को 5100 रुपए के साथ ट्राफी दी गई। देश में नशे की लत एक गंभीर समस्या बनती जा रही है, खासकर युवाओं के बीच। इसे रोकने के लिए केंद्र सरकार नशा मुक्ति अभियान के तहत हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं । राष्ट्रीय ह्यूमन राइट विंग के प्रदेश अध्यक्ष अजय ठाकुर ने कहा कि युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन बेहद जरूरी है।

ठाकुर के अनुसार, सरकार भी इस दिशा में कई योजनाएं चला रही है और खेल सुविधाओं के विस्तार पर विशेष ध्यान दे रही है। केंद्र सरकार ने हाल ही में 'खेलो इंडिया' योजना के तहत कई राज्यों में खेल सुविधाओं का विकास किया है। अजय ठाकुर ने अपने संबोधन में कहा कि क्षेत्र के युवाओं में फैली नशे की लत को छुड़वाने के लिए हम सभी को आगे आना होगा तथा युवाओं को खेलों में ध्यान लगाकर नशे से दूर रखना चाहिए, क्योंकि युवाओं में खेल के प्रति रुचि उन्हें नशे से दूर रखने में सहायक होती है।

युवाओं को चाहिए कि वह अपने अंदर खेलों के प्रति लगाव पैदा करते हुए किसी भी खेल का हिस्सा बनें, क्योंकि आजकल प्रदेश में नौजवान पीढ़ी चिट्टे की लत में फंसती जा रही है, जो कि आने वाले समय में बहुत ही घातक सिद्ध हो सकती है। यही नहीं इससे न जाने कितने घरों के चिराग बुझ रहे हैं तथा धीरे-धीरे यह नशा गांव-गांव में भी बढ़ता जा रहा है। इसके लिए हम सभी अर्थात हर एक बच्चों के परिजनों को जागरूक रहना होगा।

यह सोचना होगा की किस तरह से अपने बच्चों को बाद दूसरों को भी इस नशे के प्रति जागरूक किया जाए, ताकि हमारे नौजवान पीढ़ी इस जंजाल से बची रहे। ऐसे में युवाओं को भी चाहिए कि वह नशे की लत से दूर रहकर अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखते हुए खेलों की ओर बढ़ावा दें तथा स्वयं भी नशे से दूर रहें और दूसरों को भी इससे दूरी बनाकर रखने के लिए प्रेरित करें। इस कार्यक्रम में प्रमुख रूप से हिमाचल प्रदेश वॉलीबाल समिति के प्रदेश सहसचिव मदन राणा, शशि राणा, विपिन राणा, जेई सचिन शर्मा, सौरभ शर्मा, प्रवीण, मनु, बाबू, मंजीत, तनु, बल्लू व अन्य गांववासी मौजूद रहे।

उपमुख्यमंत्री केंद्र की योजनाओं पर ले रहे श्रेय : रामकुमार

अनंत ज्ञान, ऊना। हरोली भाजपा के नेता प्रोफेसर रामकुमार ने कहा कि उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री केंद्र सरकार की योजनाओं पर झूठी वाहवाही लूटने का प्रयास कर रहे हैं। भाजपा नेता प्रो. रामकुमार ने सोमवार को जिला भाजपा कार्यालय ऊना में पत्रकार वार्ता के दौरान कहा कि गत दिवस ऊना मुख्यालय पर डिप्टी सीएम ने पत्रकारवार्ता में हरोली में विकास के मुद्दों पर तथाकथित कहानी गढ़ी है। सच्चाई यह है जिस बीत एरिया लिफ्ट इरिगेशन स्कीम-2 पर वह वाहवाही लूट रहे हैं, वह केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना है।

डिप्टी सीएम क्यों इस योजना का नाम लेने से कतराते रहे? इसके लिए वह प्रधानमंत्री का आभार तक व्यक्त नहीं कर पाए। प्रो. रामकुमार ने कहा कि हरोली के विकास में केंद्र सरकार का अहम योगदान हैं। प्रदेश के सबसे बड़े फार्मा प्रोजेक्ट बल्क ड्रग पार्क केंद्र सरकार ने प्रदेश को दी सौगात है, जो हरोली में बन रहा है। पंडोगा-त्यूड़ी पुल पर केंद्र सरकार पैसा खर्च कर रही है। यह पुल सीआरएफ के तहत बन रहा है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी व सांसद अनुराग ठाकुर ने इसका शिलान्यास किया था। केंद्र में जब-जब भाजपा सरकारें आई हैं, प्रदेश व हरोली को बड़े-बड़े प्रोजेक्ट मिले हैं। केंद्र सरकार ने ही हरोली को ट्रिपल आईटी, केंद्रीय विद्यालय, बल्क ड्रग पार्क, बीत एरिया इरिगेशन स्कीम-2, पंडोगा-त्यूड़ी पुल दिया है।

पतलीकूहल में 26 ग्राम चिट्टे सहित व्यक्ति काबू

अनंत ज्ञान, पतलीकूहल

पुलिस थाना पतलीकूहल की टीम ने जंर 16 मील में 26 ग्राम चिट्टे सहित एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस की जानकारी के अनुसार जब पतलीकूहल पुलिस की टीम 16 मील में हॉट एयर बैलून कैंप के समीप गश्त पर थी, तो उस समय एक व्यक्ति की शक के आधार पर तलाशी ली गई।

तलाशी के दौरान व्यक्ति के कब्जे से 26 ग्राम चिट्टा बरामद हुआ। पुलिस ने आरोपी को चिट्टे के साथ गिरफ्तार कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है। आरोपी की पहचान अमित गुप्ता (38) पुत्र सुशील कुमार निवासी फ्लैट नंबर 9 एंजल अपार्टमैंट, भादल कॉलोनी जीरकपुर, एसएएस नगर मोहाली, पंजाब के रूप में हुई है। पुलिस ने अमित गुप्ता के खिलाफ पुलिस थाना पतलीकूहल में एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

उधर, डीएसपी मनाली केडी शर्मा ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि पुलिस ने नियमानुसार कार्रवाई करने के बाद बरामद नशे की खरीद-फरोख्त का पता लगाने के लिए आगामी जांच शुरू कर दी है और आरोपी को न्यायालय में पेश करने की प्रक्रिया भी जारी है।

मणिकर्ण हादसा : तीन मृतकों की भी हुई पहचान

कमलेश वर्मा, कुल्लू

जिला कुल्लू के मणिकर्ण में हुए हादसे के दूसरे दिन सभी मृतकों के शव का पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सौंपे गए।

इस हादसे में छह लोगों की मौत हुई थी, जिनमें से तीन की शिनाख्त हो गई थी, जबकि शेष बचे अन्य तीन की भी शिनाख्त हो गई है। इनकी पहचान सोमवार सुबह हुई ये हरियाणा ज़कूल ऑफ डिजिटल मार्केटिंग हिसार के विद्यार्थी थे। इसमें एक छात्रा और दो छात्र थे। इनकी पहचान संस्थान में उनके साथी विद्यार्थियों ने की। गुलशन कुमार पुत्र शुक्र चंद गांव व डाकघर ढाणखुर्द, तहसील हांसी, हिसार, हरियाणा, दिंता कौर पुत्री हरजिंद्र सिंह निवासी हाउस नंबर-469 अमर बिहार फेस-दो नजदीक गोदारा पेट्रोप पंप, हिसार और मनीष कुमार पुत्र महेंद्र कुमार गांव निवासी वार्ड नंबर-18 रायगढ़ बस्ती तार नगर चूरू राजस्थान के रूप में हुई। इसमें दो विद्यार्थियों के शव को पोस्टमार्टम कर संस्थान से आए शिक्षकों और

अनंत ज्ञान फॉलोअप

विद्यार्थियों को सौंप दिया है, जबकि छात्रा का शव मंगलवार को सौंपा जाएगा। इसके अलावा हादसे में मृतक रीना पुत्री हंस राज, गांव इंद्रवाल डाकघर बनूल तहसील बोंजबा जिला किश्तवाड़ जम्मू- कश्मीर, वर्शिणी पुत्री रमेश बाबू मकान नंबर23,11ए, विजय नगर, बेंगलुरु और समीर गुरुंग निवासी नेपाल का भी पोस्टमार्टम कर शव परिजनों के हवाले कर दिया है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी कुल्लू डॉ. एनआर पवार ने कहा कि सभी मृतकों की पहचान हो गई है और पोस्टमार्टम कर शव सौंपे गए हैं। कुल्लू अस्पताल में उपचाराधीन दो घायलों को परिवार के लोग बेंगलुरु ले गए हैं। पांच अन्य घायलों को छुट्टी दे दी है। एडीएम कुल्लू अश्वनी कुमार ने कहा कि मृतकों को 25-25 हजार और घायलों को 10-10 हजार रुपए की फौरी राहत दी गई। (अनंत ज्ञान)

मृतक छात्रा के परिजनों से संपर्क में हुई दिक्कत

मणिकर्ण हादसे में मृतक छात्रा दिंता कौर का परिजनों से संपर्क करने में पुलिस व प्रशासन को सुबह से लेकर शाम तक दिक्कत का सामना करना पड़ा। शाम के समय छात्रा के परिजनों का पता किया गया, अब उन्होंने मंगलवार तक कुल्लू आने की बात कही है। एएसपी कुल्लू संजीव चौहान ने कहा कि मृतक छात्रा के ननिहाल वालों से बात हो गई है।

सभी मृतकों का पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सौंपे

मणिकर्ण में पेड़ गिरने से हुए हादसे में मृतक छह लोगों का पोस्टमार्टम करवा दिया गया है। सोमवार सुबह कुल्लू अस्पताल के डॉक्टरों ने सभी 6 शवों का पोस्टमार्टम कर परिजनों को सौंप दिया है। इसमें तीन हिसार स्थित एक संस्थान के विद्यार्थी भी शामिल हैं, जिनकी इस हादसे में मौत हुई है। बेंगलुरु के दो घायल लोगों को उपचार के लिए बेंगलुरु ले जाया गया है।

रामबाग से मनाली गांव बाइपास सड़क का कार्य जल्द होगा शुरू : भुवनेश्वर

अनंत ज्ञान, मनाली

कहा- चिट्टा तस्करी को लेकर सरकार गंभीर, मौत की सजा का भी प्रावधान

मनाली के विधायक भुवनेश्वरी गौड़ ने कहा कि मनाली के रामबाग से मनाली गांव तक बनने वाली बाइपास सड़क का कार्य अप्रैल के मध्य में शुरू हो जाएगा। इस सड़क के बन जाने से माता हिडिंबा सहित मनु मंदिर की ओर जाने वाले पर्यटकों व लोगों को ट्रैफिक जाम की समस्या का समाधान नहीं करना पड़ेगा। विधायक रविवार देर शाम मनाली में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। विधायक ने कुल्लू-मनाली नेशनल हाइवे की हालत पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि कहीं पर हालात ऐसे हैं कि दोनों गाड़ियां भी आर पार नहीं हो पाती। गौड़ ने कहा कि डोहरनाला टोल प्लाजा का विरोध जारी रहेगा। 60 किमी दूरी पर टोल प्लाजा लगाने का प्रावधान है, जबकि टकोली से दोहरनाला की दूरी 40 किमी भी नहीं है। उन्होंने नेशनल हाइवे को आग्रह किया कि कुल्लू-मनाली नेशनल हाइवे की हालत जल्द नहीं सुधारी, तो बरसात से भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। चिट्टे को लेकर प्रदेश सरकार गंभीर है। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश में अब चिट्टा तस्करों को मृत्युदंड मिलेगा। सरकार ने चिट्टे की तस्करी सहित अन्य अपराधों पर कड़ाई बरतने के लिए हिमाचल प्रदेश संगठित अपराध, निवारण और नियंत्रण विधेयक 2025 को विधानसभा में पारित कर दिया है। विधेयक में किए गए प्रावधानों के तहत चिट्टा तस्करी, नकली शराब बेचने और इस तरह के अन्य संगठित अपराध से यदि किसी की मौत होती है, तो दोषियों को आजीवन कारावास या मृत्युदंड तक मिल सकता है।

एनएचपीसी के निदेशक ने पार्बती जलविद्युत परियोजना चरण-दो का किया दौरा

कमीशनिंग के लिए चल रहे कार्यों की समीक्षा की

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू

संजय कुमार सिंह, निदेशक (परियोजनाएं व तकनीकी), एनएचपीसी ने को पार्बती जलविद्युत परियोजना, चरण-2 का दौरा किया।

इस दौरान निदेशक ने सुप्रकाश अधिकारी, कार्यपालक निदेशक (ओएंडएम), निर्मल सिंह, कार्यपालक निदेशक पार्बती-दो और संदीप मित्तल, कार्यपालक निदेशक (पीएमएसजी) सहित पावर हाउस साइट का दौरा किया व परियोजना की कमीशनिंग के लिए चल रहे अंतिम कार्यों की समीक्षा की। निदेशक ने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को परियोजना की तीन इकाइयों के सफल ट्रायल रन होने पर बधाई दी और चौथी इकाई के कार्य को जल्द पूरा करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि सभी अधिकारियों और कर्मचारियों के कठिन परिश्रम, समर्पण और टीमवर्क का परिणाम है। इसके बाद निदेशक ने पार्बती-दो परियोजना के नगवाईं कार्यालय में वरिष्ठ अधिकारियों तथा मेजर कार्यों के ठेकेदारों के साथ परियोजना के बचे हुए कार्यों के बारे में समीक्षा बैठक की। संजय ने निर्मल सिंह, कार्यपालक निदेशक की उपस्थिति में नगवाई परिसर का दौरा कर निरीक्षण किया।

हाइड्रो प्रोजेक्ट्स का समझौता जनभावनाओं के विरुद्ध : मार्कंडेय

अनंत ज्ञान ब्यूरो, केलांग

पूर्व मंत्री डॉ. रामलाल मार्कंडेय ने कहा कि हिमाचल सरकार द्वारा लाहौल-स्पीति में जनभावनाओं के खिलाफ हाइड्रो प्रोजेक्ट्स का समझौता हुआ है। वह इस समझौते का पूर्ण रूप से विरोध करते हैं।

हिमाचल सरकार ने तेलंगाना सरकार के साथ 29 मार्च 2025 को मयाड़ घाटी में (120 मेगावाट) और शेली में (400 मेगावाट) जलविद्युत परियोजनाओं के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। डॉ. रामलाल मार्कंडेय ने लाहौल-स्पीति की प्रबुद्ध जनता से कहा कि वह हमेशा लाहौल-स्पीति की जनता के साथ हैं। उन्होंने कहा कि हिमाचल सरकार लाहौल-स्पीति जिले के अस्तित्व को समाप्त करने पर तुली हुई है। लाहौल-स्पीति के हितों की रक्षा के लिए वह हमेशा अपनी प्रबुद्ध जनता के साथ खड़े हैं। उन्होंने सरकार से इस समझौते को तत्काल रद्द करने की मांग की। मार्कंडेय ने कहा कि लगभग 11 जल विद्युत परियोजनाओं का कार्य पूर्व में समाप्त कर दिया था। सरकार में रहते हुए भी सर्वजनिक तौर पर जलविद्युत परियोजनाओं का विरोध किया है और हमेशा विरोध करता रहूंगा। हम सभी ने किन्नौर और उतराखंड की त्रसिति को अपनी आंखों से देखा है। लाहौल-स्पीति की जनता इस जल विद्युत हाइड्रो प्रोजेक्ट्स को कभी लगने नहीं देगी। लाहौल-स्पीति की प्रबुद्ध जनता के लिए जो भी कुर्बानी देनी पड़े वह देने को तैयार हैं। उन्होंने समस्त लाहौल-स्पीति की जनता से समर्थन देने का आग्रह किया।

तमलु गांव में डाकघर नाटक का मंचन

अनंत ज्ञान ब्यूरो, केलांग

बहिरंग थियेटर ग्रुप कुल्लू एवं लाहौल-स्पीति द्वारा उदयपुर ब्लॉक के चिमरट पंचायत के तमलु गांव में नाटक डाकघर का सफल मंचन किया। 45 दिन की इस नाट्य कार्यशाला में तमलु गांव के बच्चों व महिलाओं ने भाग लिया।

तमलु गांव के कलाकार सतीश कुमार, लोक गायक रवि नेहमा तथा बारदंग स्कूल के शिक्षक शेर सिंह मुख्यातिथि के तौर पर मौजूद रहे। संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार की मदद से संपन्न हुए नाटक डाकघर में एक अमली नाम की लड़की है, जिसको हीरी ने गोद लिया है, जो बीमार रहती है। हीरी उसे सभी लामा के पास लेके जाती है, उसके ईलाज के लिए पर उसको कुछ बीमारी होती है, जिसका कोई इलाज नहीं होता। अमली को घर से बाहर निकलने से मना किया जाता है पर अमली खिड़की के पास बैठी सभी आने-जाने वालों से बात करती रहती है। पहले वो दही वाली से बात करती है, फिर चौकीदार से फिर मुखिया से फिर एक सुधा नाम की लड़की आती है, उससे बात करती है। उसके बाद कुछ लड़के आते हैं, उनसे बात करती है। सभी से बात करते-करते उसकी तबियत खराब हो जाती है। अंतत: एक साधु मां आती है जो अमली का दिल बहलाने की कोशिश करती है। मुखिया जो क्रोध में झूठ बोलता है कि राजा ने अमली को चिट्ठी भेजी है और लुआड और छाती मांगा है। पर अंतत: राजा का संदेशवाहक आके बताता है कि राजा ने अपना वैद्य अमली के इलाज के लिए भेजा है। अंतत: वैद्य आके देखते हैं, तब अमली कहती है कि वो ठीक है और उसकी तबियत ठीक हो गई है। अंतत: दीपक बुझा दिए जाते हैं और अमली सो जाती है। नाटक को लाहौली परिवेश में ढाला गया व निर्देशित आरती ठाकुर ने किया। नाटक में लाहौली गानों का व लाहौली बोली का भी प्रयोग किया गया।

844 ग्राम चरस सहित युवक काबू

अनंत ज्ञान, कुल्लू। कुल्लू पुलिस ने चरस तस्करी के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। यह घटना रविवार देर शाम तब सामने आई, जब पुलिस टीम लगघाटी के नागुझोड़ स्थित पावर हाउस के पास गश्त पर थी।

इसी दौरान पुलिस ने एक व्यक्ति को शक के आधार पर पकड़ा और उसकी तलाशी लेने पर 844 ग्राम चरस बरामद हुई। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चरस की खेप को अपने कब्जे में ले लिया और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की पहचान 54 वर्षीय तुद्धि राम पुत्र बुध राम, निवासी ग्राम थाच, डाकघर दोघरी, तहसील और जिला कुल्लू के रूप में हुई है। पुलिस अधीक्षक डॉ. कार्तिकेयन ने बताया कि पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मादक पदार्थ अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया है। आरोपी को न्यायालय में पेश करने की प्रक्रिया पूरी की जा रही है।

हनुमान मंदिर जरड़ में नवरात्र पर रामचरित्र मानस कथा का आयोजन

अनंत ज्ञान, भुंतर

जरड़ में 4 से 12 तक होगी श्रीराम के नाम की अमृत वर्षा

जिला कुल्लू के भुंतर स्थित हनुमान मंदिर जरड़ में नवरात्र के पावन अवसर पर रामचरित्र मानस नवाहन यज्ञ का आयोजन किया जा रहा है।

हनुमान मंदिर कमेटी व श्रद्धालुओं के सहयोग से यह आयोजन 4 अप्रैल से 12 अप्रैल तक किया जाएगा। कथा वाचक पंडित गगन गौतम और यज्ञ आचार्य पंडित राजकुमार शर्मा अपनी अमृतमयी वाणी से भक्तजनों को निहाल करेंगे। हनुमान मंदिर कमेटी ने सभी भक्तजनों को रामचरित मानस की कथा का श्रवण करने के लिए आमंत्रित किया है। शुक्रवार, 4 अप्रैल को प्रात: 9 बजे वरूणावाहन, कलश स्थापना 10 बजे उसके उपरांत कथा का आयोजन 2 से सायं 5 बजे तक होगा। विक्रमी संवत-2082, चैत्र प्र. 30, शनिवार, 12 अप्रैल को पूर्णाहुति उसके बाद 11 से 1 बजे दोपहर तक कथा का आयोजन। दोपहर एक बजे से ब्रह्मभोज का आयोजन होगा। यह कथा धर्म के उस ध्येय वाक्य को स्थापित करती है, जो सत्यमेव जयते यानी कि सत्य की ही विजय होती है की बात करता है। सत्य की विजय होती जरूर है, लेकिन यह इतना भी आसान नहीं है, इसे कठिन बनाते हैं हमारे क्षण भर के लोभ, मोह, काम-क्रोध जैसे अवगुण।

श्रीराम के चरित्र की कथा इन्हीं विकारों पर विजय पाने का जरिया है। हनुमान कमेटी जरड़ के प्रधान प्रकाश व तमाम सदस्यगणों ने सभी भक्तजनों से रामचरितमानस के इस यज्ञ में भाग लेने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि इस धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेकर अपने जीवन को सफल बनाएं।

पिन वैली के सगनम में धूमधाम से मनाया यति फेस्टिवल

लोगों की आर्थिक स्थिति को मिला बल

अनंत ज्ञान ब्यूरो, काजा

लाहौल-स्पीति की विधायक अनुराधा राणा ने स्पीति के उपमंडल काजा के पिन वैली के सगनम पंचायत में आयोजित यति फेस्टिवल में बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। विधायक ने बुद्ध भगवान के चरणों में दीप प्रज्वलित एवं विधिवत पूजा-अर्चना के साथ इस फेस्टिवल का शुभारंभ किया।

पिन वैली के ग्रामीणों ने पारंपरिक वाद्ययंत्रों के साथ मुख्यातिथि का स्वागत किया और फिर याक की सवारी करते हुए कार्यक्रम स्थल तक लाया गया। यति फेस्टिवल का मुख्य उद्देश्य इस क्षेत्र की प्राचीन व समृद्ध संस्कृति एवं पुरानी परंपराओं को जीवित रखने के साथ-साथ यहां की समृद्ध संस्कृति से विशेषकर नई पीढ़ी एवं युवाओं और पर्यटकों को अवगत करवाना है। आज के आधुनिक युग में भी यहां के लोगों ने अपनी प्राचीन एवं समृद्ध संस्कृति को संजोए रखा है।

इस प्रकार के आयोजन से न केवल आपसी प्रेम और भाईचारे की भावना बढ़ती है, बल्कि अपनी पारंपरिक संस्कृति को प्रस्तुत करने के लिए एक उचित मंच भी मिलता है। उन्होंने यति फेस्टिवल के सफल आयोजन के लिए आयोजन समिति एवं स्थानीय लोगों की सराहना की। विधायक ने कहा कि मूद-भावा और लियो बाईपास सड़क निर्माण का मामला भी विधानसभा में पूरी मजबूती के साथ उठाया है। लाहौल-स्पीति भौगोलिक दृष्टि से भी कठिन क्षेत्र है इसलिए यहां के स्कूलों को बंद न करने के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री सूक्खू से आग्रह करेंगे, ताकि बच्चों को पढ़ाई के लिए दूर न जाना पड़े।

अनंत ज्ञान ब्यूरो, केलांग। जनजातीय जिला लाहौल-स्पीति के यति स्नो फेस्टिवल का सोमवार को सिस्सू हेलिपैड में समापन तीन दिवसीय कार्यक्रम के साथ विधिवत स्वरूप से हुआ।

जिला प्रशासन द्वारा सफलतापूर्वक तरीके से आयोजित यति स्नो फेस्टिवल के दौरान विभिन्न स्थलों पर कार्यक्रम आयोजित किए गए, जहां एक ओर देश व विदेश से आए पर्यटकों ने जिले की अनूठी वैभव शैली संस्कृति, पारंपरिक खान पान, पहनावा-आभूषण, स्थानीय हथकरघा उत्पाद व लजीज व्यंजनों का जायका, धार्मिक तीज त्योहार रीति रिवाजों को जीवंत तौर पर जाना। वहीं, दूसरी और इस क्षेत्र की मनोरम वादियों का भी दीदार कर जमकर लुत्फ उठाकर सुखद अनुभूति लेकर लौट रहे हैं। इस आयोजन से लोगों को प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष तौर पर स्वरोजगार के अवसर से लोगों की आर्थिक स्थिति को भी बल मिला है। जिला प्रशासन व स्थानीय लोगों के समन्वय तथा सामूहिक प्रयासों से पर्यटन व्यवसाय को अधिक मजबूती मिल रही है। जिले को विंटर स्पोर्ट्स के न्यू हब के तौर पर भी एक नई पहचान विश्व के पर्यटन मानचित्र पर दिलवाने के लिए प्रशासन पर्यावरण संरक्षण व संवर्धन को बढ़ावा देते हुए सराहनीय प्रयास कर रहा है।

इसके लिए प्रदेश सरकार भी कृत संकल्पित है। सिस्सू में यति स्नो फेस्टिवल के समापन अवसर के अंतिम दिन विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिताओं के प्रतिभागियों, स्थानीय जनप्रतिनिधियों को भी पुरस्कार देकर वन मंडल अधिकारी अनिकेत वनवे ने बतौर मुख्यातिथि नवाजा। वहीं, दूसरी ओर लाहौली फोक सिंगर रमेश ठाकुर की प्रस्तुतियों ने सैलानियों को जमकर नचाया। गरजा पीती एम्प्लाइज ग्रुप के कलाकारों ने भी अपनी रंगारंग प्रस्तुतियों से सब का मन मोह लिया। कलचर वॉरियर प्रोडक्शन के कलाकारों ने भी नुक्कड़ नाटक के माध्यम से नशे के दुष्प्रभावों के बारे में बेहतरीन प्रस्तुति दी। कार्यक्रम स्थल पर विभिन्न स्वयं सहायता समूहों के लजीज व्यंजनों के पर्यटकों ने खूब चटकारे लगाए तथा बर्फ में जम कर मौज-मस्ती के साथ-साथ हस्त उत्पादों के स्टॉल पर पर्यटकों ने खरीददारी की।

एनएच-305 प्राधिकरण की लापरवाही के खिलाफ स्थानीय लोग करेंगे प्रदर्शन

अनंत ज्ञान, सैंज

सराज क्षेत्र के निवासी औट से जलोरी जोत तक फैले राष्ट्रीय राजमार्ग-305 की खस्ता हालत से बेहद निराश हैं।

2012 में राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित होने और राज्य राजमार्ग संख्या 11 से अपग्रेड होने के बावजूद सड़क की हालत खस्ता है, जिससे दैनिक आवागमन, पर्यटन और स्थानीय आजीविका प्रभावित हो रही है। चौंकाने वाली बात यह है कि कागजों पर करोड़ों रुपए खर्च किए गए हैं, लेकिन जमीन पर कोई ठोस काम नहीं हुआ है। सेवानिवृत्त के अनुसार संघर्ष समिति 305 के मुख्य समन्वयक कैप्टन किशन चौहान ने कहा कि संबंधित विभाग में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार का संदेह है, जिससे स्थानीय लोगों में गुस्सा बढ़ रहा है। स्थानीय निवासी जगदीश ठाकुर ने कई लिखित और सार्वजनिक शिकायतों के बावजूद अधिकारियों द्वारा जनता की शिकायतों को दूर करने में विफलता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, एनएच-305 यात्रियों के लिए दु:स्वप्न बन गया है, जिससे पर्यटन और स्थानीय व्यवसाय बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं। कुल्लू का सराज क्षेत्र कई विश्व प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों का घर है, जिसमें ग्रेट हिमालयन नेशनल पार्क (यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल), संगराह, तीर्थन घाटी (ट्राउट एंगलिंग के लिए प्रसिद्ध), सेरोलसर झील और जिभी घाटी शामिल हैं, जो स्वास्थ्य पर्यटन के लिए एक उभरता हुआ केंद्र है। हालांकि, एनएच-305 की लगातार उपेक्षा क्षेत्र की आर्थिक संभावनाओं को गंभीर रूप से प्रभावित कर रही है। प्रकाश ठाकुर, गुमान सिंह सहित प्रमुख स्थानीय हस्तियां पदम सिंह, निहाल ठाकुर, वरुण भारती और हेम राज शर्मा (सेवानिवृत्त पर्यटन अधिकारी) ने तत्काल हस्तक्षेप की मांग दोहराई। उन्होंने कहा, एनएच-305 की स्थिति केवल असुविधा का मामला नहीं है, यह एक आर्थिक और सुरक्षा संबंधी खतरा है। इसके लिए तत्काल सरकारी कार्रवाई की आवश्यकता है। गुस्से और हताशा के एक एकीकृत प्रदर्शन में, स्थानीय हितधारकों, टैक्सी ऑपरेटर्स, किसान संघ, महिला मंडल और 25 से अधिक ग्राम पंचायतों के निवासी-जिसमें बालागाड़, बनोगी, चकुर्था, चानन, देउरीधार, देउठा, धाउगी शामिल हैं। यहां के लोग 1 अप्रैल को बंजार में एक बड़े विरोध प्रदर्शन के लिए एक साथ आएंगे।

उत्साह आनी में रोजगार मेले का हुआ आयोजन, 180 युवाओं ने करवाया पंजीकरण

आज का समय स्टार्टअप व उद्यमिता का: लोकेंद्र

अनंत ज्ञान, आनी

विश्राम गृह परिसर आनी में सोमवार को मिशन रोजगार हिमाचल के तहत हिमाचल प्रदेश की प्रमुख औद्योगिक संगठन लघु उद्योग संघ व हिमालया फाऊंडेशन बद्दी के सौजन्य से एक रोजगार मेले का आयोजन किया गया, जिसका विधिवत शुभारंभ आनी के विधायक लोकेंद्र कुमार ने बतौर मुख्यातिथि के रूप में किया।

उनके साथ एपीएमसी के पूर्व चेयरमैन अमर ठाकुर, भाजपा मंडल आनी के अध्यक्ष वेद ठाकुर तथा योगेश वर्मा विशेषातिथि के रूप में मौजूद रहे। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता मिशन रोजगार के प्रांत संयोजक डॉ. रणेश राणा ने की। इस मौके पर लघु उद्योग संघ के राज्य अध्यक्ष अशोक राणा व उपाध्यक्ष कश्मीर सिंह ठाकुर ने मुख्यातिथि सहित अन्य सभी विशिष्ट अतिथियों को टोपी मफलर व बैच पहनाकर सम्मानित किया और उन्हें स्मृति चिन्ह भी भेंट किए। इस अवसर पर मेले के अध्यक्ष नरेश भारद्वाज और अशोक राणा ने कहा कि विभिन्न संगठनों के सहयोग से लगने वाला यह प्रदेश में 10वां रोजगार मेला था। मिशन रोजगार के चेयरमैन कश्मीर सिंह ठाकुर ने बताया कि हिमाचल के उद्योगों में रोजगार की अपार संभावनाएं हैं।

बद्दी-बरोटीवाला नालागढ़ में उद्योगों को हिमाचली कर्मचारी नहीं मिल पाते, इसी उद्देश्य से हमने उद्योगों व बेरोजगारों के बीच हिमालया फाऊंडेशन व लघु उद्योग संघ को एक कड़ी के रूप में स्थापित किया है। हमारा उद्देश्य है कि प्रदेश के दूरदराज क्षेत्र में जाकर युवाओं को उनके घरद्वार पर रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाए जाएं। वहीं, हिमालया फाऊंडेशन की उपाध्यक्ष सुषमा और सपना ने कहा कि प्रदेश का कोई भी बेरोजगार उनकी वेबसाइट पर जाकर पंजीकरण करवा सकता है। विधायक ने कहा कि क्षेत्र के युवाओं में असीम प्रतिभा और कौशल है। जरूरत है तो उन्हें सही दिशा और अवसर प्रदान करने की। यह रोजगार मेला युवाओं को उनके सपनों को साकार करने और अपने कौशल का उपयोग करने का मंच प्रदान करेगा। विधायक ने कहा कि वे रोजगार योजनाओं और कौशल विकास कार्यक्रमों के माध्यम से हर युवा को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे केवल सरकारी नौकरियों पर निर्भर न रहें, बल्कि निजी क्षेत्र में आगे बढ़ें, जहां वे खुद रोजगार के अवसर उत्पन्न कर सकें। आज का समय स्टार्टअप्स और उद्यमिता का है और हिमाचल के युवा इस क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छू सकते हैं। इस अवसर पर विभिन्न कंपनियों, संस्थानों और सरकारी विभागों ने भाग लिया और युवाओं के लिए रोजगार और कौशल विकास के अवसरों की जानकारी दी। आनी में लगे रोजगार मेले में देश और राज्य की कई प्रतिष्ठित कंपनियों ने भाग लिया। सैकड़ों युवाओं ने यहां अपनी योग्यता और कौशल का प्रदर्शन किया।

रोजगार के लिए युवाओं में दिखा भारी उत्साह

आनी में आयोजित रोजगार मेले में आनी क्षेत्र सहित साथ लगते करसोग व सराज क्षेत्र के युवाओं में उत्साह दिखा। यहां लगभग 180 युवाओं ने नौकरी के लिए विभिन्न कंपनियों में अपना पंजीकरण करवाया। युवाओं ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि उन्हें इससे नई प्रेरणा और मार्गदर्शन मिला है। प्रतिभागियों ने कहा कि इस प्रकार के मेले न केवल रोजगार प्रदान करते हैं, बल्कि उनके कौशल और आत्मविश्वास को बढ़ाते हैं। मेले के अध्यक्ष नरेश भारद्वाज और अशोक राणा ने रोजगार के लिए स्थानीय अवसरों को बढ़ावा देने पर भी जोर दिया।

पुरातन संस्कृति के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही सूत्रधार संस्था : सेन

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू

सूत्रधार कला संगम कुल्लू द्वारा इस वर्ष पहली बार नव संवत्सर विक्रम संवत 2082 के अवसर पर प्रथम सूत्रधार नव संवत समारोह का आयोजन सूत्रधार भवन के सभागार में धूमधाम से किया गया।

कार्यक्रम में विजय सेन समाजसेवी एवं एमडी देवधाम रेस्टोरेंट व कांप्लेक्स बाशिंग ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की तथा रविंद्र सिंह जंवाल सेवानिवृत्त अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। कार्यक्रम में हिमाचल संगीत जगत के सुप्रसिद्ध संगीतकार एसडी कश्यप विशेषातिथि के रूप में उपस्थित रहे। संस्था द्वारा कार्यक्रम में पधारे मुख्यातिथि व अन्य गणमान्य लोगों का कुल्लवी परंपरा अनुसार शाल, टोपी व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में संस्था के कलाकारों द्वारा बहुत ही खूबसूरत गायन, वादन व नृत्य की प्रस्तुतियां दी गईं। इसमें रिया, दुर्गा, मंजू लता, विद्या, आंचल, धनवंती ट्विंकल, करिश्मा, विजय, संजय व जीवन ने अपनी गायकी से तथा कादंबनी, तानिया शर्मा व ट्विंकल ठाकुर ने अपने नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति देकर वाहवाही लूटी। इस मौके पर संस्था के उपाध्यक्ष कंवर वीरेंद्र सिंह द्वारा आए हुए सभी गणमान्य लोगों का स्वागत किया गया। उन्होंने कहा कि आज के इस आधुनिकता के दौर में धीरे-धीरे हमारी पुरानी सनातन संस्कृति क्षीण होती जा रही है। ऐसे में संस्था ने बीड़ा उठाया और नव संवत के अवसर पर प्रथम सूत्रधार नव संवत समारोह का आयोजन किया और आने वाले समय में इस समारोह को हर वर्ष आयोजित किया जाएगा। मुख्यातिथि ने कहा कि सूत्रधार संस्था पुरातन संस्कृति के संरक्षण सहित पर्यावरण संरक्षण व अन्य क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

कथेड़ में निर्माणाधीन अत्याधुनिक बहुउद्देशीय अस्पताल का स्वास्थ्य मंत्री ने किया निरीक्षण

20 करोड़ से निर्माण को मिलेगी गति

आर मोहन चौहान, सोलन

जिला मुख्यालय सोलन के कथेड़ में निर्माणाधीन अत्याधुनिक बहुउद्देशीय अस्पताल के निर्माण कार्य को 20 करोड़ रुपए से गति मिलेगी।

सरकार से इसके लिए 6 करोड़ रुपए की अतिरिक्त राशि जारी होगी। इससे पहले प्रदेश सरकार ने 14 करोड़ रुपए की राशि जारी की थी। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता तथा सैनिक कल्याण मंत्री कर्नल डॉ. धनीराम शांडिल ने विभाग को निर्माणाधीन साइट का निरीक्षण कर कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए साथ ही यहां से बिजली की हाई टेंशन तारें हटाने का कार्य शुरू करने को कहा। स्वास्थ्य मंत्री कर्नल शांडिल ने कहा कि अस्पताल का निर्माण कार्य नियमित रूप से चल रहा है। इस बारे केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा को भी अवगत करवाया गया है। कर्नल डॉ. धनीराम शांडिल ने कहा कि प्रदेश सरकार राज्य में बेहतर स्वास्थ्य अधोसंरचना उपलब्ध करवाकर नागरिकों को गुणवत्तायुक्त स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए सतत कार्य कर रही है। डॉ. शांडिल अस्पताल का निरीक्षण करने के उपरांत उपस्थित पंचायतीराज संस्थाओं, शहरी निकायों एवं विभिनन विभागों के अधिकारियों के साथ विचार-विमर्श कर रहे थे। मंत्री ने कहा कि इस 200 बिस्तर वाले बहुउद्देशीय अस्पताल में ट्रॉमा सेंटर के साथ-साथ मातृ शिशु इकाई का पृथक से निर्माण किया जा रहा है। बहुउद्देशीय अस्पताल के निर्माण पर लगभग 100 करोड़ रुपए व्यय किए जा रहे हैं। बहुउद्देशीय अस्पताल का लगभग 50 प्रतिशत निर्माण कार्य पूर्ण हो गया है। (अनंत ज्ञान)

तीन जिलों को मिलेगा लाभ

डॉ. शांडिल ने कहा कि तृतीय स्तर के ट्रॉमा सेंटर के निर्माण से प्रदेश के इस महत्वपूर्ण राजमार्ग पर आपातकालीन परिस्थितियों में बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध होगी और यह अस्पताल शिमला, सोलन और सिरमौर जिलों के साथ-साथ पर्यटकों के लिए गुणवत्तायुक्त स्वास्थ्य सुविधाओं का केंद्र सिद्ध होगा। यह अस्पताल रोगियों को अत्याधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करेगा और हर समय स्वास्थ्य विशेषज्ञ भी यहां उपलब्ध रहेंगे। बहुउद्देशीय अस्पताल निर्माण में धन की कमी आड़े नहीं आने दी जाएगी। उन्होंने अस्पताल के सी-खंड का निर्माण कार्य दिसंबर, 2025 तक पूर्ण करने तथा अन्य निर्माण कार्यों को समय अवधि में पूर्ण करने के संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बहुउद्देशीय अस्पताल के लोकार्पण के उपरांत शहर के क्षेत्रीय अस्पताल के भवन को सिटी अस्पताल रूप में आरंभ किया जाएगा।

कुशलक्षेम जाना

स्वास्थ्य मंत्री ने तदोपरांत सोलन अस्पताल का निरीक्षण भी किया और रोगियों का कुशलक्षेम जाना। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन वार्डों में अधिक रोगी भर्ती हैं, उनको अन्य वार्डों के खाली बिस्तरों पर शिफ्ट किया जाए। उन्होंने क्षेत्रीय अस्पताल में स्थापित दवाइयां के काउंटर को पांच बजे तक खुला रखने के निर्देश दिए। उन्होंने रोगियों की सुविधा के लिए स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को पर्ची का अन्य काउंटर खोलने की संभावनाएं तलाशने के निर्देश दिए।

नवरात्र उत्सव मंडल व दुर्गा संकीर्तन मंडल ने किया महामाई का गुणगान

अनंत ज्ञान, सोलन

नवरात्र उत्सव मंडल व नव दुर्गा संकीर्तन मंडल के सदस्यों ने चैत्र शुक्ल नवरात्र के प्रथम नवरात्र पर रविवार रात को मिलकर सोलन के शूलिनी माता मंदिर परिसर में प्रथम नवरात्र की देवी माता शैलपुत्री का नवरात्र पढ़ा व भोग लगाते हुए सोलन शहर की खुशहाली व जनता के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

गणपति वंदना, मंदिर जय माता दी, जय श्री श्याम के जयकारों से गूंज उठा, मेरा हाथ पकड़ लो माता, हरे रामा हरे कृष्णा, चोला पहनो व अन्य भजनों को हरीश मारवाह, प्रदीप अंग्रेवर, राकेश अग्रवाल, विकास ओबराए ने बहुत मधुर स्वरों के साथ गाया। मंदिर में आने वाले भक्त मंत्रमुग्ध हो गए। प्रदीप, हरीश मारवाह, राकेश अग्रवाल, किशन ग्रोवर, मुकेश गुप्ता, विकास ओबराए, रमेश सिंगला, जगमोहन खन्ना, सुन्नी गुप्ता, काकू, मोहन दत्त शर्मा, छोटू, राज कुमार भारद्वाज, सुरेंद्र भट्टी, राजेश सूद और अन्य भगत जनों ने मिलकर माता का गुणगान किया।

हरीश मारवाह ने बताया की हम पिछले तकरीबन 40 साल से नवरात्र पढ़ रहे हैं। सोलन शहर की खुशहाली और जनता के स्वास्थ्य एवं प्रगति के लिए माता से कामना करते हैं। शैलपुत्री देवी दुर्गा के नौ रूप में पहले स्वरूप में जानी जाती है। ये ही नवदुर्गाओं में प्रथम दुर्गा है। पर्वतराज हिमालय के घर पुत्री रूप में उत्पन्न होने के कारण इनका नाम शैलपुत्री पड़ा।

बाला सुंदरी मंदिर में दर्शनों के लिए भक्तों का लगा तांता

अनंत ज्ञान, नाहन

उत्तर भारत के प्रसिद्ध शक्तिपीठ श्रीबाला सुंदरी मंदिर त्रिलोकपुर में चैत्र नवरात्र पर हजारों भक्त माता के दर्शनों को पहुंचे।

मंदिर में सुबह पांच बजे से ही हरियाणा, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब और हिमाचल सहित अन्य राज्यों से हजारों की संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचना शुरू हो गए। सुबह से ही जो लाइनों का दौर शुरू हुआ वह देर रात तक जारी रहा। जिला सिरमौर के कार्यकारी उपायुक्त एलआर वर्मा और जिला सिरमौर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक योगेश रोल्टा ने पूजा-अर्चना के साथ त्रिलोकपुर मंदिर में आयोजित होने वाले 15 दिवसीय चैत्र नवरात्र मेले का शुभारंभ किया।

इस दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए शौचालय, पीने के पानी और पार्किंग की उचित व्यवस्था की गई है। साथ ही जगह-जगह मंदिर पहुंचने वाले श्रद्धालुओं के लिए मंदिर न्यास और अनदान कर्ता भक्तों ने श्रद्धालुओं के लिए भंडारों का आयोजन भी किया। श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरे और 300 से अधिक होम गार्ड व पुलिस जवान ड्यूटी पर तैनात हैं।

न्यूज ब्रीफ

बाइक अनियंत्रित होकर पुल से गिरी, 2 घायल

अनंत ज्ञान, नाहन। सैनवाला-कौलांवालाभूड़ सड़क पर एक बाइक अनियंत्रित होकर मझाड़ा पुल से नीचे जा गिरी, जिसमें दो लोग घायल हो गए। बाइक को अनूप चला रहा था, जबकि शशिकांत उसके साथ बाइक पर सवार था। तेज रफ्तार चलाने के कारण बाइक अनियंत्रित हो गई, जिसके चलते दोनों बाइक सवार पुल से नीचे जा गिरे। दोनों घायलों को नाहन लाया गया, जहां से चालक अनूप को पीजीआई चंडीगढ़ रेफर कर दिया गया, जबकि शशिकांत नाहन में उपचाराधीन हैं। एएसपी योगेश रोल्टा ने बताया कि इस संदर्भ में केस दर्ज कर हादसे के कारणों की जांच की जा रही है।

आंगनबाड़ी हेल्पर की नौकरी में धोखाधड़ी, मामला दर्ज

अनंत ज्ञान, दाड़लाघाट। दाड़लाघाट थाने में आंगनबाड़ी हेल्पर की नौकरी में धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक रीना देवी पत्नी पवन कुमार निवासी तून बढ़ियार (चाखड़) ने आरोप लगाया कि दीपा कुमारी पत्नी पंकज कुमार निवासी तून बढियार (चाखड़) ने अंपगता का जाली सर्टिफिकेट बनाकर आंगनबाड़ी हेल्पर की नौकरी प्राप्त की। इस मामले में पुलिस थाना दाड़लाघाट में शिकायत दर्ज की गई है और मामले की जांच की जा रही है, जिस पर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता बीएनएस की धारा 318 (4) के तहत मामला दर्ज कर लिया है। इस मामले में एसडीपीओ दाड़लाघाट संदीप शर्मा ने पुष्टि करते हुए बताया कि मामले की जांच की जा रही है और यदि आरोप सही पाए जाते हैं, तो दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

धुंदन स्कूल में मेधावी स्टूडेंट्स पुरस्कृत

अनंत ज्ञान, दाड़लाघाट। राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय धुंदन में वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित किया गया। प्रधानाचार्य सरताज सिंह राठौर ने परीक्षा परिणाम घोषित किया और सराहनीय परीक्षा परिणाम के लिए सभी विद्यार्थियों, अध्यापकों और अभिभावकों को बधाई दी। प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर आने वाले सभी विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। स्कूल प्रबंधन समिति के अध्यक्ष नीमचंद ठाकुर ने उपस्थित सभी विद्यार्थियों को मिष्ठान भी दिया। परीक्षा परिणाम के बाद स्कूल प्रबंधन समिति के अध्यक्ष नीमचंद ठाकुर की अध्यक्षता में शिक्षा संवाद का आयोजन किया गया। प्रवक्ता अमर सिंह वर्मा ने उपस्थित सभी अभिभावकों का स्वागत किया और शिक्षा संवाद से संबंधित मुख्य बिंदुओं पर चर्चा की। प्रधानाचार्य ने विद्यालय में हो रही गतिविधियों और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी स्कूल प्रबंधन समिति के सदस्यों और उपस्थित अभिभावकों के साथ साझा की।

संजय अवस्थी आज कुनिहार के प्रवास पर

अनंत ज्ञान, सोलन। अर्की के विधायक संजय अवस्थी आज अर्की विधानसभा क्षेत्र के प्रवास पर होंगे। संजय अवस्थी प्रथम सायं 4 बजे अर्की के कुनिहार स्थित खंड विकास अधिकारी कार्यालय के प्रांगण में अलंकार महोत्सव-दो के समापन समारोह में मुख्यातिथि होंगे।

प्राथमिक शिक्षा विभाग की टीम ने जीता क्रिकेट मैच

अनंत ज्ञान, सोलन। हिमाचल प्रदेश में नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से लॉरेंस स्कूल, सनावर के क्रिकेट मैदान में उच्च एवं प्राथमिक शिक्षा विभाग के कर्मचारियों के बीच एक क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य समाज में नशा मुक्त वातावरण को बढ़ावा देना और स्वस्थ मनोरंजन को प्रोत्साहित करना था। इस अवसर पर लॉरेंस स्कूल, सनावर के हेडमास्टर हिम्मत सिंह ढिल्लों ने स्कूल की शून्य सहिष्णुता नीति पर प्रकाश डालते हुए बताया कि विद्यालय में समय-समय पर सेमिनार एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, ताकि छात्र नशे के दुष्प्रभावों से अवगत हो सकें। उच्च शिक्षा विभाग के उपनिदेशक गोपाल चौहान ने कहा कि नशे की लत विशेष रूप से युवाओं में एक गंभीर समस्या बनती जा रही है। यह क्रिकेट मैच दोनों विभागों की ओर से जागरूकता फैलाने और समाज को नशा मुक्त बनाने के संदेश को सुदृढ़ करने की दिशा में एक छोटा मगर महत्वपूर्ण प्रयास है। यह मैच बेहद रोमांचक रहा, जिसमें उच्च शिक्षा विभाग की टीम का नेतृत्व राजीव सूद ने किया, जबकि प्राथमिक शिक्षा विभाग की टीम की कप्तानी भूपेश शर्मा ने संभाली। टॉस जीतकर भूपेश शर्मा की टीम ने पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। शानदार प्रदर्शन करते हुए प्राथमिक शिक्षा विभाग की टीम ने जीत हासिल की। इस मैच में सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी राजेश शर्मा को प्लेयर ऑफ द मैच घोषित किया गया।

सातवें दिन भी जारी रहा ग्रामीणों का धरना

अनंत ज्ञान, नाहन। दिल्ली-देहरादून-पांवटा फोरलेन हाईवे के निर्माण को लेकर भूमि अधिग्रहण से जुड़े विवाद ने तूल पकड़ लिया है। पांवटा के भूपपूर क्षेत्र में बसे ग्रामीणों को अभी तक मुआवजा नहीं मिला है, जबकि निर्माण कंपनियों ने उनकी जमीन पर कब्जा कर लिया है। इसके खिलाफ ग्रामीण पिछले सात दिनों से धरने पर बैठे हैं और अपनी मांगों को लेकर अड़े हुए हैं। गांव की महिलाओं और पुरुषों ने आरोप लगाया कि कंपनियां मनमाने तरीके से कार्य कर रही हैं, जिससे प्रभावित परिवारों को मुआवजा नहीं मिल पा रहा है। उनका कहना है कि वर्तमान में निर्माण कार्य रोक दिया गया है, लेकिन अगर जल्द ही समाधान नहीं निकला, तो कंपनियां दोबारा काम शुरू कर सकती हैं, जिससे उन्हें फिर से परेशानी झेलनी पड़ेगी। ग्रामीणों ने सरकार से मांग की है कि जब तक उन्हें उचित मुआवजा नहीं मिल जाता, तब तक निर्माण कार्य को पूरी तरह से रोका जाए। आज धरना स्थल पर पांवटा के विधायक सुखराम चौधरी पहुंचे और ग्रामीणों से मुलाकात की। उन्होंने ग्रामीणों को भरोसा दिलाया कि उनकी मांगों को सरकार तक पहुंचाया जाएगा और मुआवजा दिलाने के लिए पूरा प्रयास किया जाएगा।

बद्दी में श्रम अधिकारी का पद भरने की मांग

अनंत ज्ञान, नालागढ़। भारतीय मजदूर संघ ने बैठक में बद्दी में श्रम अधिकारी का पद खाली होने पर चिंता जताई। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि पिछले छह माह से पद खाली होने से कामगारों को काफी परेशानी हो रही है। वर्तमान में नालागढ़ के निरीक्षक को श्रम अधिकारी का भी कार्यभार सौंपा गया, जिससे कामगारों के विवाद लंबित पड़े हैं। बैठक की अध्यक्षता करते हुए भारतीय मजदूर संघ के वरिष्ठ नेता व प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य मेला राम चंदेल व भारतीय मजदूर संघ के प्रदेश सचिव राजू भारद्वाज ने कहा कि बद्दी कार्यालय में श्रम अधिकारी का पद पिछले 6 महीने से पद खाली पड़ा है, जिससे गरीब मजदूरों के कार्य लंबित पड़े हैं। मेला राम ने बताया कि एक निरीक्षक को श्रम अधिकारी का चार्ज दिया हुआ है। मजदूरों का उद्योगों में शोषण हो रहा है।

जामा मस्जिद में ईद की नमाज अदा की

अनंत ज्ञान, सोलन

सोलन की जामा मस्जिद में ईद की नमाज अदा की गई, जिसमें भारी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने भाग लिया।

इस अवसर पर लोगों ने आपसी भाईचारे, एकता अखंडता और खुशहाली की दुआ मांगी। सभी ने गले मिलकर एक-दूसरे को ईद की बधाई दी। जामा मस्जिद के इमाम मोहम्मद आरिफ ने ईद की बधाई देते हुए कहा कि सोमवार को ईद की नमाज अदा की गई और देश की तरक्की खुशहाली आपसी भाईचारा एकता अखंडता की दुआ मांगी गई। इस वर्ष गरीब और जरूरतमंद लोगों के लिए सदका ए फितर कम से कम 70 रुपए प्रति व्यक्ति तय की गई है। उन्होंने कहा कि सभी ने गले मिलकर एक-दूसरे को ईद की बधाई दी।

नाहन में आपस में गले मिलकर ईद मुबारक की

अनंत ज्ञान, नाहन। ईद उल फिदर की नवाज नाहन शहर में सभी मुस्लिम भाइयों ने इकट्ठे होकर अदा की और आपस में गले मिलकर ईद मुबारक करी। नाहन शहर में हिंदू-मुस्लिम समाज का भाईचारा पिछले लंबे समय से चला आ रहा है और दोनों समुदाय एक-दूसरे के त्योहार मिल-जुलकर मनाते हैं, तो इस ईद के मौके पर हिंदू भाइयों ने मुस्लिम समाज के भाइयों को मुबारकबाद अदा की, जिससे भाईचारे की भूमिका कायम रखी जा सके। इस मौके पर मुस्लिम समुदाय के लोगों ने मीठी सेवियां और मीठे पकवान का आनंद उठाया।

आपसी भाईचारे, एकता अखंडता और खुशहाली की दुआ मांगी

खटारा एंबुलेंस बनी नशेड़ियों का अड्डा

अनंत ज्ञान, राजगढ़

नगर पंचायत राजगढ़ के वार्ड नंबर-5 के शिव मंदिर के समीप बीते वर्षों से खड़ी खटारा एंबुलेंस को लेकर एक बैठक का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता नगर पंचायत के उपाध्यक्ष कपिल ठाकुर ने की।

बैठक में एक प्रस्ताव पारित कर वार्ड नंबर-5 के बाशिंदों ने एसडीएम राजगढ़ राजकुमार ठाकुर को ज्ञापन सौंपा। इसमें इस एंबुलेंस का तुरंत हटाने की मांग की गई। कपिल ने एसडीएम को अवगत करवाया कि यह एंबुलेंस नशेड़ियों का अड्डा बन गई है, जिसमें शराबी सायं होते ही बैठ जाते हैं, जिससे रात्रि को आने-जाने वाले राहगीरों में भय की स्थिति उत्पन्न हो गई है। विशेष रूप से महिलाओं और बच्चों का वहां से आना-जाना मुश्किल हो रहा है। एसडीएम ने आश्वासन दिया कि इस मामले में जल्द उचित कार्रवाई की जाएगी।

6 साल की बच्ची को बनाया दुष्कर्म का शिकार

अनंत ज्ञान, नाहन। औद्योगिक क्षेत्र कालाअंब में 6 वर्षीय बच्ची हैवानियत का शिकार हुई है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार 18 वर्षीय पवन उत्तर प्रदेश निवासी के द्वारा उस समय 6 वर्षीय बच्ची को हैवानियत का शिकार बनाया गया, जब वह घर पर अकेली थी। मामले की पुष्टि करते हुए जिला पुलिस अधीक्षक निश्चिन सिंह नेगी ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी पर पास्को एक्ट और बलात्कार की धाराओं के अंतर्गत मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू की कर दी गई है। बच्ची को नाहन मेडिकल कॉलेज ले जाया गया है। आरोपी फैक्टरी में काम करता है, जबकि जो परिवार हैवानियत का शिकार हुआ है वह भी प्रवासी परिवार है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मासूम के घर से पड़ोसियों ने बच्ची के दर्दनाक रूप से चिल्लाने की आवाज सुनी। पड़ोस के लोगों ने जब मौके पर जाकर देखा, तो बच्ची खून से लथपथ थी। आरोपी मौके से फरार हो चुका था। लोगों के द्वारा फौरन इस घटना की सूचना थाना कालाअंब को दी गई। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस के द्वारा मौके पर पहुंचने के करीब 15 मिनट के बाद ही आरोपी को घटनास्थल से कुछ दूरी पर गिरफ्तार कर लिया गया।

सुगंधा मिश्रा की हंसी, कुटले खान की रॉक बीट्स ने शूलिनी यूनिवर्सिटी में मचाई धूम

निशय मिस्टर व समिति मंता बनी मिस मोक्ष

अनंत ज्ञान, सोलन

शूलिनी यूनिवर्सिटी के वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव मोक्ष में कई प्रस्तुतियां, प्रतियोगिताएं और पुरस्कार समारोह हुए। निशय त्रिपाठी को मिस्टर मोक्ष का खिताब दिया गया, जबकि समिति मंता ने मिस मोक्ष का खिताब जीता। उद्घाटन समारोह में सोनिया रैपर क्लब ने रैप प्रस्तुति दी, जिसके बाद शूलिनी यूनिवर्सिटी के धवनी बैंड ने अपने संगीतमय कार्यक्रम से दर्शकों का मन मोह लिया।

पारंपरिक भांगड़ा और नाटी प्रस्तुति ने शाम को और भी शानदार बना दिया, जबकि सक्षम डांस क्लब ने बॉलीवुड डांस सीक्वेंस से दर्शकों का मनोरंजन किया। शूलिनी यूनिवर्सिटी नाटी क्लब ने पारंपरिक हिमाचली नाटी नृत्य प्रस्तुत की, जिसे लोगों ने उत्साहपूर्ण प्रतिक्रिया दी। मिस्टर और मिस मोक्ष फैशन शो के निर्णायक अरुणा मेहता, ज्योतिका दिलैक और रजत शर्मा थे। हिमालयन क्वीन प्रतियोगिता में 17 से 25 वर्ष की हिमाचली महिलाओं को सम्मानित किया गया, जिसमें श्रेष्ठा ने हिमालय की रानी का खिताब जीता और 7500 का नकद पुरस्कार और लैक्मे गिफ्ट वाउचर प्राप्त किया। सुनीता ने उपविजेता स्थान प्राप्त किया और उसे 5000 नकद पुरस्कार और मोटो शेड उपहार से सम्मानित किया गया। शूलिनी विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र शुभम बैंड द्वारा प्रस्तुत संगीत, जिसे टेप रिकॉर्डर कहा जाता है, उसने सभी को ताली बजाने और उत्साहवर्धन करने पर मजबूर कर दिया। हिमाचल प्रदेश के प्रसिद्ध गायक एसी भारद्वाज पहले दिन स्टार नाइट रहे और दर्शकों से खूब तालियां बटोरीं। दूसरे दिन की शुरुआत कवि सम्मेलन से हुई, जिसमें कवियों ने अपनी रचनाएं दर्शकों के सामने प्रस्तुत कीं। वंदना शर्मा की विरासत को समर्पित वुमन ऑफ सब्सटेंस अवॉर्ड का निर्णायक तरुणा मेहता और शशि जुल्का थीं। स्कूल ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अदिति शर्मा ने पुरस्कार और 7,500 जीते, जबकि छात्र कल्याण विभाग की पूजा वर्मा उपविजेता रहीं, उन्हें उपहार और 5000 रुपए का नकद पुरस्कार दिया गया। छात्र वर्ग में, बीबीए की रानू ने 7,500 के नकद पुरस्कार के साथ प्रथम पुरस्कार जीता, जबकि बायोटेक्नोलॉजी की खुशी ने 5000 नकद पुरस्कार जीतकर उपविजेता स्थान हासिल किया।

स्थिरता और सामुदायिक जुड़ाव की निदेशक पूनम नंदा को सोल ऑफ वूमन ऑफ सब्सटेंस की उपाधि से सम्मानित किया गया। उन्होंने मोक्ष के सभी कार्यक्रमों का समन्वय भी किया। मोक्ष 2025 के अंतिम दिन की शुरुआत पुरस्कार वितरण समारोह से हुई, जिसमें विभिन्न छात्र समितियों और संकाय समन्वयकों के योगदान को मान्यता दी गई। प्रेम भट्टी को फोटोग्राफी में उत्कृष्टता के लिए पुरस्कार मिला। द कपिल शर्मा शो में अपनी उपस्थिति के लिए मशहूर कॉमेडियन सुगंधा मिश्रा ने अपने हास्य, कहानी, कॉमेडी और गायन से दर्शकों का मनोरंजन किया। उत्सव का समापन प्रसिद्ध गायक कुटले खान के रॉक प्रदर्शन के साथ हुआ।

सोलन में किसान मंडी पर स्थानीय दुकानदारों का बोलबाला

सोलन में किसान मंडी के आसपास फैला कूड़ा।

अनंत ज्ञान, सोलन

सोलन में किसान मंडी के नाम पर किसानों का मजाक उड़ रहा है। यहां रविवार को लगने वाली किसान मंडी में किसानों का नहीं, बल्कि स्थानीय दुकानदारों का बोलबाला रहता है।

पुराना बस स्टैंड के पास लगने वाली किसान मंडी कानून व्यवस्था की पोल खोल रही है। ये सभी सब्जी विक्रेता सोलन शहर में अवैध रूप से सरकारी जमीन पर अतिक्रमण कर बैठे रहते हैं और रविवार को इस स्थान पर किसान बनकर बैठ जाते हैं, जो असली में सोलन का स्थानीय किसान है, उसे ये सभी इकट्ठा होकर भगा देते हैं। उनकी जिला प्रशासन भी नहीं सुनता। नगर निगम एक आध बार मनमर्जी से सफाई कर भी देती है कभी 4 से 5 दिनों तक गली-सड़ी सब्जियों के ढेर यहीं लगे रहते हैं।

इस मंडी और रोड के बीच में एक नाली बनी हुई है, वो सड़ी सब्जियों से लबालब भरी पड़ी हुई है, जिससे महामारी फैलने की आशंका बनी रहती है। वहीं, स्थानीय लोगों ने कहा कि सोलन में मार्केटिंग कमेटी को चाहिए कि इस पर बैठे इन लोगों पर श्वेत पत्र जारी करें, ताकि वास्तविकता लोगों को पता चले।

8 विशेषज्ञ चिकित्सकों ने लोगों को स्वास्थ्य संबंधी जानकारी दी

अनंत ज्ञान, सोलन

जिला सिरमौर के कोटला बड़ोग में स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला में प्रिंसिपल बंसीलाल नेगी के मार्गदर्शन में एक मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर भारत विकास परिषद, एमएमयू मेडिकल कॉलेज, एसएमसी कोटला बड़ोग और पंचायत दाड़ो देवरिया के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। इसमें लगभग 300 ओपीडी की सुविधा प्रदान की गई, जिसमें ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों ने भाग लिया। शिविर में विभिन्न प्रकार की स्वास्थ्य जांच की सुविधा प्रदान की गई, जिनमें रक्तचाप, मधुमेह और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं की जांच और निशुल्क दवाइयां भी वितरित की गईं। कैंप के दौरान, 8 विशेषज्ञ चिकित्सकों ने लोगों को स्वास्थ्य संबंधी जानकारी प्रदान की और उन्हें स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया।

इस कैंप का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ावा देना और लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना था। कैंप में उपस्थित विशिष्ट अतिथियों में प्रधान भारत विकास परिषद कर्नल कैथला, सेक्रटरी डॉ. राम गोपाल शर्मा, प्रधान एसएमसी गोविंद राम शर्मा और प्रधान पंचायत दाड़ो देरिया देवेंद्र कंवर शामिल थे।

कोटला बड़ोग में लगा मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर

अंजली स्वयं सहायता समूह का स्टॉल बना आकर्षण का केंद्र

अनंत ज्ञान, राजगढ़। हिमाचल प्रदेश के शहरी विकास विभाग के तत्वावधान में शिमला स्थित पंडित पदम देव परिसर में आयोजित राज्य स्तरीय साझा उत्सव में अंजली स्वयं सहायता समूह का स्टॉल आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। उत्सव में नगर पंचायत राजगढ़ के दिन दयाल अंत्योदय शहरी आजीविका मिशन के तहत गठित यह समूह भाग ले रहा है। समूह की प्रमुख कविता तथा कौशल्या, रीता व हीरामती आदि सदस्यों द्वारा अपने हस्तनिर्मित उत्पाद प्राकृतिक साबुन का स्टॉल लगाया। इस स्टॉल को लोगों का जबरदस्त समर्थन मिला और इसकी गुणवत्ता को शहरी विकास मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने विशेष रूप से सराहा। सामुदायिक प्रबंधक सुरक्षा संधु ने बताया कि इस उत्सव का शुभारंभ विक्रमादित्य सिंह ने किया। समूह द्वारा प्राकृतिक रूप से निर्मित साबुन में किसी प्रकार का रसायन नहीं मिलाया गया है। प्रमाणित प्रयोगशाला में टेस्ट के बाद साबुन को शुद्ध और गुणवत्ता युक्त पाया गया।

हर्षोल्लास मां नगर कोटी मेले का विधानसभा उपाध्यक्ष ने किया शुभारंभ

मेले की सिरमौर में अपनी पहचान

अनंत ज्ञान, नाहन/राजगढ़

जिला सिरमौर के नारग का प्रसिद्ध एवं पारंपरिक दो दिवसीय जिला स्तरीय मां नगर कोटी मेले का विधानसभा उपाध्यक्ष विनय कुमार ने मां नगर कोटी देवी की विधिवत पूजा-अर्चना के साथ शुभारंभ किया। पूजा-अर्चना के उपरांत मंदिर से मेला मैदान तक शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें मां नगर कोटी के कारदार, श्रद्धालु तथा स्थानीय लोग शामिल हुए। इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए विधानसभा उपाध्यक्ष विनय कुमार ने मां नगर कोटी मेले की बधाई देते हुए कहा कि मेले हमारी समृद्ध संस्कृति की पहचान हैं।

नारग में आयोजित होने वाला यह जिला स्तरीय नगर कोटी मेला जिला सिरमौर में अपनी विशिष्ट पहचान रखता है। दशकों से इस मेले का आयोजन बड़े हर्षोल्लास के साथ होता है, जिसमें न केवल नारंग तथा पच्छाद क्षेत्र के लोग भाग लेते हैं, बल्कि सिरमौर के अन्य क्षेत्रों से भी लोग इस मेले में पहुंचते हैं। यह मेला देव परंपरा से जुड़ा होने के साथ-साथ आपसी भाईचारा, खेलकूद तथा सांस्कृतिक दृष्टि से भी विशेष महत्व रखता है। नारंग क्षेत्र नकदी फसलों के उत्पादन के लिए जाना जाता है। विनय ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने हालही में पेश किए गए बजट में समाज के हर वर्ग का ध्यान रखा है। बजट में दूध के दाम बढ़ाने के अतिरिक्त हल्दी के दाम भी बढ़ाए गए हैं, जिससे अब सरकार द्वारा कच्ची हल्दी का न्यूनतम मूल्य 90 प्रति किलो रखा गया है, जिससे किसानों, बागवानों की आर्थिकी सुदृढ़ होगी। बजट में छोटे व मध्यम वर्ग के व्यापारी के लिए कम ब्याज दर पर ऋण सुविधा का प्रावधान रखा गया है।

उन्होंने मेला मैदान नारग में मंच निर्माण के लिए 5 लाख रुपए स्वीकृत करने की घोषणा की। इससे पहले उपाध्यक्ष द्वारा विभिन्न विभागों की विकासात्मक प्रदर्शनियों का अवलोकन तथा खेलकूद प्रतियोगिता का भी शुभारंभ किया। एसडीएम डॉ. प्रियंका चंद्रा ने विधानसभा उपाध्यक्ष को शॉल टोपी तथा स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

न्यूज ब्रीफ

दलाईलामा गोल्ड मर्करी अवार्ड से सम्मानित

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। बौद्ध धर्मगुरु दलाईलामा को दुनिया के प्रति उनके अच्छे कार्यों, शांति और स्थिरता के लिए सोमवार के दिन मेक्लोडगंज उनके आवास पर गोल्ड मर्करी अवार्ड 2025 प्रदान किया गया। गोल्ड मर्करी इंटरनैशनल ने इस सम्मान को ऐतिहासिक बताया है। संगठन के अध्यक्ष निकोलस डी. सैंटिस ने कहा कि दलाईलामा ने अपनी प्रतिबद्धता से वैश्विक चेतना को बदला है। उनके 90वें जन्मदिन पर यह सम्मान उनकी असाधारण उपलब्धियों को पहचानता है। 1961 में स्थापित गोल्ड मर्करी अवार्ड वैश्विक शासन और मानवीय प्रयासों में उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया जाता है। संगठन के अनुसार दलाईलामा की शिक्षाएं वैश्विक अनिश्चितता के इस दौर में लोगों को प्रेरित कर रही हैं। उन्होंने महात्मा गांधी के मार्ग पर चलते हुए तिब्बती लोगों के अधिकारों की रक्षा की है। दलाईलामा ने इस सम्मान पर खुशी जताई है। इससे पहले रोनाल्ड रीगन, गेराल्ड फोर्ड, अनवर सादात जैसे विश्व नेताओं और यूनिसेफ, रैडक्रॉस जैसे सम्मान मिल चुके हैं।

पर्यटकों से गुलजार हुआ हिमाचल, होटलों में बढ़ी बुकिंग

अनंत ज्ञान, शिमला। गर्मी की शुरुआत होते ही हिमाचल प्रदेश में सैलानियों की भीड़ उमड़ने लगी है। शिमला, मनाली, धर्मशाला, डलहौजी और कसौली जैसे प्रमुख पर्यटन स्थलों पर पर्यटकों की आवाजाही बढ़ गई है। पिछले तीन-चार दिनों में खासतौर पर सप्ताहांत पर हजारों पर्यटकों ने पहाड़ों की ठंडी वादियों का रुख किया, जिससे होटलों और गेस्ट हाउसों में बुकिंग में जबरदस्त उछाल देखा गया। होटल व्यवसायियों के मुताबिक बीते सप्ताह पर मनाली में 2,700 से अधिक पर्यटक वाहन पहुंचे, जिससे होटलों की औसतन 60 प्रतिशत बुकिंग पूरी हो गई। इसी तरह शिमला और धर्मशाला में भी पर्यटकों की आवाजाही बढ़ी है। प्रदेश के विभिन्न पर्यटन स्थलों पर होटल, गेस्ट हाउस और रेस्टोरेंट में ऑक्युपेंसी 50 से 60 प्रतिशत तक पहुंच गई है तथा आने वाले दिनों में यह आंकड़ा और बढ़ सकता है। पर्यटन विकास निगम के अधिकारियों का कहना है कि गर्मी बढ़ने के साथ-साथ आगामी छुट्टियों के कारण होटलों में बुकिंग का ग्राफ ऊपर जाएगा। शिमला के स्थानीय व्यवसायी और होटल संचालक बढ़ते पर्यटन को लेकर उत्साहित हैं। एक होटल संचालक ने बताया कि इस बार नवरात्र और गर्मी की छुट्टियों को देखते हुए अप्रैल और मई में बुकिंग पूरी तरह से फुल होने की उम्मीद है। हालांकि, पर्यटकों की भीड़ के चलते कई जगहों पर ट्रैफिक जाम और पार्किंग की समस्या भी सामने आई। मनाली और शिमला में वाहनों की लंबी कतारें देखी गईं।

पैट-लीट के आवेदन के लिए नहीं लगेगी फीस

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश तकनीकी शिक्षा बोर्ड धर्मशाला ने बहुतकनीकी प्रवेश परीक्षा (पैट) और लेटरल एंट्री एंट्रेंस टेस्ट (लीट)-2025 के आवेदन प्रदेशभर के औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में निशुल्क भरने की सुविधा दी है। इसके लिए आवेदन करने वाले अभ्यर्थी बहुतकनीकी संस्थानों और आईटीआई संस्थानों में जाकर निशुल्क फार्म भर सकते हैं। अभ्यर्थियों को आवेदन करते वक्त ट्रेड चुनने को लेकर गाइडेंस भी दी जाएगी। प्रदेश तकनीकी शिक्षा बोर्ड की बहुतकनीकी प्रवेश परीक्षा 18 मई और लेटरल एंट्री एंट्रेंस टेस्ट 25 मई को होगा। इसके लिए अभ्यर्थियों की ओर से आवेदन भरे जा रहे हैं। आवेदन भरने के दौरान अभ्यर्थियों को कोई दिक्कत न हो, इसके लिए तकनीकी शिक्षा बोर्ड ने आवेदन भरने की सुविधा प्रदेश भर में औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों और बहुतकनीकी संस्थानों में उपलब्ध करवाई है।

हिमाचल भाजपा को जल्द मिल सकता है नया अध्यक्ष!

नवरात्र के बीच हो सकता है ऐलान, आधा दर्जन से ज्यादा नाम हुए शामिल

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला

कांग्रेस की तर्ज पर भाजपा भी अध्यक्ष पद को लेकर आम राय का फार्मूला खोज रही है। शीर्ष नेतृत्व के पास नामों की सूची दाखिल हो चुकी है। आधा दर्जन से ज्यादा नाम स्कूटीनी टेबल पर है, एक पखवाड़ा से सभी सुझाए के नामों में से किसी एक पर ग्रीन सिग्नल मिलने का इंतजार है।

पार्टी सूत्र बताते हैं कि लोकतांत्रिक प्रणाली उनके दल का प्रमुख हथियार है, सभी को विश्वास में लेकर काम होता है, परस्पर समन्वय के साथ आगे बढ़ा जाता है। गुटबाजी के लिए कोई स्थान नहीं है, सभी को अपनी बात रखने का अधिकार है। तमाम पहलुओं की जांच-पड़ताल हो चुकी है, कभी भी नए अध्यक्ष पद का फैसला आ सकता है। शिमला, कांगड़ा व हमीरपुर संसदीय क्षेत्रों से अध्यक्ष पद के दावेदार सबसे ज्यादा है। कांगड़ा से सांसद राजीव भारद्वाज, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष व विधायक विपिन परमार, विधायक विक्रम ठाकुर सहित राज्यसभा सांसद इंदु गोस्वामी के नाम धीरे से आगे बढे हैं। शिमला संसदीय क्षेत्र से राज्यसभा सांसद डॉ. सिकंदर कुमार, पांच बार के विधायक रहे मौजूद प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल के नाम भी सशक्त दावेदारों में आगे हैं।

डॉ. बिंदल, अगर प्रदेश भाजपा के तीसरी बार अध्यक्ष बन जाते हैं, तो कहीं से भी हैरानी नहीं होगी। उनकी लॉबिंग जबरदस्त है। राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से उनकी नजदीकी नजदीकियां जग-जाहिर हैं, यही नजदीकियां उनके अध्यक्ष पद की राह को आसान बनाती है। हालिया हमलावर तेवरों से उनके सिर पर तीसरी बार अध्यक्ष पद का ताज सज सकता है। हमीरपुर संसदीय क्षेत्र से विधायक त्रिलोक जम्वाल सहित विधायक रणधीर शर्मा के नाम भी पुख्ता रूप से मजबूत हुए हैं, दोनों विधायक तेज-तरार हैं और किसी एक पर मोहर लग जाए, इस संभावना से भी इंकार ने किया जा सकता। (अनंत ज्ञान)

डाइनिंग टेबल पर नहीं होते फैसले

नए अध्यक्ष पद को चुनने का जिम्मा केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र कुमार को दिया गया है, जो सख्त निर्णय के लिए जाने जाते हैं। वह पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं, कि उनकी पार्टी में डाइनिंग टेबल पर बैठकर अध्यक्ष पद के फैसले नहीं होते हैं, पूरी लोकतांत्रिक प्रणाली को फॉलो करते हैं, तभी किसी एक की ताजपोशी होती है।

गुटबाजी के सवाल से इनकार

सूत्रों का दावा है कि पार्टी कांग्रेस की तर्ज पर सर्वसमिति बनाने की कोशिश कर रही है। ताकि, बिना किसी गुटबाजी के एक का नाम अध्यक्ष पद के लिए आगे किया जाए, जो आने वाले 2027 के विधानसभा चुनाव में संगठन को मजबूती के रास्ते के साथ आगे ले जा सके। संभव है कि इन सभी तमाम पहलुओं पर गौर किया जा रहा है।

शराब की आय के मामले में सरकार का झूठ हो रहा बेनकाब : जयराम

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि सुक्खू सरकार का आबकारी विभाग से राजस्व अर्जित करने को लेकर बोला जा रहा झूठ तीसरे साल भी बेनकाब हो रहा है।

जिस तरह से शराब के ठेकों की नीलामी में कई यूनिट के लिए कोई बोली लगाने वाला सामने नहीं आ रहा है, उससे ऐसा लग रहा है कि सरकार की नीतियों में कोई न कोई खामी है। जिसकी वजह से इतने बड़े पैमाने पर यूनिट्स नीलाम नहीं हो रही हैं। इसके पीछे भी किसी न किसी तरह का खेल होने का संभावना लोग जता रहे हैं।

40 प्रतिशत राजस्व जुटाना मात्र छलावा किसी बड़े खेल से इनकार नहीं

जयराम ने कहा कि सरकार ने गत वर्ष भी नई शराब नीति से 40 प्रतिशत आय बढ़ाने के मामले में हिमाचल की लोगों से झूठ बोला था। मुख्यमंत्री ने विधानसभा में खड़े होकर कहा था कि नई शराब नीति से राजस्व में 40 प्रतिशत की बढ़ोतरी होगी, परंतु ऐसा कुछ नहीं हुआ। मुख्यमंत्री और सरकार में बैठे लोग चाहे जितना झूठ बोल लें, लेकिन सच बाहर आ ही जाता है। सच्चाई यह है कि नई शराब नीति से प्रदेश के राजस्व में कोई वृद्धि नहीं हुई।

राजस्व प्राप्ति का लक्ष्य नहीं हो पाया पूरा

जयराम ठाकुर ने कहा कि प्रदेश सरकार की हठधर्मिता से शराब ठेका नीलामी से राजस्व प्राप्ति का लक्ष्य पूरा नहीं हो पाया है। नीलामी के आखिरी दिन भी प्रदेशभर में कई यूनिट्स नहीं बिके और नौबत यहां तक आई कि कई जगह रिजर्व प्राइस पर ही देने को मजबूर हो गए।

यूनिट्स की खरीद में नहीं दिखा कोई भी रुचि

खबरों के मुताबिक अब तक कई जिलों में कई यूनिट्स के खरीद के लिए किसी ने रुचि ही नहीं दिखाई है, जबकि कई जगहों पर रिजर्व प्राइस से भी नीचे बोली लगाने की सूचनाएं आ रही हैं। जिससे सरकार को राजस्व प्राप्ति में तगड़ा नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि शिमला, कांगड़ा और मंडी में छुट्टी के दिन भी नीलामी का दौर जारी रहा।

कुनाह खड्ड में पानी में मिला बुजुर्ग का शव

अनंत ज्ञान, रंगस

रंगस स्थित कुनाह खड्ड में दोपहर बाद एक बुजुर्ग व्यक्ति का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई।

जानकारी के अनुसार सोमवार दोपहर को किसी ने एक व्यक्ति को कुनाह खड्ड में पानी में सिर के बल गिरे हुए देखा, तो उसने इसकी सूचना पंचायत प्रतिनिधियों को दी। कंडरोला पलासी के प्रधान दीप चंद व नौहंगी पंचायत के उपप्रधान प्रकाश चंद मौके पर पहुंचे और इस बारे नादौन थाना को सूचित किया।

नादौन थाना से एसएचओ निर्मल सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने लोगों के सहयोग से शव को पानी से बाहर निकाला गया और उसकी जेब में मिली सहकारी सभा की पासबुक से उसकी पहचान की गई। घटना की सूचना परिजनों को दी गई। मृतक की पहचान प्रीतम सिंह वासी चौड़ू के रूप में हुई है। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए हमीरपुर स्थित डॉ. राधा कृष्णन मेडिकल कॉलेज भेज दिया है।

मिलावट किसी भी चीज में बुरी है : शांता कुमार

अनंत ज्ञान, पालमपुर। पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री शांता कुमार ने कहा कि यह दुर्भाग्य का विषय है कि भारत में सभी प्रकार के नैतिकता के स्तर गिरते जा रहे है। मिलावट किसी भी चीज में बुरी है। खाने की वस्तुओं में तो और भी अधिक चिंताजनक है, परंतु भारत में तो दवाइयों में मिलावट होने की खबरें दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। जिस दवाई से बीमारी को ठीक किया जाना है यदि वह दवाई ही बीमार होगी, तो उस दवाई से बीमार का क्या बचेगा।

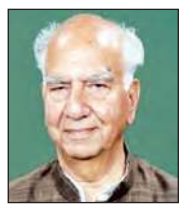

उन्होंने कहा कि भारत में बनी 103 दवाइयों के सैंपल फेल पाए गए हैं। इनमें 38 दवाइयां हिमाचल प्रदेश की बनी हुई थीं। यह सौभाग्य की बात है कि भारत विश्व में सबसे अधिक दवाई बनाने वाला देश है। भारत को विश्व की फार्मेसी भी कहा जाता है। जैनरिक दवाइयों के लिए तो भारत विश्व का केंद्र है। भारत में बनने वाली दवाइयों में 40 प्रतिषत दवाइयां हिमाचल प्रदेश में बनती हैं। बल्क ड्रग पार्क बनने से इस उद्योग के और बढ़ने की उम्मीद है, परंतु लगातार दवाइयों के सैंपल फेल होने से भारत का यह बड़ा उद्योग धीरे-धीरे बदनाम हो रहा है। शांता ने कहा कि कानून का पालन डर के बिना नहीं हो सकता। इस संबंध में सख्त कानून बनना चाहिए और बार-बार जिन कंपनियों की दवाइयां फेल होती हैं उनके विरुद्ध सख्त कार्रवाई करनी चाहिए।

मंडी के तीन युवक चिट्टे के साथ दबोचे

अनंत ज्ञान, मंडी

मंडी शहर के पुरानी मंडी निवासी यतीन कपूर, राहुल शर्मा व साथ लगते गांव पधियूं के शौर्य गुलेरिया को मंडी पुलिस ने 6 ग्राम चिट्टे के साथ दबोचा है तथा उनके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज करके उन्हें सलाखों के पीछे भेजा है। इसी तरह से नशे के कारोबार में संलिप्त सुंदरनगर उपमंडल के तहत आने वाले गांव डुगराईं कनैड के मोहम्मद इशाक को भी पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत गिरफ्तार करके सक्षम अधिकारी के आदेश पर तीन महीने के लिए जेल में डाल दिया है।

पुलिस अधीक्षक मंडी साक्षी वर्मा ने बताया कि एक सूचना मिली थी कि पुरानी मंडी के रहने वाले यतीन कपूर, राहुल शर्मा व पधियूं गांव के शौर्य गुलेरिया जो चिट्टा के कारोबार में संलिप्त हैं, अपनी कार में चंडी से चिट्टा लेकर मंडी की ओर आ रहे हैं। जब उनकी कार को रोक कर तलाशी ली गई तो उसमें उनके पास से 6 ग्राम चिट्टा हेरोइन बरामद की गई। इन तीनों को ही मंडी सदर थाना की टीम ने एनडीपीएस एक्ट के तहत गिरफ्तार कर लिया।

मुख्य सचिव आनंद वर्धन ने संभाला पदभार

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़। नवनियुक्त मुख्य सचिव आनंद वर्धन ने आज सचिवालय स्थित मुख्य सचिव कार्यालय में पदभार ग्रहण किया। निवर्तमान मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने आनंद वर्धन को पदभार सौंपा। इस अवसर पर आनंद ने कहा कि सरकार की नीतियों का राज्य के विकास में सफलतापूर्वक क्रियान्वयन करना प्रशासन की प्राथमिकता है। आजीविका, रोजगार, कौशल विकास व रिवर्स माइग्रेशन भी प्रमुख प्राथमिकताओं में है। आजीविका के नए-नए अवसरों पर काम करना तथा इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास करना राज्य की प्रगति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। शहरीकरण तथा राज्य का स्वास्थ्य क्षेत्र भी एक बड़ी चुनौती है। हमें शहरों को बेहतर बनाने तथा स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के लिए निरंतर कार्य करना होगा। इसके साथ ही जल संरक्षण भी एक बड़ा मुद्दा है, जल संकट का सामना पूरी दुनिया कर रही है। इन मुख्य मुद्दों पर आम नागरिक के हित में धरातल पर प्रभावी कार्य करने की जरूरत है।

दुबे ने मुस्लिम भाइयों को दी ईद की मुबारकबाद

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़। चंडीगढ़ शहर भर में ईद का पाक त्योहार मुस्लिम समुदाय द्वारा बड़ी ही धूमधाम और हर्षोल्लास से मनाया गया। मस्जिदों और घरों में ईद की नमाज अता कर सभी के गले मिल एक-दूसरे को मुबारकबाद दी गई। समाजसेवी आबिद सलमानी द्वारा मौली जागरा में आयोजित ईद मिलन समारोह में भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व डिप्टी मेयर अनिल दुबे ने शिरकत की। इस मौके अब्दुल हमीद सलमानी, काला प्रधान, गुलफाम रंगरेज, नौशाद सलमानी, शमशाद सलमानी और चुन्नू प्रधान सहित एमएम सुब्रमनियम स्वामी व अमरजीत सिंह भी उपस्थित थे। इस मौके पर अनिल दुबे ने कहा कि, ईद का पाक त्योहार एक पैगाम है, जो प्यार और मोहब्बत का संदेश देता है। इस ईद मिलन पार्टी का उद्देश्य समाज में आपसी भाईचारे को बढ़ावा देना और धार्मिक एकता को सुदृढ़ करना था।

मेयो कॉलेज अजमेर के 150 गौरवशाली वर्ष पूरे होने पर मनाया जश्न

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़। मेयो कॉलेज एलुमनाई एसोसिएशन ऑफ पंजाब, हरियाणा एंड चंडीगढ़ (एमएएपीएचसी) ने '150 ग्लोयरिस ईयर्स ऑफ मेयो कॉलेज, अजमेर' के मौके पर जश्न मनाने के लिए चंडीगढ़ गोल्फ रेंज, सेक्टर 6 में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया। मेयो कॉलेज, अजमेर एक प्रतिष्ठित एवं सम्मानित स्कूल है। समारोह में गेस्ट ऑफ ऑनर सौरव सिन्हा, प्रिंसिपल, मेयो कॉलेज, नीति भल्ला सैनी, प्रिंसिपल, मेयो कॉलेज गर्ल्स स्कूल और मेयो कॉलेज एलुमनाई एसोसिएशन, दिल्ली के प्रेसिडेंट हरमीत सिंह थे और सभी ने पूरे आयोजन का आनंद लिया। इस कार्यक्रम में मेयो कॉलेज के लगभग 200 ओल्ड स्टूडेंट्स ने हिस्सा लिया। कुछ पूर्व शिक्षक भी इस अवसर पर उपस्थित थे। वाईपीएस पटियाला के प्रिंसिपल नवीन कुमार दीक्षित भी विशेष रूप से समारोह में उपस्थित थे।

हरियाणा में अब पहले की तरह नौकरियों में नहीं होता भेदभाव : शाह

जगदीश शर्मा, चंडीगढ़

केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के सादगी स्वभाव और कार्यप्रणाली की प्रशंसा करते हुए कहा कि सैनी शांत, सौम्य व्यक्तित्व के साथ×साथ एक कुशल प्रशासक भी हैं। हरियाणा में अब पहले की तरह नौकरियों में भेदभाव, जातिवाद नहीं किया जा रहा।

एक क्षेत्र के लोगों को तवज्जो नहीं दी जाती, बल्कि बिना खर्ची पर्ची के अब युवाओं को रोजगार मिलते हैं। ऐसी व्यवस्था नायब सरकार ने की है, जो उदाहरण बनी है। हरियाणा में बिना पर्ची और खर्ची के पारदर्शिता से नौकरी की व्यवस्था कायम होने से युवाओं में सरकार के प्रति विश्वास बढ़ा है। केंद्रीय मंत्री सोमवार को जिला हिसार के अग्रोहा स्थित महाराजा अग्रसेन मेडिकल कॉलेज में आयोजित महाराजा अग्रसेन की प्रतिमा का अनावरण और आईसीयू ब्लॉक का उद्घाटन तथा पीजी हॉस्टल के शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में सीएम सैनी, जनस्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा, स्वास्थ्य मंत्री कुमारी आरती सिंह राव भी उपस्थित रहे।

केंद्रीय गृह मंत्री ने हरियाणा आने पर प्रसन्नता जाहिर करते हुए कहा कि महाराजा अग्रसेन की प्रतिमा का अनावरण उनके हाथ से होना, उनके स्वयं के लिए बड़ी बात है। उन्होंने गुरु अंगद देव को भी नमन करते हुए उनकी शहादत तथा सिख गुरुओं द्वारा देश के लिए दिए गए बलिदान को भी याद किया।

उन्होंने कहा कि आज स्वर्गीय ओपी जिंदल की पुण्यतिथि है, उनकी सोच पर चलते हुए आज अग्रोहा मेडिकल कालेज जन सेवा का कार्य कर रहा है। यह अस्पताल कारोबार से पहले करुणा की उनकी सोच को दर्शाता है। शाह ने कहा कि हरियाणा ऐसा पहला प्रदेश है जहां 24 फसलें एमएसपी पर खरीदी जाती है। मालिकाना हक लाल डोरे में आने वालों को दिया जा रहा है। यहां एक भी सरपंच अनपढ़ नहीं है। हरियाणा पहला ऐसा प्रदेश है जहां 50 फीसदी महिलाओं को पंचायत में भागीदार बनाया है। (अनंत ज्ञान)

हरियाणा सरकार हर जिले में एक मेडिकल कॉलेज कर रही स्थापित : सैनी

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने हरियाणा आने के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का स्वागत करते हुए कहा कि समाजवाद, राष्ट्रीय एकता, अहिंसा और मानव सेवा की प्रतिमूर्ति महाराजा अग्रसेन जी की प्रतिमा का अनावरण हुआ है। साथ ही मेडिकल कॉलेज में नवनिर्मित आईसीयू का उद्घाटन और पीजी छात्रावास का शिलान्यास भी किया गया है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने देश को मेडिकल हब बनाने का विजन रखा है। इसे साकार करने के लिए पर्याप्त डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ का उपलब्ध होना जरूरी है। इसलिए हरियाणा सरकार हर जिले में एक मेडिकल कॉलेज स्थापित कर रही है। इस समय प्रदेश में मेडिकल कॉलेजों की संख्या 15 हो गई है। इनमें से 9 मेडिकल कॉलेज हमारे कार्यकाल में खुले हैं तथा 9 निर्माणाधीन हैं। इनके अलावा, बाढ़सा, जिला झज्जर में राष्ट्रीय कैंसर संस्थान खोला गया है। माजरा, जिला रेवाड़ी में एम्स भी स्थापित किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि अग्रवाल समाज द्वारा महाराजा अग्रसेन के आदर्शों और सिद्धांतों को आगे बढ़ाते हुए इस पावन धाम पर मानव सेवा के कई प्रकल्प चलाए जा रहे हैं। इनमें महाराजा अग्रसेन मेडिकल कॉलेज पिछले 36 वर्षों से रोगियों की सेवा कर रहा है।

अग्निशमन एवं आपातकालीन कर्मियों की मांगों को पूरा करने के लिए कार्रवाई शुरू

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़

हरियाणा सरकार ने अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाएं विभाग के कर्मचारियों की जायज मांगों को पूरा करने के लिए कार्रवाई शुरू कर दी है। इस संबंध में पहले ही विभाग के अधिकारियों की नगर पालिका कर्मचारी संघ के प्रतिनिधिमंडल के साथ दो बैठकें हो चुकी हैं।

हरियाणा अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाएं विभाग के प्रवक्ता ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि संघ के प्रतिनिधियों ने विभाग के अधिकारियों के समक्ष जो मुद्दे मांग-पत्र के माध्यम से उठाए थे, उन पर विस्तार चर्चा की गई। बैठक के दौरान जिन मुद्दों पर दोनों पक्षों में सहमति बनी है, उनको सरकार को आगे की कार्रवाई हेतु भेज दिया है।

उन्होंने बताया कि बैठक के दौरान कच्चे कर्मचारियों को नियमित करने, जॉब सिक्योरिटी एक्ट, 2024 के तहत 58 वर्ष की उम्र तक नौकरी की सुरक्षा की गारंटी का पत्र जारी करने, पुलिस विभाग की तर्ज पर जोखिम भत्ता एवं वर्दी भत्ता देने, पे-रोल पर कार्यरत फायर ऑपरेटर्स को सृजित पदों पर सामायोजित करने तथा कई अन्य महत्वपूर्ण मांग-पत्र के उठाए गए बिन्दुओं पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। समीक्षा के दौरान इनमें से जो भी मांगे उचित पाई जाएंगी उन पर आगे कार्रवाई होगी।

सड़क हादसे में 3 छात्रों की मौत

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़। राली-बद्दी रोड पर स्थित बूथगढ़ डिस्पेंसरी के बाहर रविवार देर रात एक भीषण सड़क हादसे में आर्टिगा कार सवार चार छात्रों में से तीन की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे में शुभम जटवाल, रुबीना और सौरभ पांडे की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गाड़ी चला रहा मानवेंद्र गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे पीजीआई चंडीगढ़ में भर्ती कराया गया है। उसकी हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है।

युवा पीढ़ी जितनी संस्कारवान होगी देश उतना करेगा तरक्की : पर्यटन मंत्री

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़

हरियाणा के सहकारिता व पर्यटन मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने मैकाले शिक्षा पद्धति को बदल कर नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को लागू करके देश के युवाओं को रुचि और योग्यता अनुसार शिक्षा ग्रहण कर राष्ट्र, समाज को मजबूत बनाने का अवसर दिया है। आज हमारी युवा पीढ़ी जितना संस्कारवान होगी, उतना ही देश तरक्की करेगा।

सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा बीती देर शाम जिला सोनीपत के गोहाना में गीता विद्या मंदिर विद्यालय के वार्षिकोत्सव एवं पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्यातिथि के तौर पर पहुंचे थे। पर्यटन मंत्री ने अपने संबोधन में विक्रमी संवत नववर्ष व नवरात्रि की शुभकामनाएं दीं।

उन्होंने कहा कि पीएम मोदी चाहते हैं कि हमारा युवा रचनात्मक बने, संस्कारवान बने। इसके लिए नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू करते हुए इस दिशा में कदम उठाए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री सैनी ने प्रदेश में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को तेजी से लागू करते हुए अन्य राज्यों के सामने मिसाल पेश की है।

हरियाणा सरकार कृषि को लाभप्रद बनाने के लिए प्रयासरत

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़

हरियाणा सरकार ने आगामी सीजन और वर्षों के लिए वर्तमान मूल्य नीति की समीक्षा के लिए कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय समिति गठित की है। इस समिति का प्राथमिक उद्देश्य राज्य में प्रमुख खरीफ और रबी फसलों की खेती की लागत की जांच करना है, जो राज्य की कृषि अर्थव्यवस्था में योगदान करती हैं।

हरियाणा किसान कल्याण प्राधिकरण के प्रवक्ता ने इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि राज्य सरकार किसानों के हित को देखते हुए यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि आने वाले वर्षों में राज्य का कृषि क्षेत्र मजबूत, प्रतिस्पर्धी और टिकाऊ बना रहे। इस समिति के माध्यम से सरकार का लक्ष्य ऐसी नीतियां तैयार करना है, जो किसानों, उपभोक्ताओं और राज्य की आर्थिक प्राथमिकताओं के हितों को संतुलित करें।

उन्होंने बताया कि इस समिति की वर्ष में दो बार बैठक होगी। इस समिति को मौजूदा मूल्य नीति, खेती की लागत का मूल्यांकन करने और हरियाणा में किसानों की जरूरतों के प्रति अधिक प्रभावी और उत्तरदायी बनाने के लिए आवश्यक कार्यों पर व्यापक सिफारिशें देने का काम सौंपा गया है। उन्होंने कहा कि इस समिति का गठन एक स्थायी और किसान-हितैषी मूल्य नीति की आवश्यकता के जवाब में किया गया है, जो कृषि उपज के लिए उचित पारिश्रमिक सुनिश्चित करती है, फसल विविधीकरण को बढ़ावा देती है और बढ़ती उत्पादन लागत से उत्पन्न चुनौतियों का समाधान करती है।

प्रवक्ता ने कहा कि खेती की लागत की जांच करना, मूल्य नीति की समीक्षा करना, सिफारिशें प्रदान करना और किसान कल्याण को प्राथमिकता देना आदि इस समिति के प्रमुख उद्देश्य हैं। उन्होंने कहा कि समिति इनपुट लागत, श्रम, सिंचाई और अन्य संबंधित खर्चों जैसे कारकों को ध्यान में रखते हुए हरियाणा में उगाई जाने वाली प्रमुख फसलों की खेती की वर्तमान लागत का आकलन करेगी।

हरियाणा में मानचित्रण परियोजना और भू-नक्शा पोर्टल पर हुई समीक्षा बैठक

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़

हरियाणा के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव एवं वित्तायुक्त, राजस्व डॉ. सुमिता मिश्रा की अध्यक्षता में सोमवार को हरियाणा में बड़े पैमाने पर मानचित्रण परियोजना और भू-नक्शा पोर्टल पर ततीमा अपडेशन कार्य के संबंध में समीक्षा बैठक हुई।

बैठक के दौरान, डॉ. यशपाल, निदेशक भू-अभिलेख, ने अवगत कराया कि राज्य में बड़े पैमाने पर मानचित्रण का कार्य तेजी से प्रगति पर है। इस परियोजना के तहत स्वामित्व योजना का कार्य पूरा हो चुका है और अब ध्यान कृषि भूमि एवं शहरी क्षेत्रों के मानचित्रण पर केंद्रित है। यह मानचित्रण हरियाणा सरकार को भूमि की सटीक सीमांकन में सहायता करेगा, जिससे प्रत्येक भूमि खंड का स्पष्ट निर्धारण, परिवर्तन की पहचान और किसी भी अवैध अतिक्रमण की पहचान करने में मदद मिलेगी।

ज्ञात हो इस परियोजना के तहत राज्य सरकार ने वर्ष 2023 में जैम पोर्टल के माध्यम से 300 रोवर्स खरीदे हैं और उन्हें सभी जिलों में वितरित कर दिया गया है। यह सभी रोवर्स भारत सरकार द्वारा राज्य भर में स्थापित 19 सीओआरएस स्टेशनों से नेटवर्क के माध्यम से जुड़कर भूमि की सुगम पहचान करने में सक्षम होगें। इस संबंध में सभी 22 जिलों में भारतीय सर्वेक्षण विभाग द्वारा रोवर्स के उपयोग पर मास्टर ट्रेनरों सहित 88 कानूनगो और 335 पटवारियों को प्रशिक्षण दिया गया है, ताकि वे मीनी स्तर पर इसका प्रभावी उपयोग कर सकें।

इस परियोजना के तहत ततीमा अपडेशन का कार्य भी जोरों से किया जा रहा है। हाल ही में, हार्सेक के सहयोग से जिलों द्वारा 22 पायलट गांवों का ततीमा अपडेशन कार्य पूरा किया गया है। सभी 22 जिलों के 1-1 गांव को पायलट आधार पर भू-नक्शा पोर्टल पर ऑनलाइन किया जाएगा।

आईपीएल-18 रिकॉर्ड

ऑरेंज कैप

निकोलस पूरन

145

पर्पल कैप

नूर अहमद

07

सिक्सर किंग

निकोलस पूरन

13

अंक तालिका

क्रमांक	टीम	मैच	जीत	हार	अंक
1.	बेंगलुरु	02	02	00	04
2.	दिल्ली	02	02	00	04
3.	लखनऊ	02	01	01	02
4.	गुजरात	02	01	01	02
5.	पंजाब	01	01	00	02
6.	कोलकाता	02	01	01	02
7.	चेन्नई	03	01	02	02
8.	हैदराबाद	03	01	02	02
9.	राजस्थान	03	01	02	02
10.	मुंबई	02	00	02	00

नरेंद्र ब्राजील में विश्व मुक्केबाजी कप में भारतीय टीम की करेंगे अगुवाई

नई दिल्ली। एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता नरेंद्र बेरवाल सोमवार से ब्राजील के फोज डू इगुआकु में शुरू होने वाले पहले विश्व मुक्केबाजी कप में 10 सदस्यीय भारतीय पुरुष मुक्केबाजी टीम की अगुवाई करेंगे। लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक में मुक्केबाजी को शामिल किए जाने और फरवरी में अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) से अस्थायी मान्यता प्राप्त करने के बाद यह टूर्नामेंट विश्व मुक्केबाजी द्वारा आयोजित पहली प्रतियोगिता है। पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए स्पर्धाएं आयोजित होंगी, लेकिन भारत ने केवल पुरुष मुक्केबाजों को भेजा है, क्योंकि महिलाओं की राष्ट्रीय चैंपियनशिप चीरवार को ही समाप्त हुई है। यह पहली बार होगा जब भारतीय मुक्केबाज विश्व मुक्केबाजी द्वारा शुरू की गई नई भार श्रेणियों में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करेंगे।

आईपीएल के सबसे महंगे खिलाड़ी बने पंत शुरुआती दो मैचों में रहे फ्लॉप

पंजाब किंग्स के खिलाफ सुपरजाइंट्स की नजरें पहली जीत पर

एजेंसी, लखनऊ

लखनऊ सुपरजाइंट्स की टीम इंडियन प्रीमियर लीग मैच में मंगलवार को जब फॉर्म में चल रही पंजाब किंग्स की मेजबानी करेगी तो नए कप्तान ऋषभ पंत की नजरें अच्छा प्रदर्शन करने और टीम को घरेलू मैदान पर सत्र की पहली जीत दिलाने पर टिकी होंगी। पिछले साल नीलामी में आईपीएल के सबसे महंगे खिलाड़ी बने पंत शुरुआती दो मैच में बल्लेबाज के तौर पर नाकाम रहने के बाद 27 करोड़ रुपए की अपनी मोटी कीमत को सही साबित करने के लिए प्रतिबद्ध होंगे। सुपरजाइंट्स में उनकी कप्तानी की शुरुआत दुर्भाग्यपूर्ण हार के साथ शुरू हुई जब वह अपनी पूर्व टीम दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ सिर्फ एक विकेट से हार गए।

टीम की सफलता के बावजूद पंत को बल्ले से लगातार दूसरी बार असफलता का सामना करना पड़ा। यह आक्रामक भारतीय खिलाड़ी रन बनाकर अपने आलोचकों को चुप कराने के लिए बेताब होगा। पहली बार पंत का सामना दिल्ली कैपिटल्स के अपने पूर्व कोच रिकी पोंटिंग से होगा, जो इस सत्र में पंजाब किंग्स में शामिल हुए हैं। यह आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे और दूसरे सबसे महंगे खिलाड़ियों के बीच

मुकाबला होगा, जिसमें श्रेयस अय्यर पंजाब किंग्स की अगुवाई करेंगे। आईपीएल नीलामी में 26.75 करोड़ रुपए में बिके अय्यर ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ 42 गेंद पर नाबाद 97 रन बनाकर मैच जिताने वाली पारी खेली। आईपीएल विजेता कप्तान अय्यर तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करना पसंद करते हैं और इसी लय को जारी रखना चाहेंगे।

शशांक सिंह ने पिछले सत्र की शानदार लय बरकरार रखी है, जबकि प्रियांश आर्य ने आईपीएल पदार्पण करते हुए पंजाब के लिए 23 गेंद में 47 रन बनाकर अपने करियर की धमाकेदार शुरुआत की। भारत के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह और इंपेक्ट प्लेयर के रूप में उतरे मध्यम गति के गेंदबाज विजयकुमार वैशाख ने पंजाब के लिए प्रभावी गेंदबाजी की है। इकाना स्टेडियम की पिच गेंदबाजों, विशेषकर स्पिनरों और धीमी गति के गेंदबाजों के अनुकूल है और दोनों टीम के स्पिनर मैच के नतीजे में अहम भूमिका निभा सकते हैं।

अगर सुपरजाइंट्स का मजबूत बल्लेबाजी क्रम बड़ा स्कोर खड़ा करता है तो रवि बिश्नोई पर जिम्मेदारी होगी कि वह अपनी प्रभावी लेग स्पिन से सफलता दिलाएं। बिश्नोई हालांकि सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में नहीं हैं। उनके साथ लेग स्पिनर दिग्वेश राठी भी होंगे।

मैच : शाम 7 : 30 बजे से

संभावित टीमें

पंजाब किंग्स: श्रेयस अय्यर (कप्तान), प्रियांश आर्य, पायला अविनाश, हरनूर सिंह, जोश इंग्लिस, प्रभसिमरन सिंह, विष्णु विनोद, नेहाल वढेरा, अजमतुल्लाह उमरजई, आरोन हार्डी, मार्को यानसेन, ग्लेन मैक्सवेल, मुशीर खान, शशांक सिंह, मार्कस स्टोइनिस, सूर्यांश शेडगे, अर्शदीप सिंह, जेवियर बार्टलेट, युजवेंद्र चहल, प्रवीण दुबे, लॉकी फर्ग्युसन, हरप्रीत बरार, कुलदीप सेन, विजयकुमार वैशाख और यश ठाकुर।

लखनऊ सुपरजाइंट्स: ऋषभ पंत (कप्तान), डेविड मिलर, एडेन मारक्रम, आर्यन जुयाल, हिम्मत सिंह, मैथ्यू ब्रीट्जके, निकोलस पूरन, मिचेल मार्श, अब्दुल समद, शाहबाज अहमद, युवराज चौधरी, राजवर्धन हांगरगेकर, अर्शिन कुलकर्णी, आयुष बडोनी, आवेश खान, आकाश दीप, एम सिद्धार्थ, दिग्वेश सिंह, आकाश सिंह, शमर जोसेफ, प्रिंस यादव, मयंक यादव, मोहसिन खान, शारदुल ठाकुर और रवि बिश्नोई।

मुंबई इंडियंस के गेंदबाजों ने कोलकाता की उधेड़ी बखियां

एजेंसी, मुंबई

आईपीएल का 12वां मैच मुंबई इंडियंस और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला गया। मुंबई ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी। कोलकाता के ओपनर बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक (1) और सुनील नारायण (0) कुछ खास नहीं कर पाए और सस्ते में आउट हो गए। उसके बाद कप्तान अजिंक्य रहाणे बल्लेबाजी करने आए और मात्र 11 रन बनाकर चलते बने। अंगकृष रघुवंशी (26) और वेंकटेश अय्यर 3 रन बनाकर चलते बने।

रिंकू सिंह ने पारी को संभाला और 14 गेंदों में 17 रन बनाकर आउट हो गए। मनीष पांडे (19) रन बनाकर जल्दी ही चलते बने। समाचार लिखे जाने तक कोलकाता ने 12 ओवर में 7 विकेट गंवाकर 84 रन बना लिए थे। आंद्रे रसेल (5) और रमनदीप सिंह क्रीज पर डटे हुए थे।

राजस्थान रॉयल्स के कप्तान पर धीमी ओवर गति के लिए 12 लाख का जुर्माना

एजेंसी, गुवाहाटी

राजस्थान रॉयल्स के कार्यवाहक कप्तान रियान पराग पर यहां इंडियन प्रीमियर लीग मैच में चेन्नई सुपरकिंग्स पर अपनी टीम की छह रन की जीत के दौरान धीमी ओवर गति के लिए 12 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। रॉयल्स ने नौ विकेट पर 182 रन बनाने के बाद सुपरकिंग्स को छह विकेट पर 176 रन पर रोक दिया।

पराग की अगुवाई में टीम ने रविवार को घरेलू दर्शकों के सामने बारसापारा क्रिकेट स्टेडियम में सत्र की पहली जीत दर्ज की। आईपीएल ने एक विज्ञप्ति में कहा, ''यह न्यूनतम ओवर गति अपराधों से संबंधित आईपीएल की आचार संहिता के नियम 2.22 के तहत उनकी टीम का सत्र का पहला अपराध था इसलिए पराग पर 12 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया।'' टूर्नामेंट के अपने शुरुआती मैच में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ शिकस्त झेलने वाली रॉयल्स की टीम अब पांच अप्रैल को मुल्लांपुर में पंजाब किंग्स से भिड़ेगी।

शम्मी सिल्वा लगातार चौथी बार बने एसएलसी अध्यक्ष

एजेंसी, कोलंबो। शम्मी सिल्वा को सोमवार को यहां 64वीं वार्षिक आम सभा में श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) का फिर से अध्यक्ष चुना गया। एसएलसी ने कहा कि उन्हें 2025-27 के कार्यकाल के लिए निर्विरोध चुना गया। यह अध्यक्ष के रूप में उनका लगातार चौथा कार्यकाल है और तीसरी बार उन्हें निर्विरोध चुना गया है। सिल्वा को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के वर्तमान प्रमुख भारत के जय शाह के सहयोगी के रूप में देखा जाता है। उन्होंने पिछले साल दिसंबर में एशियाई क्रिकेट परिषद के अध्यक्ष के रूप में शाह की जगह ली थी। सिल्वा का कार्यकाल 2023 में तत्कालीन खेल मंत्री रोशन राणासिंघे के साथ उनके टकराव से प्रभावित रहा था। विश्व कप 2023 में भारत के खिलाफ श्रीलंका की बड़ी हार के बाद मंत्री ने एक अंतरिम समिति की नियुक्ति की थी, जिसके कारण श्रीलंका को आईसीसी से निलंबित कर दिया गया था।

बोर्नेमाउथ को हराकर मैनचेस्टर सिटी एफए कप सेमीफाइनल में

एजेंसी, बोर्नेमाउथ

मैनचेस्टर सिटी ने पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए बोर्नेमाउथ को 2-1 से हराकर एफए कप फुटबॉल टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई, जिससे टीम के पास अब भी अपने निराशाजनक सत्र का अंत खिताब के साथ करने का मौका है। इस मैच के दौरान हालांकि सिटी को वापसी दिलाने वाले एर्लिंग हैलेंड चोटिल हो गए।

पहले हाफ में हैलेंड की पेनल्टी को रोक दिया गया था, लेकिन 49वें मिनट में उन्होंने सिटी को बराबरी दिला दी। हालांकि, इसके 12 मिनट बाद उन्हें बाएं टखने में चोट के कारण मैदान से बाहर जाना पड़ा।

हैलेंड की जगह मैदान पर उतरे ओमार मारमोश ने दो मिनट के भीतर गोल दागकर सिटी को रिकॉर्ड में इजाफा करने वाले लगातार सातवें सत्र में सेमीफाइनल में जगह दिलाई। बोर्नेमाउथ की ओर से मैच का एकमात्र गोल 21वें मिनट में इवानिल्सन ने दागा। सिटी की टीम इंग्लिश प्रीमियर लीग में पांचवें स्थान पर है और चैंपियन्स लीग के लिए क्वालीफाई करने की दौड़ से बाहर हो चुकी है। सेमीफाइनल में सिटी की भिड़ंत नॉटिंगम फॉरेस्ट से होगी। अगले महीने यह मुकाबला वेम्बले स्टेडियम में खेल जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

वित्त मंत्री आज करेंगी राज्य आर्थिक मंच पोर्टल लांच

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण मंगलवार को 'नीति एनसीएईआर राज्य आर्थिक मंच' पोर्टल का शुभारंभ करेंगी। इस पोर्टल पर 2022-23 तक के (पिछले तीन दशकों) राज्यों के सामाजिक, आर्थिक और राजकोषीय मापदंडों से जुड़े आंकड़े उपलब्ध होंगे। नीति आयोग की राष्ट्रीय अनुप्रयुक्त आर्थिक अनुसंधान परिषद (एनसीएईआर) के सहयोग से विकसित यह पोर्टल, राज्यों की पांच श्रेणियों- जनसांख्यिकी; आर्थिक संरचना; राजकोषीय; स्वास्थ्य और शिक्षा- से जुड़े डाटाबेस तक लोगों को सीधी पहुंच प्रदान करेगी।

प्रियंका गांधी का काफिला रोकने पर यूट्यूबर गिरफ्तार

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा के काफिले को रोकने के आरोप में एक यूट्यूबर को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने घटना के सिलसिले में एलानाडू निवासी अनीश अब्राहम को हिरासत में लिया और बाद में उसे थाने से जमानत पर रिहा कर दिया। यूट्यूबर की कार भी जब्त कर ली गई है। शनिवार रात को मन्नुथी बाईपास जंक्शन पर जब प्रियंका गांधी अपने निर्वाचन क्षेत्र और मलप्पुरम जिले में कई कार्यक्रमों में शामिल होने के बाद वंदूर, मलप्पुरम से कोच्चि हवाई अड्डा जा रही थीं। आरोपी ने वायनाड के सांसद के पायलट वाहन के हॉर्न बजाने से नाराज होकर अपनी कार काफिले के सामने रोक दी।

दिल्ली की जामा मस्जिद में ईद की नमाज पढ़ते लोग।

देश-विदेश

27 दिन बाद मेरठ हत्याकांड में चौंकाने वाले खुलासे

साहिल और मुस्कान ने 12 बार गला काटा सूटकेस छोटा पड़ा तो शव को काट ड्रम में भरा

एजेंसी, मेरठ

मेरठ में सौरभ राजपूत मर्डर के 27 दिन बीत चुके हैं। इस हत्याकांड में 3 स्तर पर जांच चल रही है। पुलिस, फॉरेंसिक टीम और साइबर सेल जांच कर रहा है।

पुलिस केस डायरी, साइबर सेल की मोबाइल जांच के बाद अब फॉरेंसिक टीम की जांच में कई चौंकाने वाले खुलासे सामने आ रहे हैं। साहिल और मुस्कान ने सौरभ के टुकड़ों को पहले सूटकेस में भरकर ठिकाने लगाने का प्लान बनाया था, लेकिन उस हिसाब से सूटकेस छोटा पड़ गया। इस पर अगले दिन मुस्कान ड्रम खरीदकर लाई और उसमें बॉडी के टुकड़े सीमेंट से सील कर दिए। हत्या करने के बाद उसी चादर में हाथ पोछे जो बेड पर बिछा था। सौरभ की गर्दन काटने के लिए 10-12 बार गला रेता गया। इससे खून के छींटे पूरे कमरे में फैल गए। 25 मार्च को पुलिस के साथ फॉरेंसिक टीम यहां पहुंची। क्राइम सीन इन्वेस्टिगेशन के दौरान पता चला कि साहिल और मुस्कान ने खून के निशान ब्लीचिंग पाउडर से धो दिए थे। यहां तक कि उस बेडशीट को भी धो दिया था, जिस पर सौरभ की हत्या की थी। दरअसल, ब्लीचिंग पाउडर का इस्तेमाल सफेद कपड़ों पर लगे दाग-धब्बों को छुड़ाने से लेकर टॉयलेट साफ करने, दीवारों से गंदगी हटाने के काम में लाया जाता है। फॉरेंसिक टीम को कमरे से बाथरूम तक करीब 25 जगह पर खून के निशान मिले।

एप्पल पर 15 करोड़ यूरो का जुर्माना लगाया

पेरिस। फ्रांस के प्रतिस्पर्धा नियामक ने अप्रैल, 2021 से जुलाई, 2023 के बीच आईओएस तथा आईपैड उपकरणों के लिए मोबाइल एप्लिकेशन के वितरण में अपनी दबदबे की स्थिति का दुरुपयोग करने के लिए एप्पल पर 15 करोड़ यूरो (16.2 करोड़ डॉलर) का जुर्माना लगाया है। फ्रांस के प्रतिस्पर्धा प्राधिकरण ने सोमवार को कहा कि उसने पाया कि एप्पल के ऐप ट्रैकिंग ट्रांसपेरेंसी ढांचे का उद्देश्य उपयोगकर्ताओं को तीसरे पक्ष के एप्लिकेशन की ओर से डाटा संग्रह के लिए सहमति देने की अनिवार्यता है, जो अपने आप में आलोचना के लिए खुला नहीं है। प्राधिकरण ने कहा कि इसे जिस तरह से लागू किया गया वह न तो जरूरी था और न ही व्यक्तिगत डाटा की सुरक्षा के एप्पल के घोषित उद्देश्य के अनुरूप था।

इसराइल ने गाजा में बरसाए बम, नौ लोगों की गई जान

एजेंसी, गाजा पट्टी

इसराइल की ओर से गाजा में की गई बमबारी में कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई। अल जजीरा न्यूज चैनल के अनुसार, इसराइली सुरक्षाबलों ने सोमवार को भी हमला जारी रखा। इसराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि हमास को युद्धविराम के अंतिम चरण तक पहुंचने के लिए अपने हथियार डालने चाहिए। वह अपने लड़ाकों को गाजा से बाहर करे। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय का कहना है कि इजरायल के युद्ध में कम से कम 50,277 फिलिस्तीनियों की मौत की पुष्टि हुई है और 114,095 घायल हुए हैं।

रफा के अधिकांश हिस्से से लोगों को निकलने के आदेश

दीर अल-बला। इसराइल की सेना ने सोमवार को गाजा पट्टी के दक्षिणी शहर रफा के अधिकांश हिस्सों को खाली करने के आदेश जारी किए हैं, जो गाजा पट्टी के सबसे दक्षिणी शहर में इसराइली सेना की ओर से एक और बड़ा जमीनी अभियान शुरू करने के संकेत हैं।

संसदीय समिति ने जताई सीपीएसई में महिलाओं की कम संख्या पर चिंता

एजेंसी, नई दिल्ली

संसद की स्थायी समिति ने सार्वजनिक क्षेत्र के केंद्रीय उद्यमों (सीपीएसई) में नेतृत्व की भूमिकाओं में महिलाओं की कम संख्या पर चिंता जाहिर करते हुए आधी आबादी की उन्नति के रास्ते की बाधाओं को दूर करने के लिए ठोस उपायों के कार्यान्वयन का सुझाव दिया है। समिति का यह रुख सार्वजनिक उद्यम चयन बोर्ड (पीईएसबी) के कामकाज की समीक्षा करते समय आया।

यह बोर्ड सीपीएसई के लिए एक ठोस प्रबंधकीय नीति विकसित करने और प्रबंधन के शीर्ष पदों पर नियुक्तियों के संबंध में सरकार को सलाह देने के उद्देश्य से स्थापित एक उच्चाधिकार प्राप्त निकाय है। कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) से संबंधित अनुदानों की मांगों (2025-26) पर, कार्मिक, लोक शिकायत, कानून और न्याय विभाग संबंधी स्थायी संसदीय समिति ने 27 मार्च को संसद में अपनी 145वीं रिपोर्ट पेश की।

राहुल ने पीएम मोदी को लिखा पत्र, कहा- अपतटीय खनन की निविदाएं की जाएं रद्द

एजेंसी, नई दिल्ली

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर केरल, गुजरात और अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह में अपतटीय खनन की अनुमति देने वाली निविदाओं को रद्द किए जाने की मांग की है।

राहुल गांधी ने समुद्री जीवन के लिए खतरे की ओर इशारा करते हुए कहा कि प्रभाव का कोई आकलन किए बिना अपतटीय खनन ब्लॉक को निजी कंपनियों के लिए खोलना चिंताजनक है। उन्होंने पत्र में कहा कि मैं केरल, गुजरात और अंडमान एवं निकोबार में अपतटीय खनन की अनुमति देने के केंद्र सरकार के फैसले की कड़ी निंदा करने के लिए आपको यह पत्र लिख रहा हूं।

वक्फ संशोधन विधेयक कल होगा संसद में पेश

नई दिल्ली। वक्फ संशोधन बिल को मौजूदा बजट सत्र में पेश किया जा सकता है। ये सत्र 4 अप्रैल तक चलेगा। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सरकार का कहना है कि 2 अप्रैल को इस बिल को संसद में चर्चा के लिए लाया जाएगा। गृह मंत्री अमित शाह ने 29 मार्च को एक निजी चैनल से बातचीत में इसी सत्र (बजट सत्र) में वक्फ बिल संसद में पेश करने की बात कही थी।

बदलाव टैक्स स्लैब में बड़ी राहत, नौकरीपेशा लोगों को 75 हजार रुपए का अतिरिक्त फायदा मिलेगा

बजट लागू होने पर आज से होंगे 6 बड़े बदलाव

एजेंसी, नई दिल्ली

नया बजट पहली अप्रैल से लागू हो जाएगा यानी सरकार ने बजट पेश करते हुए जो ऐलान किए थे उन पर काम शुरू होगा। पहली से छह बड़े बदलाव होंगे। हालांकि, योजनाओं का फायदा कब से मिलेगा, यह योजना के प्रकार और लागू करने की प्रक्रिया पर निर्भर करेगा।

आयकर छूट या सब्सिडी जैसे फायदे पहली अप्रैल से लागू हो जाते हैं, क्योंकि ये वित्तीय वर्ष के साथ जुड़े होते हैं। वहीं, इंफ्रास्ट्रक्चर और विकास परियोजनाएं, सामाजिक कल्याण योजनाओं का फायदा मिलने में समय लगता है, क्योंकि इन पर काम करने की एक लंबी प्रोसेस होती है।

टैक्स स्लैब : 20 से 24 लाख की इनकम के लिए नया स्लैब

न्यू टैक्स रिजीम के तहत अब 12 लाख रुपए तक की कमाई पर कोई टैक्स नहीं देना होगा। नौकरीपेशा लोगों के लिए 75 हजार के स्टैंडर्ड डिडक्शन के साथ यह छूट 12.75 लाख रुपए हो जाएगी। न्यू टैक्स रिजीम में 20 से 24 लाख की इनकम के लिए 25 फीसदी टैक्स का नया स्लैब भी शामिल किया गया है।

असर क्या होगा : पहले 30 फीसदी की अधिकतम दर 15 लाख रुपए से ऊपर की आय पर लागू होती थी, लेकिन अब यह सीमा बढ़ाकर 24 लाख रुपए कर दी गई है। इससे मध्यम और उच्च-मध्यम आय वर्ग को कर में बचत होगी।

टीडीएस लिमिट की सीमा बढ़ी: 6 लाख तक की रेंटल इनकम पर टैक्स नहीं

क्या बदलाव हुआ है : कुछ भुगतानों पर (टैक्स डिडक्शन एट सोर्स) टीडीएस की सीमा को बढ़ाया गया है।

रेंट से होने वाली इनकम पर टीडीएस छूट दोगुनी: रेंट से होने वाली इनकम पर टीडीएस की सीमा 2.4 लाख से बढ़कर 6 लाख हो गई है।

वरिष्ठ नागरिकों को ब्याज आय पर छूट दोगुनी : बैंक एफडी से ब्याज आय अर्जित करने वाले वरिष्ठ नागरिकों के लिए टीडीएस सीमा 50 हजार से बढ़कर 1 लाख हो गई है।

प्रोफेशनल सर्विस पर टीडीएस सीमा में बढ़ोतरी : प्रोफेशनल सर्विस पर टीडीएस की सीमा अब 30 हजार से बढ़कर 50 हजार हो गई है।

सस्ता-महंगा: कस्टम ड्यूटी बदलने का 150-200 प्रोडक्ट पर असर

सरकार ने फरवरी में पेश किए गए बजट में कुछ प्रोडक्ट पर कस्टम ड्यूटी घटाई थी और कुछ पर बढ़ाई थी। इससे करीब 150-200 प्रोडक्ट प्रभावित होंगे। आम तौर पर वित्तीय वर्ष की शुरुआत यानी 1 अप्रैल 2025 से कस्टम ड्यूटी में हुए बदलाव लागू होते हैं।

- टीसीएस लिमिट की सीमा बढ़ी: विदेश में पढ़ाई के लिए 10 लाख तक भेजने पर टैक्स नहीं
- अपडेटेड रिटर्न भरने के लिए ज्यादा समय : 48 महीने तक दाखिल कर सकेंगे।
- यूलिप पर कैपिटल गेन टैक्स: 2.5 लाख रुपए से ज्यादा प्रीमियम कैपिटल एसेट माना जाएगा।

शिक्षा प्रणाली का नरसंहार समाप्त हो: सोनिया गांधी

नई दिल्ली। तमिलनाडु और केंद्र सरकार के बीच नई शिक्षा नीति में हिंदी थोपने के लेकर छिड़े विवाद के बीच कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने केंद्र सरकार को घेरा है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक शिक्षा प्रणाली का नरसंहार समाप्त होना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि नई शिक्षा नीति का मुख्य एजेंडा सत्ता का केंद्रीकरण निवेश को निजी क्षेत्र को सौंपना तथा पाठ्यपुस्तकों का सांप्रदायिकरण करना है। सोनिया गांधी ने कहा कि ये तीन 'सी' आज भारतीय शिक्षा को बिगाड़ रहे हैं। सोनिया गांधी ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 की शुरुआत ने एक ऐसी सरकार की वास्तविकता को छिपा दिया है जो भारत के बच्चों और युवाओं की शिक्षा के प्रति बेहद उदासीन है।

ट्रंप की जेलेंस्की को धमकी, मिनरल डील से पीछे हटना बहुत भारी पड़ेगा

एजेंसी, वॉशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंक्सी को चेतावनी दी है। ट्रंप ने कहा कि अगर जेलेंक्सी अमेरिका के साथ हुई मिनरल डील से पीछे हटते हैं, तो उन्हें बहुत बड़ी मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा।

ट्रंप ने यह बयान उस वक्त दिया जब कुछ घंटे पहले ही उन्होंने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की जेलेंस्की को लेकर की गई टिप्पणी पर भी नाराजगी जताई थी। ट्रंप ने पत्रकारों से कहा कि वो (जेलेंस्की) दुर्लभ खनिजों को लेकर की गई डील से पीछे हटने की कोशिश कर रहे हैं। अगर वो ऐसा करते हैं, तो उन्हें बहुत बड़ी दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा। हमने रेयर अर्थ (दुर्लभ खनिजों) पर डील की थी और अब वो कह रहे हैं कि इसे फिर से बातचीत के लिए खोला जाए। ट्रंप ने रविवार को यूक्रेन के नाटो में शामिल होने की उम्मीदों को भी खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि वो नाटो का सदस्य बनना चाहता है, लेकिन ऐसा कभी होने वाला नहीं था। और वो इसे समझता है। ट्रंप ने दावा किया कि युद्ध को खत्म करने की दिशा में कुछ प्रगति हो रही है, लेकिन साथ ही यह भी माना कि जेलेंस्की और पुतिन के बीच गहरी दुश्मनी बनी हुई है।